जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 65 प्रभात चूरू, सोमवार 3 जुलाई, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

हमारे प्राकृतिक जगत में हो रही हर घटना के लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता है, इंग्लैंड में लुप्त मान ली गई एक तितली का नज़र आना इसका एक अनुपम उदाहरण है। काली शिराओं वाली सफेद तितली यू.के. के प्रधानमंत्री रहे विन्स्टन चर्चिल को बेहद प्रिय थी और किसी समय बिटिश द्वीपों में यह बेहद आम थी। पर विशेषज्ञों के अनुसार, 1925 के बाद से यह नहीं दिखी है। इस माह के आरंभ में, प्रकृति प्रेमियों ने साउथ ईस्ट लंदन के बगीचों में इसे देखा। इस खबर से प्रकृति प्रेमी और वैज्ञानिक रोमांचित हैं, लेकिन कुछ संरक्षणविदों ने घोषणा की है कि, यह बहुत खुश होने वाली बात नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि, इसका सम्बंध जलवायु परिवर्तन से हो सकता है। यह धारणा इस तथ्य पर आधारित हैं कि, यू.के. के बाहर गर्म इलाकों में, खासकर यूरोप के मेनलैंड और उत्तरी अफ्रीका में, अभी भी ये तितलियाँ भारी संख्या में मौजूद हैं। प्रकृति विशेषज्ञ सोच रहे हैं, क्या इस तितली के नज़र आने का कारण गर्म मौसम है। लेकिन इस तितली का नज़र आना किसी और नुकसानदेह घटना का परिणाम हो सकता है। यू.के. के एक संगठन, ''बटर फ्लाई कंज़र्वेशन'' ने बताया कि, तितलियों को अनाधिकृत रुप से छोड़ा गया है और अब इस बात की संभावना बहुत कम है कि, प्रजनन के लिए ये प्राकृतिक वातावरण में सरवाइव कर पाएंगी। संगठन ने कहा कि, अनाधिकृत रुप से इन्हें छोड़ना वर्तमान संरक्षण प्रयासों के लिए बाधा है। इस तरह की घटनाओं से, इस प्रजाति के प्राकृतिक आवास और रुझान का सही रिकॉर्ड तैयार करने में रुकावट आती है। पूर्व में भी इसी प्रकार लुप्त मान ली गई प्रजातियों की अनियमित रिलीज़ से अच्छे नतीजे नहीं मिले थे। इन तितलियों के पंखों का फैलाव 7 सैंटी मीटर तक होता है। मादा के पंख ज्यादा पारदर्शी होते हैं, क्योंकि वो अपने पंखों को एक दूसरे से रगड़ती हैं और इस प्रक्रिया में शल्क हट जाते हैं। यह प्रवृति नर में नहीं पाई जाती है। इस प्रजाति को सबसे पहले 1967 में ब्रिटिश प्रजाति के रुप में लिस्ट किया गया था। जैसे इनका आगमन रहस्य है, वैसे ही इसकी विलुप्ति भी एक रहस्य थी, क्योंकि जिन पौधों पर भोजन के लिए ये आश्रित होती हैं वो तो उनके पूर्व आवासों में आज भी फल-फूल रहे हैं।

शरद पवार को झटका, अजित पवार 29 विधायकों के साथ एन.डी.ए. का हिस्सा बने

अजित पवार ने महाराष्ट्र के उप मु.मंत्री पद की शपथ ली उनके साथ 7 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद ग्रहण किया

- **एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने तंज कसते हुये कहा कि, दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एन.सी.पी. के बारे कहा था कि, एन.सी.पी. खत्म हो चुकी पार्टी है। उन्होंने तब एन.सी.पी. में भ्रष्टाचार के आरोपों का जिक्र किया था। मुझे खुशी है कि, मेरे कुछ साथियों ने आज मंत्री पद की शपथ ली है। महाराष्ट्र सरकार में शामिल होने से यह स्पष्ट है कि, वे सभी अब आरोप मुक्त हो गए हैं।**
- **शरद पवार ने कहा कि, मैंने 6 जुलाई को सभी नेताओं की एक बैठक बुलाई थी जहां कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी थी और पार्टी के भीतर कुछ बदलाव किए जाने थे। लेकिन उससे पहले ही कुछ नेताओं ने अलग रुख अपनाया है।**

मुंबई, 2 जुलाई। महाराष्ट्र की सियासत में रविवार को एक बार फिर बड़ा सियासी ड्रामा देखने को मिला। एन.सी.पी. नेता अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की पार्टी तोड़ दी और 29 विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए। दोपहर ढाई बजे के करीब अजित पवार ने मंत्री पद की शपथ ली। वे उपमुख्यमंत्री के तौर पर सरकार में शामिल हुए। उनके साथ छगन भुजबल, दिलीप वाल्से पाटिल, हसन मुश्रीफ, रामराजे निंबालकर, धनंजय मुंडे, अदिति तटकरे, संजय बनसोडे और अनिल भाईदास पाटिल ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) ने एकनाथ शिंदे सरकार में अजित पवार के उपमुख्यमंत्री के तौर पर शामिल होने के बाद रविवार को पार्टी के विधायक जितेंद्र आव्हाड को महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया।

कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने एक ट्वीट में अजित पवार के एन.सी.पी. के अन्य नेताओं के साथ शपथ ग्रहण का जिक्र करते हुए कटाक्ष किया, मुझे लगता है कि इसी लोकतंत्र की जननी के बारे में मोदी अमेरिकी कांग्रेस में अपने संबोधन में बात कर रहे थे। मोदी ने पिछले महीने अमेरिकी कांग्रेस में अपने संबोधन में कहा था लोकतांत्रिक भावना के विकास में भारत लोकतंत्र की जननी है।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि, दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एन.सी.पी. के बारे में कहा था कि एन.सी.पी. खत्म हो चुकी पार्टी है। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों का जिक्र किया। मुझे खुशी है कि मेरे कुछ साथियों ने आज शपथ ली है। उनका सरकार (महाराष्ट्र) में शामिल होने से यह स्पष्ट है कि वे सभी आरोप मुक्त हो गए हैं।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मैंने 6 जुलाई को सभी नेताओं की एक बैठक बुलाई थी जहां कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी थी और पार्टी के भीतर कुछ बदलाव किए जाने थे, लेकिन उससे पहले ही कुछ नेताओं ने अलग रुख अपनाया है।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मुझे बहुत से लोगों से फोन आ रहे हैं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य लोगों ने मुझे फोन किया है। आज जो कुछ भी हुआ मुझे उसकी चिंता नहीं है। कल मैं वाई.बी. चव्हाण (महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री) का आशीर्वाद लूंगा और एक सार्वजनिक बैठक करूंगा।

महाराष्ट्र के सियासी ड्रामा पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा, ''अजीत पवार काफी समय से नाराज़ चल रहे थे। वे चाहते थे कि भाजपा के साथ उनका गठबंधन होना चाहिए। लेकिन शरद पवार नहीं चाहते थे। यह बेहद बड़ा परिवर्तन है और महा विकास अघाड़ी को धक्का लगा है।''

मोदी की यात्रा से पहले फ्रांस ने आगे बढ़कर भारत को बड़ा ऑफर दिया

अमेरिका की काट करते हुये फ्रांस ने भारत को लड़ाकू विमानों के लिए एडवांस ''जी.ई.-414 इंजन'' देने की पेशकश की है तथा इनका निमार्ण भी ''मेड इन इंडिया'' प्रोग्राम के तहत कराने के लिए तैयार है

- **फ्रांस की प्रमुख कंपनी सफरान ने भारत में लड़ाकू विमानों के अत्याधुनिक इंजन निर्माण के लिए यूनिट शुरु करने की पेशकश की है।**
- **यह ऑफर भारतीय विमानवाहक पोतों के लिए ट्विन इंजन-एडवांस मल्टी रोल्ड कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (ए.एम.आर.ए.) और जुड़वां इंजन डेक-आधारित लड़ाकू विमान (ट्विन इंजन डेक बेस्ड फाइटर प्लेन्स) को शक्ति प्रदान करेगा।**

नई दिल्ली, 2 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने दो दिवसीय दौरे पर फ्रांस की राजधानी पेरिस जा रहे हैं। मोदी के पैरिस पहुँचने से पहले ही खुद आगे बढ़कर फ्रांस ने भारत को लड़ाकू विमानों के लिए जी.ई.-414 इंजन देने की पेशकश की है। गौरतलब है कि, भारत अमेरिका के साथ इसी प्रकार की एक अन्य डील करने के प्रयास में है लेकिन फ्रांस ने अमेरिका के साथ हुए सौदे से कई कदम आगे की पेशकश की है। इमैनुएल मैक्रॉन सरकार ने भारत के साथ मिलकर लड़ाकू विमानों के इंजन को संयुक्त रूप से डिजाइन, विकसित, परीक्षण, निर्माण और अंततः प्रमाणित करने का प्रस्ताव भारत को दिया है। भारत के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक फ्रांस की मैक्रॉन सरकार ने इसकी हरी झंडी दे दी है।

मामले से परिचित लोगों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। यह ऑफर भारतीय विमानवाहक पोतों के लिए ट्विन इंजन-एडवांस मल्टी रोल्ड कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (ए.एम.आर.ए.) और जुड़वां इंजन डेक-आधारित लड़ाकू विमान (ट्विन इंजन डेक बेस्ड फाइटर प्लेन्स) को शक्ति प्रदान करेगा।

फिलहाल सरकार की तरफ से इस सौदे के बारे में कोई खुलासा नहीं किया गया है लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि फ्रांसीसी की कंपनी सफरान द्वारा प्रस्तावित प्रौद्योगिकी का 100 हस्तांतरण यू.एस. इंटरनेशनल ट्रेड इन आर्म्स रेगुलेशन से मुक्त है और इस डील के तहत प्रस्तावित 110 किलो न्यूटन पावर वाला यह इंजन पूरी तरह से ''मेड इन इंडिया'' होगा।

डी.आर.डी.ओ. प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत ने हाल ही में संपन्न 2023

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भाजपा की वॉशिंग मशीन'

नई दिल्ली, 2 जुलाई। महाराष्ट्र में रविवार को अचानक से बदले सियासी घटनाक्रम पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया और बीजेपी पर करारा तंज कसा। रमेश ने कहा कि स्पष्ट रूप से भाजपा की वॉशिंग मशीन ने अपना काम फिर से शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हुए कई नए सदस्यों पर आज

- **जयराम रमेश ने कहा कि, कल तक दागी और भ्रष्ट रहे एन.सी.पी. के नेता भाजपा की वॉशिंग मशीन में धुलकर साफ-सुथरे हो जायेंगे।**

ई.डी., सी.बी.आई. और आयकर अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। अब इन सभी को क्लीन चिट मिल गई है। महाराष्ट्र को बीजेपी के चंगुल से मुक्त कराने के लिए कांग्रेस अपनी कोशिशें तेज करेगी।

अपनं भतीजे अजित पवार की बगावत पर एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजित पवार ने एन.सी.पी. के सिंबल पर दावा ठोका

- **अजित पवार ने कहा कि, मैं एन.सी.पी. के सिंबल पर ही अगला चुनाव लड़ूंगा**
- **अजित पवार ने इस मौके पर स्पष्ट कहा कि, पार्टी के सभी विधायक और सभी नेता उनके साथ हैं। अजित पवार ने यह भी कहा कि उन्होंने शरद पवार से फोन पर बात की है।**
- **वहीं एन.सी.पी. के दिग्गज नेता छगन भुजबल ने कहा कि, पार्टी में कोई फूट नहीं है। हमने एन.सी.पी. के रूप में ही शिंदे सरकार को समर्थन दिया है।**

मुंबई, 2 जुलाई। महाराष्ट्र में नए डिप्टी सी.एम. के रूप में पद की शपथ लेने के बाद अजित पवार ने प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द होगा और इसमें कुछ और मंत्री शामिल होंगे। साथ ही अजित पवार ने यह भी कहा कि वह एन.सी.पी. के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का नाम भी मेरे साथ ही रहेगा। इस तरह से अजित पवार ने चाचा शरद पवार को सीधे चुनौती दी है। वहीं, छगन भुजबल ने कहा कि पार्टी में फूट नहीं है। हमने एन.सी.पी. के रूप में ही शिंदे सरकार को समर्थन दिया है। अजित पवार ने इस मौके पर स्पष्ट कहा कि पार्टी के सभी विधायक और सभी नेता उनके साथ हैं। अजित पवार ने यह भी कहा कि उन्होंने शरद पवार से फोन पर बात की है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके पास शरद पवार का आर्शीवाद है, तो उन्होने कहा कि सभी का मतलब सभी।

अजित पवार ने कहा कि पी.एम. मोदी देश के विकास के लिए काम कर रहे हैं। इसलिए मुझे लगा कि हमें भी इसमें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की बात करें तो कहीं लेफ्ट बनाम ममता तो दिल्ली में कांग्रेस बनाम आप चल रहा है। ऐसे में विपक्षी एकता से कुछ बात बनने वाली है। पी.एम. मोदी के खिलाफ विपक्ष बिखरा हुआ है। इसलिए हमने सरकार के साथ जाने का फैसला किया। शिंदे सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध, इसलिए हमने विकास के साथ जाने का फैसला किया। कई लोग अलग-अलग तरह की टिप्पणी करेंगे, इस पर हमें ध्यान देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि एन.सी.पी. में नए लोगों को मौका मिलेगा। नागालैंड में भी एन.सी.पी. भाजपा सरकार के साथ गई थी। वहां पर भी विकास पर फोकस किया गया था।

प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद एक अन्य प्रमुख एन.सी.पी. नेता छगन भुजबल ने कहा कि वह अजित पवार की बातों से पूरी तरह से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि हमने एन.सी.पी. छोड़ी नहीं, बल्कि एन.सी.पी. के साथ हैं। भुजबल ने कहा कि हमने पी.एम. मोदी की आलोचना की, लेकिन सच यह है कि देश उनके हाथों में सुरक्षित है। ओ.बी.सी. से जुड़े कई मामलों को केंद्र की सहायता से हल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में 29 लोगों को गोली मारी गई

वाशिंगटन, 2 जुलाई (वार्ता)। अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के बाल्टीमोर शहर में गोलीबारी में कई लोग मारे गए जबकि 29 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने रविवार को दी। खबरों के अनुसार, यह घटना ब्रुकलिन होम्स इलाके में एक सभा के दौरान हुई।

- **अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के बाल्टीमोर शहर में गोलीबारी में कई लोग मारे गए, जबकि 29 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने रविवार को दी।**

फॉक्स न्यूज ने पुलिस के हवाले से कहा कि घायल लोगों में से 19 खुद ही अस्पताल में भर्ती हुए जबकि 10 अन्य घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोलीबारी में मरने वालों की संख्या चार है हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।

कांटों से सजा ताज है पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पद?

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति से परेशान होकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घोषणा की है कि वे, अपने कार्यकाल के अंत में प्र.मंत्री का पद छोड़ देंगे

- **गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री होने के नाते शहबाज शरीफ को अपने देश के गम्भी आर्थिक हालात से निपटने के लिए देश-दुनिया में जगह-जगह कर्ज की तलाश में भटकना पड़ रहा है। शायद, इसी बात से प्र.मंत्री शहबाज शरीफ अब उकता चुके हैं।**
- **लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शाहबाज शरीफ ने साफ संदेश में कहा कि, अगले चुनाव की घोषणा करना और कराना चुनाव आयोग का काम है, संविधान के मुताबिक यह काम चुनाव आयोग को करना है।**

इस्लामाबाद, 2 जुलाई। पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति से शहबाज शरीफ उकता गए हैं। प्रधानमंत्री के होने के नाते यह पद उनके लिए एक कांटों भरा ताज जैसा हो गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने ऐलान किया है कि वह अपने कार्यकाल के अंत में सरकार छोड़ देंगे। लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शाहबाज शरीफ ने साफ संदेश में कहा कि चुनाव की घोषणा करना और कराना चुनाव आयोग का काम है, संविधान के मुताबिक यह काम चुनाव आयोग को करना है।

उन्होंने कहा कि अगर चुनाव में किसी और को मौका मौका मिलेगा तो हम पूरा सहयोग करेंगे, अगर हम तुम और मैं को छोड़कर हम नहीं बनेंगे तो पाकिस्तान का विकास नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि आई.एम.एफ. के साथ समझौते से रातों-रात महंगाई कम नहीं होगी, महंगाई को नकारना खुद के साथ एक धोखा है। शाहबाज शरीफ ने कहा कि सीनेट के चेयरमैन ने खुद कहा है कि वह प्रोत्साहन बढ़ाने वाले बिल को वापस ले लेंगे, आई.एम.एफ. का कार्यक्रम अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए घी या मिठाई नहीं है।

गले तक कर्ज में डूबा पाकिस्तान लगातार अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए भीख का कटोरा लेकर आई.एम.एफ. के दरवाजे पर पहुंचा था। 6.5 अरब डॉलर के कर्ज की पेशकश करने वाले पाकिस्तान को अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान ने 3 अरब का कर्ज मिला है। पाकिस्तान को इस कर्ज की काफी वक्त से दरकार थी। पाकिस्तान के पी.एम. शहबाज शरीफ ने कर्ज पाने के लिए एडी-चोटी का जोर लगा दिया था।

पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति की बात करें तो महंगाई चरम पर पहुंच गई है। वहां आटा चावल का दाम आसमान छू रहा है। स्थिति ऐसी है एयरलाइन्स को भी चलाने के लिए पड़ोसी के पास पैसे कम पड़ रहे हैं। अपना खर्च चलाने के लिए पाकिस्तान ने अपने काबिल दोस्त - चीन, सऊदी अरब और यू.ए.ई. से कर्ज ले चुका है। ऐसे में आई.एम.एफ. से भी पाकिस्तान ने कर्ज ले लिया।

मुश्किल हालात से गुजर रही पाकिस्तान की इकॉनमी लगातार गर्त में जा रही है। पाकिस्तान वित्तीय सहायता लेकर खुद को डिफॉल्ट होने से बचाने की कोशिश कर रहा है। वहीं शहबाज शरीफ को इस बात की आशा है कि पाकिस्तान को अब और कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

'जे.एन.यू. में ''72 हूरें'' की स्क्रीनिंग

नई दिल्ली , 2 जुलाई (वार्ता)। टीजर लांच से ही विवादों के बीच रही फिल्म 72 हूरें की विशेष स्क्रीनिंग यहां जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय (जे.एन.यू.) में चार जुलाई को जायेगी।

फिल्म के निर्माता ने जे.एन.यू. में

- **टीजर लांच से ही विवादों के बीच रही फिल्म ''72 हूरें'' की विशेष स्क्रीनिंग यहां जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय में चार जुलाई को जायेगी।**

72 हूरें की विशेष स्क्रीनिंग के बारे में कहा, यह कश्मीरी मुसलमानों और अन्य छात्रों के लिए एक फिल्म के प्रति अपने विचार और प्रतिक्रिया व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण क्षण प्रस्तुत करता है जो आतंकवादी शिविरों की भयानक वास्तविकता को उजागर करता है। इससे पहले, फिल्म के निर्देशक संजय पूरन सिंह चौहान ने टिप्पणी की थी, अपराधियों द्वारा दिमाग में धीमी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जीवन का रहस्य भोग में स्थित नहीं है, यह केवल अनुभव द्वारा निरंतर सीखने से ही प्राप्त होता है। –विवेकानंद

क्या करें, समय ही नहीं मिलता है!

क्या करें, समय ही नहीं मिलता है – यह एक ऐसा वाक्य है जिसे आप दिन में कई बार कई-कई लोगों से सुनते हैं। पहली ही बार में यह स्पष्ट कर दूं कि यह वाक्य जस-का-तस नहीं होता। कहा जाता है– 'क्या करें, टाइम ही नहीं मिलता है'। मैंने अपनी आदत के चलते टाइम को समय कर दिया है। बात एक ही है। अभी दो दिन पहले एक संस्थान में भाषा की महत्ता पर भाषण देने के लिए जाने का मौका मिला। मैंने अन्य बातों के अलावा इस बात पर भी ज़ोर दिया कि अपनी भाषा सुधारने का एक तरीका यह भी है कि खूब पढ़ा जाए! बाद में चर्चा के दौरान जब मैंने उपस्थित सम्भागियों से यह जानना चाहा कि क्या वे अपनी फुर्सत के समय में कुछ पढ़ते हैं, तो उन सबका एक ही जवाब था। वह जवाब, जो इस लेख का शीर्षक है। यह तो गनीमत है। ये लोग नौकरी पेशा, घर-बारी लोग थे। इनके पास एक पक्की सरकारी नौकरी थी। हद तो तब हुई जब एक नौकरी, वह भी शिक्षक की नौकरी, बड़ी नौकरी, के लिए साक्षात्कार लेते हुए मैंने नौकरी चाहने वालों से यह पूछा कि उन्होंने हाल में क्या नया पढ़ा है, तो उनमें से करीब-करीब सभी का यही जवाब था, कि क्या करें, टाइम ही नहीं मिलता है! और मैं सोचने लगा था कि अगर अभी जब इन्हें नौकरी की ज़रूरत है, तब इन्हें पढ़ने का टाइम नहीं मिल रहा है, तो जब नौकरी मिल जाएगी, तब क्या इन्हें, इन्हीं के शब्दों में, पढ़ने का टाइम मिलेगा? तब तो नौकरी ही इनका बहुत सारा समय खा जाएगी, फिर घर-परिवार की बहुत सारी ज़िम्मेदारियां भी होंगी। तो क्या यह मान लें कि जो लोग पढ़ाने के काम में लगेंगे, वे पढ़ने के लिए कोई समय तब भी नहीं निकाल सकेंगे, अभी तो नहीं ही निकाल सक रहे हैं! और जो नहीं पढ़ रहे हैं, वे क्या और कैसा पढ़ाएंगे, यह सहज ही सोचा जाना जा सकता है!

बात केवल पढ़ने की ही नहीं है। अगर आप अपने किसी जान पहचान वाले से उसके स्वास्थ्य के बारे में बात करें और अगर उपयुक्त लगे तो किसी तरह के व्यायाम, योग वगैरह में संलग्न होने की सलाह दें तो तब भी जवाब यही होगा – "मन तो बहुत करता है,लेकिन क्या करें, समय ही नहीं मिलता है!" अगर आप किसी से उसकी हॉबी के बारे में बात करें तो भी बहुत सम्भावना यही है कि वह आपसे कहे, मन तो बहुत करता है, लेकिन क्या करें, समय ही नहीं मिलता है! मतलब यह कि हमारा मन तो बहुत सारी बातों के लिए करता है, लेकिन हम अपने मन की कर नहीं पाते हैं। और न कर पाने का एकमात्र कारण होता है – समय नहीं मिलता है!।

कई बार संकट समय का न होकर संसाधन का भी होता है। जो लोग पढ़ना चाहते हैं उनका यह भी कहना होता है कि किताबें बहुत महंगी हैं, पत्रिकाएं मिलती नहीं है, वगैरह। जब मैं उनकी कही बात पर विचार करता हूं तो अनायास ही मेरा ध्यान भटक कर इधर उधर भी चला जाता है। जो लोग किताबों के महंगी होने की बात करते हैं, मैं पाता हूं कि उनमें से कई ने बहुत महंगे, ब्राण्डेड कपड़े, खूब महंगे जूते पहन रखे हैं। थोड़ी देर पहले वे यह भी बता रहे थे कि दो दिन पहले अमुक रेस्तरां में, जो मेरी जानकारी के अनुसार बहुत महंगा है, भोजन करके आए हैं, आदि। और जब ध्यान इन बातों की तरफ जाता है तो मैं सोचता हूं कि ऐसा क्यों है कि इन्हें केवल किताबें ही महंगी लगती हैं, किसी मल्टीप्लेक्स में फ़िल्म देखना या हवाई जहाज में यात्रा करना महंगा नहीं लगता है! इसी तरह जब कोई यह कहता है कि पत्रिकाएं नहीं मिलती हैं तो मेरा ध्यान इस बात पर जाए बिना नहीं रहता है कि वे अपनी ज़रूरत की बहुत सारी चीज़ें ऑनलाइन भी मंगवाते हैं। क्या वे अपनी पसंद की कोई पत्रिका डाक से नहीं मंगवा सकते? और जिनके लिए किसी भी वजह से यह भी मुमकिन न हो वे क्यों न ऑनलाइन कोई किताब या पत्रिका पढ़ सकते हैं? वे सोशल मीडिया पर बहुत सारा समय बिताते हैं, हर सुबह पचास लोगों को ग़ुडमॉर्निंग का संदेश और दो सौ लोगों को भगवान की तस्वीरें भेजते हैं, दिन भर वॉट्सएप पर आए संदेशों को इधर से उधर भेजते हैं अर्थात फॉरवर्ड करते हैं। निश्चय ही उन्हें खुद भी पढ़ते ही होंगे। क्या इस सब में समय नहीं लगता है? तो फिर ये ऑनलाइन कुछ अच्छा क्यों नहीं पढ़ सकते?

यह बहुत स्पष्ट है कि जो लोग पढ़ने के सवाल पर समय न होने की बात करते हैं, असल में पढ़ना उनका मनपसंद काम नहीं है। लेकिन ऐसा कहते उनको संकोच होता है इसलिए वे समय न होने का रेडीमेड बहाना हमारे सामने रख देते हैं। यही बात चीज़ों के महंगा और सस्ता होने के बारे में भी है।

बात बहुत स्पष्ट है। समय न होना महज़ एक बहाना है। एकदम झूठा बहाना! असल में यह हमारी प्राथमिकता में है ही नहीं। हम पढ़ना चाहते ही नहीं हैं। और बहुत मज़े की बात यह कि हम जो खुद कभी किताब को हाथ नहीं लगाते, नई पीढ़ी को गरियाते रहते हैं कि उसका किताबों से रिश्ता ख़त्म हो गया है और वह स्क्रीन पर ही सारा समय गुज़ार देती है। ऐसा कहने वाले मां-बाप ज़रा आत्म निरीक्षण करें और यह देखें कि खुद वे कितनी किताबें पढ़ते हैं, खुद वे कितनी किताबें या पत्रिकाएं खरीदते हैं, खुद वे चौबीस घण्टों में से कितना समय अपने बच्चों से किताबों या लेखन या विचारों की चर्चा में व्यतीत करते हैं? इस सारे सवालों का जवाब उनकी तरफ से मैं ही दे देता हूं – समय ही नहीं मिलता है!

जहां तक समय के मिलने न मिलने की बात है, मैं जहां चाह वहां राह वाली बात को याद कर लेना चाहता हूं। अगर आप चाहें तो चौबीस घण्टों में से कुछ समय अपने मनपसंद काम के लिए निकाल ही सकते हैं, बल्कि कहूं कि निकाल ही लेते हैं। इसलिए यह बहुत स्पष्ट है कि जो लोग पढ़ने के सवाल पर समय न होने की बात करते हैं, असल में पढ़ना उनका मनपसंद काम नहीं है। लेकिन ऐसा कहते उनको संकोच होता है इसलिए वे समय न होने का रेडीमेड बहाना हमारे सामने रख देते हैं। यही बात चीज़ों के महंगा और सस्ता होने के बारे में भी है। अगर आपकी तमन्ना होती है तो आप जैसे-तैसे करके, अन्य खर्चों में कटौती करके भी महंगी चीज़ खरीद ही लेते हैं, लेकिन अगर आपकी रुचि नहीं होती है लेकिन यह कहते आपको लाज लगती है तो आप चीज़ विशेष के महंगा होने का सम्मानजनक बहाना कर देते हैं।

मैं जब अपने शिक्षक मित्रों से यह सुनता हूं कि उन्हें कुछ पढ़ने का समय नहीं मिलता है या उन्हें पाठ्य सामग्री नहीं मिलती है, तो मुझे बहुत बुरा लगता है। अगर शिक्षक के पास भी पढ़ने का समय नहीं है तो औरों से उम्मीद ही क्या की जाए? वैसे भी शिक्षा का काम अन्य कामों से इस मामले में बेहतर और भिन्न है कि यहां काम का दबाव अपेक्षाकृत कम होता है और इस कम दबाव से बचे समय और शक्ति का उपयोग बहुत सहजता से पढ़ने में किया जा सकता है। शैक्षिक संस्थाओं में जैसी-तैसी ही सही लाइब्रेरी भी होती है और किताबें-पत्रिकाएं खरीदने का कुछ न कुछ बजट भी होता है। और थोड़ी देर के लिए मान लें कि ऐसा कुछ भी नहीं होता है, तो भी शिक्षकों को वेतन तो मिलता ही है। क्या उस वेतन में से वे एक अंश अपनी बौद्धिक भूख को मिटाने के लिए खर्च नहीं कर सकते हैं? क्या उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए? जो लोग अपेक्षाकृत बड़े कस्बों-शहरों में रहते हैं उन्हें तो ठीक-ठाक पुस्तकालयों की सुविधा भी सुलभ होती है। लेकिन कटु यथार्थ यह है कि मैं जिन कॉलेजों में रहा वहां मैंने पाया कि अधिकतर शिक्षक तो पुस्तकालय में अपना खाता ही नहीं खोलते हैं। अगर आप किसी शिक्षक से पूछें कि उसने साल में कितनी नई किताबें पढ़ीं, या उसने एक साल में किताबों और पत्रिकाओं पर कितना खर्च किया, तो जो जवाब सामान्यतः मिलेगा, उसका अनुमान आप पहले से लगा सकते हैं। जवाब होगा – निल बटे सन्नाटा!

मेरा यह लेख केवल शिक्षकों को सम्बोधित नहीं है, हालांकि उन्हें ज़्यादा सम्बोधित है। मैं यह बात सभी से कहना चाह रहा हूं। चाहे वे व्यापारी हों, सेवा निवृत्त हों, सेवारत हों, गृहस्थ हों, स्त्री हों, पुरुष हों, विद्यार्थी हों, नौकरी चाहने वाले हों, स्टार्टअप के आकांक्षी हों – जो भी हों, आपको नियमित रूप से कुछ न कुछ पढ़ना चाहिए। पढ़ना असल में आपके ज्ञान क्षितिजों का विस्तार है। और जब मैं पढ़ने की बात कह रहा हूं तो निश्चय ही वॉट्सएप विश्वविद्यालय के कूड़े को पढ़ने की बात नहीं कर रहा। और न ही राजनीतिक दलों के आई टी सेलों द्वारा साभिप्राय फैलायी जाने वाली गंदगी को पढ़ने की बात कर रहा हूं। अगर आप यह सब न पढें तो समाज पर बहुत बड़ा उपकार करेंगे। लेकिन कोशिश कीजिए, कि हर रोज़ कुछ न कुछ अच्छा पढ़ें, और उस पर औरों से बात करें! यह बहुत ज़रूरी है।

ऐसा करने से बचने के लिए समय न होने का बहाना न करें!

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

विपक्षी पार्टियों को यह भी समझ लेना चाहिए कि केवल बैठक मात्र से जनता मोदी सरकार के खिलाफ कैसे होगी

राजेन्द्र जोशी

देश के आम चुनाव 2024 में होने वाले हैं। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी पार्टियां चाहती है कि मोदी सरकार को उखाड़ फेंके। इसके लिए विपक्षी पार्टियां पटना में बैठक से शुरुआत कर चुकी है। विपक्षी पार्टियां एक बैठक और करेगी फिर सीटों का बँटवारा होगा। यक्ष सवाल हमारे सामने आता है कि क्या विपक्षी पार्टियों के एक होने से उन्हें मोदी के खिलाफ जनादेश मिल जाएगा ? शायद राजनीतिक पार्टियां भूल रही है। 1977 से पूर्व देश में इंदिरा सरकार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन प्रारंभ किया गया। इंदिरा सरकार के खिलाफ जन जागरण हुआ, जेपी आंदोलन में देश का युवा राजनीति से जुड़ा, जो युवा देश की राजनीति में उस समय आया वह सभी इंदिरा जी के खिलाफ मन बनाकर ही आया, तब तक ना तो विपक्षी पार्टियां एक हुई थी और ना ही चुनावी रणनीति बनी थी। राजनीतिक पार्टियां यह भूल रही है कि केवल हमारे एक होने से मोदी सरकार के खिलाफ जनादेश उनके पक्ष में आने वाला नहीं है। जिस समय देश में राजनीतिक पार्टियां एक हुई थी उस समय जनता पार्टी का गठन हुआ था, कांग्रेस के खिलाफ जनता पार्टी ने चुनाव लड़ा था उस आम चुनाव में जनता पार्टी के बैनर तले देश में राजनीतिक अनुशासन भी बना, राजनीतिक दल एक हुआ था। और वही दल चुनाव लड़ा था। ऐसी स्थिति में आज विपक्ष हमारे देश में नहीं है। यहां यह भी सोचना होगा कि इस समय ना तो मोदी सरकार के खिलाफ देश में जन आंदोलन है और ना ही कोई जेपी है और तो और ना ही मोदी सरकार के खिलाफ एक होकर के चुनाव लड़ने की कोई कार्य योजना। वैसे हालात पैदा किया जाना विपक्षी पार्टियों के बस की बात नहीं है। जिसका नतीजा पहली ही बैठक में केजरीवाल के बेमेल सूर हमारे सामने आए तो केसीआर आए नहीं।

■ सत्ता परिवर्तन के लिए जन आंदोलन और जेपी चाहिए

विपक्षी पार्टियों को यह भी समझ लेना चाहिए कि केवल बैठक मात्र से जनता मोदी सरकार के खिलाफ कैसे होगी। कांग्रेस के अलावा लगभग सभी पार्टियां क्षेत्रीय दल के रूप में अपना प्रभाव रखती है, कांग्रेस पूरे देश में पहचान रखती है। क्या क्षेत्रीय दल कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में अपनी सीटें दे देंगे, अगर अधिक सीटें नहीं देंगे तो फिर कांग्रेस लोकसभा में कैसे जीतेगी? कितना ही सीटों का बंटवारा हो जाए नुकसान कांग्रेस को होना है। विपक्षी पार्टियां एक होकर लोकसभा चुनाव में उतरने का ख्वाब देख रही है जो संभव नहीं है। विपक्ष की एकता का राग वही नेता अलाप रहे हैं जो प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे है।

कांग्रेस को यह भी स्मरण करना होगा कि पी. वी. नरसिंहराव ने जो पहल उत्तर प्रदेश में जिस समय पहला गठबंधन किया था और खुद 85 सीटों पर सिमट कर विधानसभा चुनाव लड़ा था, उसके बाद उत्तर प्रदेश में सरकार तो बनना दूर, पार्टी के कार्यकर्ता तक छिटकते चले गए और हालात अभी तक यह है कि कांग्रेस संगठन में पदाधिकारी बनने वाले मजबूत आदमी तक नहीं है। कांग्रेस जैसी पार्टी के उम्मीदवार जब चुनाव में खड़े नहीं होते हैं तो कार्यकर्ता कांग्रेस को छोड़ते जाते हैं। और यही स्थिति आज हम उत्तर प्रदेश में देख सकते हैं कि कांग्रेस के पास कार्यकर्ता तक नहीं है। ऐसे में कांग्रेस अगर विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है तो उसका भविष्य क्या होगा। यह कांग्रेस को अभी एहसास नहीं है। यह बात भी सही है कि 1977 के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार तीन साल से अधिक नहीं टिक पाई। विपक्ष की सरकार बन भी जाती है तो उसकी उम्र कितनी होगी यह भविष्य के गर्भ में नहीं है बल्कि सामने दिखाई दे रहा है। विपक्षी पार्टियां हिमाचल प्रदेश और कर्नाटका के बाद यह मान रहे हैं कि वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत हुई है, लेकिन लड़ाई अब लोकसभा चुनाव की है। विपक्ष को पिछले लोकसभा चुनाव से सबक लेना चाहिए जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनी और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली।

बीजेपी और क्षेत्रीय पार्टियां इस समय देश में हावी है। क्षेत्रीय पार्टियां जहां नहीं है वहां भारतीय जनता पार्टी मुखर है जिस तरह राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हम देख सकते राजस्थान की तो हालात यह है कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद हुए लोकसभा चुनाव में एक भी सीट कांग्रेस को नहीं मिली।

उस समय सीधी टक्कर कांग्रेस और बीजेपी में थी ऐसे में विपक्षी पार्टियां एक होकर के क्या करेगी।

एक बात स्पष्ट दिखाई दे रही है कि इस विपक्षी एकता में क्षेत्रीय दलों को ही लाभ होने वाला है, उनकी सीटें बढ़ेगी। कांग्रेस को कोई भी दल अपने-अपने क्षेत्र में बहुत अधिक सीटें देने की स्थिति में नहीं रहेगी। और कांग्रेस को क्षेत्रीय पार्टियाँ जितनी सीट दे देती है तो क्या कांग्रेस वह सभी सीटें जीत पायेंगी। हम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश की बात करें तो वहां कांग्रेस की हालात लोकसभा चुनाव के लिए कोई अच्छी नहीं है। सवाल खड़ा होता है कि विपक्ष मोदी सरकार को उखाड़ना चाहता है तो उसे अभी एकता का परिचय देना होगा, पूरे देश में आंदोलन करना होगा, वह सामूहिक आंदोलन हो, और मोदी सरकार के खिलाफ जन जागरण के माध्यम से मतदाताओं को आक्रोशित करने में कितनी सफलता विपक्ष को मिल सकती है।

आज हालात यह है कि विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ किसी भी एक स्थान पर एकजुट होकर विरोध का बिगुल नहीं बजा रहा। बैठकों से मतदाता इनके पक्ष में रुझान बना सके यह कहना बहुत मुश्किल है।

उस समय मोरारजी देसाई, चंद्रशेखर, जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेई सहित समूचे विपक्ष ने एक होकर ऐसे हालात बना दिए इंदिरा जी को देश में आपातकाल घोषित करना पड़ा। जेले नेताओं से भर गई तब कहीं इंदिरा जी को विपक्ष सत्ता से हटाने में कामयाब हो पाया। उस समय के हालात क्या आज का विपक्ष बना सकता है।

मोदी सरकार को आपातकाल लगाने को मजबूर कर सकता है? मोदी सरकार के खिलाफ बिगुल बैठकों से नहीं बजेगा। ऐसी स्थितियाँ वर्तमान विपक्षी पार्टियों के बूते में दिखाई नहीं दे रही है। इसलिए अगर बैठकर कामयाब भी हो जाती है और सीटों का बंटवारा भी हो जाता है तो भी सत्ता परिवर्तन होना मुश्किल लगता है।

– राजेन्द्र जोशी,
कवि-कथाकार, बीकानेर

निकासी के अभाव में रास्ता बना तलैया

राजसमंद, (निसं)। जिले के झोर गांव से नेगडिया का खेडा की ओर जाने वाले खेतो के रास्ते में निकासी के अभाव में 700 मीटर दूरी तक घुटनो तक बारिश का पानी भरा हुआ है, जिसके कारण वहां पर किचड बना हुआ है। जिससे 20 काश्तकारों को अपने खेतों से घर तक अपने गांव में आने जाने में समस्या हो रही है।

निकासी के अभाव में बारिश का पानी रास्ते में भरा हुआ है जिससे इस रास्ते ने एक तलैया का रूप ले रखा है। लम्बे समय से इस रास्ते से पानी की निकासी अवरुद्ध हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि 2 वर्ष पूर्व में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा ठेकेदार के मार्फत रास्ते के आगे की ओर सडक का डामरीकरण करने को लेकर ऊंचा कर दिया तब से यह समस्या हो रही है। पूर्व में ग्राम पंचायत को भी शिकायत की गई है लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है। गौरीशंकर शर्मा, देवीलाल शर्मा, कमला देवी, गीता देवी ने बताया कि पानी के अंदर जहरीले जीव जंतु बहुत घूमते हैं ऐसे में काश्तकारों के लिए खतरा बना हुआ है। किसानों को जहरीले जीव जंतुओं का डर बना हुआ है। महिला काश्तकार ने बताया कि हम हर रोज यहां से गुजरते है, इस दौरान अगर कोई जहरीले जीव जंतु काट लेंगे तो कौन जिम्मेदार रहेंगे। किसानों ने पंचायत प्रशाशन से जल्द ही पानी की निकासी की मांग की है।

राजसमंद। निकासी के अभाव में बारिश के पानी से भरे रास्ते से निकलते है लोग।

■ खेतों पर जाने वाले किसान पानी व कीचड से होकर निकलने को मजबूर

देवीलाल पोसवाल, ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत झोर ने बताया कि मौका देखकर पानी निकासी की व्यवस्था करवाते है। अगर ऐसा है तो जल्द ही मौका देखकर पानी की निकासी करवाने का प्रयास करते है ताकि किसानों को कोई समस्या नही हो।

पानी, बिजली, मकान के लिए घुमंतू जाति का धरना दूसरे दिन भी जारी

चाकसू, (निसं)। जयपुर जिले के चाकसू विधानसभा में माधोराजपुरा पंचायत समिति में स्थानीय पटवारी, विकास अधिकारी तथा तहसीलदार द्वारा अवैधानिक तरीके से 50 वर्ष से भी अधिक समय से सरकारी भूमि पर रह रहे खानाबदोश परिवारों को बेदखल करने का मामला तूल पकड़ गया है।

घुमंतू जातियों ने इस मामले में आंदोलन की शुरुआत करते हुए आंदोलन को माधोराजपुरा पंचायत समिति से फैलाकर चाकसू विधानसभा तथा जयपुर जिला स्तर तक पहुंचा दिया है।

भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी के अध्यक्ष अनीष कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2021 से पूर्व सरकारी भूमि पर बसी बस्तियों को वहीं पर पट्टा देने की घोषणा कर रखी है लेकिन निचले स्तर पर पटवारी विकास अधिकारी तथा तहसीलदार इस कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं। जिससे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की घुमंतू जातियों को अच्छा जीवन देने की योजना को लागू नहीं किया जा पा रहा है।

एक आकलन के अनुसार जयपुर जिले में लगभग 100000 घुमंतू जाति के लोग बिना पट्टों के तथा मूलभूत सुविधा के नारकीय जीवन गुजार रहे हैं। चाकसू विधानसभा से शुरू हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे अन्य विधानसभाओं में तथा जिलों में पहुंच रहा है और घुमंतू जाति के लोग तेजी से लामबंद हो रहे हैं।

भारत जोड़ो मिशन समिति के महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष कालीबाई कालबेलिया ने उनके साथ भी दोयम दर्जे का बर्ताव करने का आरोप लगाते हुए बताया कि लगभग 50 वर्षों से वे बिना बिजली पानी के और बिना पट्टे के सरकारी भूमि में रह रही है जबकि पूर्व के अधिकारियों ने बिजली और पानी के कनेक्शन देने के आदेश दिए हुए हैं इसके बावजूद वर्तमान तहसीलदार तथा विकास अधिकारी गलत तथ्य पेश कर उसे बेदखल कर रहे हैं और ऐसा चाकसू विधानसभा में कई पंचायतों में हो रहा है।

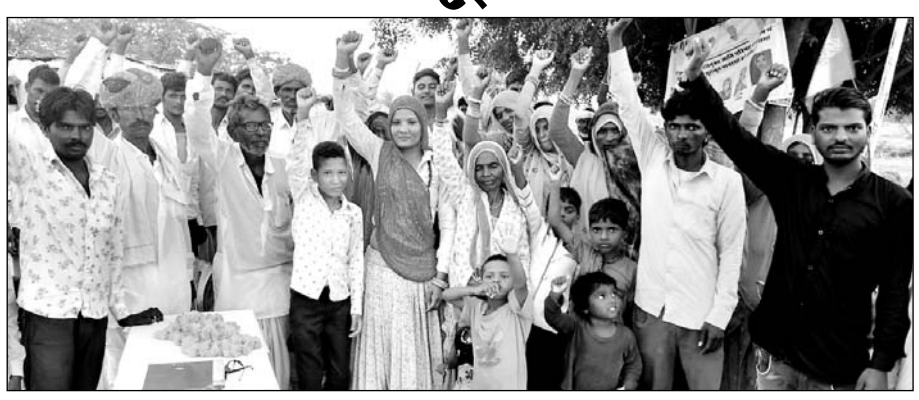

50 वर्ष से सरकारी भूमि पर रह रहे खानाबदोश परिवारों को बेदखल करने पर लोगों ने धरना दिया।

आज दूसरे दिन के धरना प्रदर्शन पर डिडावता पंचायत, हरसूलिया,अमेरिया, चांदमा, मक्खन पुरा, नवागांव, समेलिया, हथेली, मांधी, खेड़ा, फागी, मेहंदवास, मंडालिया, कागिया, भोजपुरा, आदि लगभग एक दर्जन ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। चंदा लाल बाबरिया, जय रामनाथ, सीताराम, मंत्रा, नंदा लाल बावरिया, जगदीश बागरिया, कल्याण बागरिया, रमेश, कल्याण, प्रभु, धनना, आदि कार्यकर्ताओं ने बस्ती बस्ती जाकर लोगों को जागरूक करने और उनका अधिकार लेने के लिए घर से निकलकर गांधीवादी तरीके से अनिश्चितकालीन धरने में शामिल होने की अपील के लिए प्रचार प्रसार करने का जिम्मा लिया है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 3 जुलाई, 2023

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, सोमवार, विक्रम संवत 2080, मूल नक्षत्र दिन 11:02 तक, ब्रह्म योग दिन 3:45 तक, विष्टि करण प्रातः 6:45 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-धनु, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रातः 6:45 तक है। आषाढ़ी पूर्णिमा, सत्यव्रत, गुरू पूर्णिमा, व्यास पूजा, मन्वादि और आज अष्टानिका महापर्व समाप्त होगा। आज से सन्यासियों का चातुर्मास आरम्भ होगा। आज वर्षा के लिए वायु परीक्षा सांय 7:21 पर होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः अमृत सूर्योदय से 7:23 तक, शुभ 9:06 से 10:48 तक, चर 2:13 से 3:56 तक, लाभ-अमृत 3:56 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:21

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक यंउेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा।

कर्क
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यक्तिगत पारिवारिक कारणों से आवश्यक कार्यों पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। अनावश्यक धन खर्च होगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सार-समाचार

वन महोत्सव दिवस पर पौधारोपण किया

कोलसिया, (निसं)। पर्यावरण प्रेमी के रूप में पहचाने जाने वाले पंचायत समिति प्रधान दिनेश सुंडा ने कहा है कि जल्द ही नवलगढ़ के हर गांव में पर्यावरण पंचायत होगी। जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई है। कार्यक्रम घोषित कर हर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर जाकर बच्चों से लेकर बुजूर्गों तक वे उनसे रूबरू होंगे। जिसमें वे सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए मोटिवेट करेंगे। इसके अलावा पौधों को लगाने से लेकर उनकी सार संभाल तक के तौर तरीके विशेषज्ञों द्वारा बताए जाएंगे। यह जानकारी रविवार को वन महोत्सव दिवस के मौके पर प्रधान सुंडा ने कैरू गांव में दी। इससे पहले उन्होंने कैरू गांव के जाटावाला जोहड़ में युवाओं के साथ पौधारोपण किया और पर्यावरण को संरक्षित रखने व ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने की शपथ दिलाई। इस मौके पर शिक्षाविद् रामनिवास शास्त्री तथा कैरू सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश समेत अन्य ने विचार रखे और कहा कि पर्यावरण पंचायत को सफल बनाने के लिए हर वर्ग का योगदान रहेगा। जिससे नवलगढ़ क्षेत्र में पर्यावरण की दृष्टि से पूरे राजस्थान में ही नहीं, बल्कि देश में अपनी अलग पहचान बनाए। इस मौके पर रघुवीर कानसूजिया, बलवंत लुणायच, महेश शर्मा, सुलतान लुणायच, रतन शर्मा, प्रकाश कानसुजिया, लालचंद कानसुजिया, जुबेर, महेश खेदड़, ज्ञानप्रकाश शर्मा, संदीप मूंड, कपिल, अंकित, अमित, विकास, सुनिल, हरिसिंह लुणायच, पवन, नरेंद्र, प्रदीप व विजेंद्र आदि मौजूद थे। सुलतानसिंह ने संकल्प लिया। इस मौके पर गांव के सुलतान सिंह कानसुजिया ने अपने पौत्र हंशुमन कानसुजिया के जन्मदिन के मौके पर सीमेंट बैंच रखवाई और संकल्प लिया कि अब वे हर छह जुलाई को अपने पौते का जन्मदिन पौधे लगाकर मनाएंगे। इन पौधों की सार संभाल भी ताउम्र करेंगे। प्रधान दिनेश सुंडा ने सुलतानसिंह के इस संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि सभी को ऐसे कदमों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

शिव परिवार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा आज

मंडावा, (निसं)। श्री गुरु गोरखनाथ आश्रम गोगामेड़ी लाडसर में रविवार को गुरु गोरखनाथ महाराज की मूर्ति स्थापना हुई। ब्रह्मचारी गणेश चैतन्य महाराज के कर कमलों से महंत भवानी सिंह के सानिध्य में यजमान भामाशाह मनोज कुलहरि एवं अभिषेक कुलहरि गांव ढिगाल द्वारा मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा हुई। पंडित रामदेव वाहिदपुरा एवं जानकीलाल शर्मा द्वारा पूजन कराया गया। मंदिर महंत भवानीसिंह ने बताया गुरु पूर्णिमा के पूर्व रात्रि आज भजन संध्या के कार्यक्रम मे ब्रह्मचारी गणेश चैतन्य महाराज, पूरणमल भाट, महावीर सिंह शेखावत लूमास द्वारा भजन संध्या होगी। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर सोमवार को भगवान शिव गौरी (शिव परिवार) की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा नवनिर्मित मंदिर में की जाएगी। सुबह 7:15 बजे हवन यज्ञ के साथ ही सभी मातृशक्ति कलश लेकर कलश यात्रा निकालते हुए भामाशाह मनोज कुलहरि, प्रताप नागौर एवं जवाहरसिंह तेतरवाल के साथ मूर्ति मंदिर लेकर पहुंचेंगे। जिसके बाद टांई धाम के संत सोमनाथ महाराज एवं जिला षड्दर्शन अखाड़ा मंडल अध्यक्ष ब्रह्मचारी गणेश चैतन्य महाराज के कर कमलों से एवं मंदिर के सभी भक्त जनों के साथ भगवान शिव परिवार की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी व भंडारे का आयोजन होगा। वह इस धार्मिक कार्यक्रम में सांसद नरेंद्र कुमार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढूकिया शामिल होंगे। भक्त नंद ईश्वरनाथ, भक्त भादरसिंह, वीरेंद्र मास्टर, शीशपाल मीणा, मोहनलाल राइका, विनोद जयसिंहपुरा, रामावतार जयसिंहपुरा, नरेश कुमार फौजी, रामस्वरूप, हरिसिंह कालेर, महेंद्र मिस्त्री, धर्मेंद्र, कुंदन सिंह, सुरेश लाडसर, मंगतू राइका, रावत मुकुंदगढ़, अनिल जयसिंहपुरा सहित अनेक भक्त मौजूद रहे।

भाजपा ने नवयुवकों से संवाद किया

मंड्रेला, (निसं)। मंड्रेला ग्रामीण मंडल मे मेरा बूथ सबसे मज़बूत कार्यक्रम की शृंखला में रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने नवयुवकों से संवाद किया। मंड्रेला ग्रामीण मंडल के गांव मंड्रेला में मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी व अलवर से आए मंडल विस्तारक विजय यादव की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ने नव युवकों से संपर्क किया और उनको पार्टी की नीति-रीति से जोड़ा। साथ ही साथ सक्रिय कार्यकर्ताओं को चिह्नित किया। मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी और मंडल विस्तारक विजय यादव ने युवाओं को पार्टी के डिजीटल प्लेटफॉर्म सरल एप के माध्यम से जोड़ा। इस अवसर पर भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी ने कहा कि भाजपा जितना मजबूत होगी। लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। क्योंकि देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ही है। उन्होंने कहा पहले भारत दुनिया की और देखता था, अब पूरी दुनिया भारत को देखती है। ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है तो मुमकिन है। इस अवसर पर जयपाल सिंह निर्वाण, संजय शर्मा, युवा कार्यकर्ता गौरव मित्तल, सलीम सब्जीफरोश, शिवकांत शर्मा, मुरारी चौहान, वीरेंद्र नेहरा, कपिल सिंह आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा आज

झुंझुनूं, (निसं)। द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में शिवलिंग और शिव परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा 3 जुलाई को की जाएगी। इस अवसर पर शिवलिंग का जलाभिषेक लोहार्गल से पैदल कांवड़ लेकर की जाएगी। उल्लेखनीय हैं कि द्वादश धाम अपने अनोखे निर्माण रूप की वजह से देशभर में पहला ज्योतिर्लिंग होगा। जहां मां वैष्णो देवी, मेहंदीपुर बालाजी के साथ बारह शिव धाम होंगे। मंडावा मोड़ स्थित कार्यालय पर शिव अघोरा संगठन ने बैठक का आयोजन कर कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार कर संगठन से जुड़े भक्तों को कार्यक्रम की जिम्मेदारियां तय की। इस अवसर पर शिव भक्त सुभाष नायक ने बताया कि वे पूरे श्रावण महीने लोहार्गल से पैदल कांवड़ लेकर रोज शिव का अभिषेक करेंगे। इस आयोजन में कोई भी भगत जुड़कर पैदल कांवड़ यात्रा से जुड़ सकता हैं। साथ ही अधिक से अधिक भक्तों से कार्यक्रम से जुड़कर सफल करने का निवेदन किया। इस अवसर पर जतन सिंह, संदीप कुमार, नरेश, जगदीश सिहाग, पिंकी, अशोक शर्मा, सुलोचना, नवीन बना, अशोक बना, अंकित जाट व अन्य संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घरडाना खुर्द में रैली का आयोजन

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना ब्लॉक का सर्वश्रेष्ठ व ग्रामीण आंचल में सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने वाला विद्यालय महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) घरड़ाना खुर्द की तरफ से बोर्ड परीक्षा में मेरिट में आने वाले छात्र-छात्राओं व सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने वाले अध्यापकों का सम्मान समारोह हुआ व रैली का आयोजन किया। सीमावर्ती गांवों आर्य नगर, ठिंचौली, मानोता, ढाणी बाढान, जोधी की ढाणी गोठ, ढांढोत, रायपुर, घरड़ाना कलां, जोड़ियां, किठाना आदि गांवों में रैली निकाली गई। सम्मान समारोह व रैली आयोजन कर विद्यालय में अधिकाधिक नव प्रवेश के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्य दीपचंद लाखवान ने बताया कि सम्मान समारोह में उप निदेशक सेवानिवृत्त शीशराम जाट, शिक्षाविद विजयपाल सिंह राव, ईश्वर सिंह राव, सूबेदार जयकरण सिंह राव, सूबेदार देवकरण सिंह राव, सरपंच उमेद सिंह राव, कोच हनुमान राम मेघवाल, सूबेदार रणधीर सिंह, सरजीत राव, बिहारीलाल राव, सज्जन राव, रामवीर कुलहरी सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे।

नवजात शिशुओं को बेबी किट वितरण

झुंझुनूं, (निसं)। महावीर इंटरनेशनल सनराइज केंद्र झुंझुनूं द्वारा स्व. निरंजनलाल केडिया परिवार की ओर से हर माह किए जाने वाला निरंतर सेवा प्रोजेक्ट के अंतर्गत भगवानदास खेतान अस्पताल झुंझुनूं के जनाना विंग परिसर में, 60 नवजात शिशुओं को हाइजीनिक 8 कपड़ों वाला बेबी किट वीरा श्रीमती सुजाता जी महलावत के सानिध्य में वितरण किये गये, कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष राजेंद्रप्रसाद जोशी, संरक्षक डॉ. एसएन शुक्ला, अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्यामसुंदर जालान, रीजनल सेक्रेटरी महेश कुमार मूंड, जोन चेयरमैन नागरमल जांगिड़, रीजन ट्रेजरार देवेंद्र कुमार गौड़, जोन ट्रेजरार शिवप्रसाद महर्षि, सह सेक्रेटरी रफीक अहमद, जोन डायरेक्टर जाहिद अली खोखर, वीरा डॉ. राखी आलड़िया एवं काफी संख्या में बीडीके हॉस्पिटल स्टाफ व संस्था के वीर एवं वीराएं मौजूद रहे।

47 बायोडाटा का पंजीकरण हुआ

झुंझुनूं, (निसं)। हर माह होने वाला अग्रवाल युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन अग्रसेन भवन झुंझुनूं में संपन्न हुआ। संयोजक श्यामसुंदर जालान ने बताया कि सम्मेलन में फिजिकल 7 युवक एवं 2 युवतियों के बायोडाटा पंजीकृत हुए। सोशल मीडिया द्वारा 30 युवक एवं 8 युवतियों के बायोडाटा पंजीकृत हुए। बायोडाटाओं को पंजीकृत कर आदान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में श्यामसुंदर जालान, पवन कुमार खेतान, महेश कुमार अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, सुभाषचंद्र ककरानिया, रामगोपाल, विनोदकुमार देवड़ा, शशिकांत अग्रवाल, निर्मला देवी, राजकुमार गोयल, जगदीश प्रसाद, विजयकुमार अग्रवाल एवं काफी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे।

रेडक्रॉस सोसायटी ने 50 टीबी रोगियों को पोषण किट वितरित किये

राजस्थान निक्षय सम्बल योजना के अन्तर्गत निक्षय मित्र बनकर रेडक्रॉस सोसायटी चूरू की ओर से 50 टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार किट वितरित किए गए।

चूरू, (कासं.)। राजस्थान नि-क्षय सम्बल योजना के अन्तर्गत निक्षय मित्र बन कर रेडक्रॉस सोसायटी चूरू की ओर से रविवार को डीआईसी हॉल में 50 टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार किट वितरित किए गए। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी के उपाध्यक्ष श्यामसुन्दर शर्मा व सचिव रघुनन्दन शर्मा, जगदीश सर्राफ, जगदीश प्रसाद शर्मा व दीपक शर्मा आदि उपस्थित थे।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार शर्मा ने जिले के भामाशाहों से अपील की है कि राजस्थान निक्षय सम्बल योजना के तहत नि-क्षय मित्र बनकर टीबी रोगियों को पोषण, शिक्षा व रोजगार के रूप में सहायता करें।

रेडक्रॉस सोसायटी चूरू के उपाध्यक्ष श्यामसुन्दर शर्मा व सचिव रघुनन्दन शर्मा ने बताया की टीबी मरीजों को पोषण सामग्री से टीबी से लड़ने में सहायता मिलती है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। उल्लेखनीय है कि संस्था विभिन्न क्षेत्रों में समय-समय पर अनेक सेवा के कार्य करती आ रही है।

जिला टीबी रोग अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश सातड़ा ने बताया कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की आगामी 100 दिवसीय कार्य योजना में इस गतिविधि को शामिल किया गया है।

इसके साथ ही उन्होंने बताया की टीबी रोग होने का मुख्य कारण शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाना है। इस अवसर पर जिला क्षय रोग निवारण केन्द्र के चिन्तन सिहं, गजेन्द्र सिंह, बलवान पुनियां, बन्ने सिंह, गोविन्द ढ़ाका, अशोक कुमार आदि ने सहयोगी भूमिका निभाई।

चिकित्साकर्मियों ने श्रमदान किया

मंडावा, (निसं)। राजकीय ब्लॉक आयुष चिकित्सालय परिसर में डॉ. अनिता चौधरी के नेतृत्व में विभाग के कर्मचारियों ने श्रमदान करते हुए साफ सफाई की। चिकित्साकर्मियों ने कक्षों सहित परिसर के बाहरी क्षेत्र में भी अनावश्यक घास फूंस और कंटीली झाड़ियों और अनुपयोगी पेड़ पौधे को हटाकर कर उपयोगी पेड़ पौधों की सार संभाल करते हुए निराई गुड़ाई की। डॉ. अनिता ने स्वच्छता को लेकर लोगों में जागरूकता लाना और समाज के हर वर्ग में साफ सफाई को लेकर जागरूक बनाना है। उन्होंने बताया कि परिसर में स्वच्छता को लेकर पूरा ध्यान रखा जाता है। डॉ. अनिता ने बताया कि इस कार्य को लेकर विभाग परिसर के कमरों ओर बाहरी क्षेत्र में साफ सफाई की गई। जिसमें सभी कर्मचारियों ने अपना सहयोग दिया।

चावला के प्रदेश मंत्री और पंकज गुप्ता को कोषाध्यक्ष बनाये जाने पर आतिशबाजी की

चूरू, (कासं.)। रविवार को गढ़ चौराहे पर प्रदेश नेतृत्व द्वारा डॉ वासुदेव चावला को प्रदेश मंत्री बनाने व प्रदेश कोषाध्यक्ष पद पर पुन: पंकज गुप्ता की नियुक्ति पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने मण्डल अध्यक्ष दीनदयाल सैनी व सुरेश सारस्वत के नेतृत्व में आतिशबाजी करके व एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई।

इस असवसर पर पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के द्वारा डॉ वासुदेव चावला को प्रदेश मंत्री व पंकज गुप्ता को पुन: कोषाध्यक्ष पद पर मनोनित किये जाने से हम सब सम्मान का अनुभव कर रहे हैं। इन नियुक्तियों से चूरू का मान सम्मान बढ़ा है क्योंकि प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष के रूप में चूरू के स्थानीय विधायक राजेन्द्र राठौड़ अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि भाजपा ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जहां सभी वर्गों को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। यहां कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, जिला महामंत्री भास्कर शर्मा और हेमसिंह शेखावत, जिला उपाध्यक्ष अभिषेक चोटिया, सत्तार खान, किशन आसेरी, जिला मंत्री सुशील लाटा, फतेहचन्द सोती, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रभा धंधावत, उधोग प्रकोष्ठ प्रदेश सहसंयोजक दौलत तंवर, कार्यालय मंत्री रामस्वरूप कटारिया, पार्षद अनवर थीम, भागीरथ सैनी, जगदीश मेघवाल, मण्डल महामंत्री राजेश माटोलिया, गोगराज सैनी, सुनील खटीक, सोशल मीडिया संयोजक रमेश शर्मा, सहसंयोजक सुरेश मिश्रा, विष्णू सोनी, सुनील ढाका, सुनील भाउवाला, जिला मीडिया संयोजक रवि दाधीच, संजीव, पवन चांवरिया, मोहनलाल गढ़वाल, राकेश औझा, मण्डल मंत्री विकास बांठिया, जयपाल टकणेत, नारायण बेनीवाल, दिनेश शर्मा, विजय बावलिया, लखू सिंह, दलीप सिंह, सुरेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, संजय सोनी, अजय तंवर, पवन सरावगी, जुगल पाण्डे, कपील रक्षक, आनन्द रैगर, श्याम, असलम डायर, मोहम्मद सबीर, मनोज वर्मा, नेमीचन्द चौहान, नंदलाल चावला, नेमीचन्द, लालचन्द, भूपेन्द्र, सोहनलाल, मूलचन्द चौहान, प्रेम चावला, भंवर गुर्जर, योगिता प्रजापत, कमल सैनी, विमल जोशी, मनोज तंवर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पूर्व सैनिक भूख हड़ताल पर बैठे

सादुलपुर, (निसं)। वन रैंक वन पैंशन की विसंगतिया व पेंशन भतों में की गई भारी गड़बड़ी को ठीक करवाने की माँग को लेकर दिल्ली में जंतर मंतर पर चल रहे आदोलन के समर्थन में रविवार को पूर्व सैनिक संघ राजगढ ने एसडीएम कार्यालय के सामने एक दिवसीय भूख हड़ताल पर बैठकर आदोलन को समर्थन दिया है।

पूर्व सैनिक संघ राजगढ़ जिला चूरु के अध्यक्ष जगत सिंह ने बताया कि पूर्व सैनिकों संगठन के राष्ट्रीय आह्वान पर दिल्ली में जंतर मंतर पर पिछले 133 दिनों से पूर्व सैनिको का आदोलन चल रहा है। जिसमें समर्थन में पूर्व सैनिक संघ राजगढ ने रविवार को उपखण्ड कार्यालय राजगढ के सामने सुबेदार अमर सिंह की अध्यक्षता में एक दिवसीय भूख हड़ताल पर बैठकर आदोलन का समर्थन देकर अविलम्ब माँगों पर कार्यवाही की माँग की है। उन्होंने बताया कि विरांगना किताबो देवी डीगंली, सजना देवी खारिया बास, सुबेदार राजपाल सिंह राघा छोटी, सुबेदार श्रीराम डोकवा, सुबेदार वेदसिंह बैरासर छोटा, सुबेदार जगदीश स्वामी जैतपुरा, सुबेदार ओमप्रकाश सहारण रतनपुरा, सुबेदार मोहरसिंह बैरासर बड़ा, हवलदार रामलाल सिद्धमुख, नायक बनवारीलाल लम्बोर छोटी, व कप्तान जगदेव गागड़वास ने सुबह 10 बजे से उपखण्ड कार्यालय राजगढ़ के सामने भुख हड़ताल रखकर माँग की है कि केन्द्र सरकार अविलम्ब आन्दोलन की माँगों पर विचार करे तथा हमारी वन रैंक वन पैंशन की विसंगतिया दुर करे तथा पेंशन भतो में की गई भारी गड़बडी को ठीक करवा जावे, अन्यथा आन्दोलन ओर तेज करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इस अवसर पर पूर्व सैनिक संघ राजगढ़ जिला चूरु के अध्यक्ष जगत सिंह, सचिव सुबेदार काशी राम लम्बोर बड़ी, हवलदार घासी राम, हवलदार शीशराम, सुबेदार नोरंगराम, सुबेदार रामकिशन, लेफ्टीनेंट दयाराम, सुबेदार बलबीर, सुबेदार करण सिंह, नायक संजय सिंह, सुबेदार महासिंह, लेफ्टीनेंट विद्याधर व सुबेदार महताब सिंह आदि पूर्व सैनिक संघ राजगढ़ के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अब वन विभाग की नर्सरियों में ऑनलाईन पौधे खरीद सकेंगे

झुंझुनूं, (निसं)। राज्य में वनस्पति आवरण बढ़ाने के लिए एवं वन क्षेत्र के बाहर पौधारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए वन विभाग ने एक वृहद कार्यक्रम ट्री आउटसाइड फारेस्ट एरिया शुरू किया है।

इस योजना के तहत वन विभाग झुंझुनूं ने इस वर्ष 15 लाख 50 हजार पौधों का पौधारोपण करने का लक्ष्य तय किया है। डीएफओ राजेंद्रकुमार हुड्डा ने बताया कि आमजन के द्वारा अपनी पसंद के पौधों की ऑनलाइन ही बुकिंग करवाई जा सकती है। बाद में संबंधित नर्सरी से पौधे प्राप्त किए जा सकेंगे। वन विभाग ने आमजन तक पौधों की पहुंच बढ़ाने के लिए यह सुविधा शुरू की है।

विभाग द्वारा सरकार की फ्लेगशिप स्कीम ट्री आउटसाइड फोरेस्ट इन राजस्थान के तहत अधिक से अधिक पौधों की उपलब्धता आमजन तक सुनिश्चित करने के लिए यह सुविधा दी जा रही है। गौरतलब है कि सरकार ने प्रदेश के वन क्षेत्रों के बाहर भी पौधे रोपने की मंशा से इस स्कीम की घोषणा की है। योजना के तहत वन क्षेत्रों के बाहर हरियाली बढ़ाने के लिए विभिन्न विभागों, संस्थाओं व नागरिकों के सहयोग से प्रदेश में 5 करोड़ पौधे रोपे जाने का लक्ष्य है।

हुड्डा ने बताया कि जिले की 12 नर्सरियों बीड झुंझुनूं, मलसीसर, चुड़ैला, दोरासर, चिरानी, जसरापुर, भोजगढ़, इंद्रपुरा, नवलगढ़, घोड़ीवारा, काजड़ा, भगीनिया जोहड़ चिड़ावा में विभिन प्रकार के 15.50 लाख पौधे तैयार किए गए है। जिनमें नीम, शीशम, बेर, अमलताश, शिरीष, अरडू, रोहिड़ा, गुलाब, अमरुद, पपीता, जामुन, अनार, नींबू, पपड़ी, बड़, पीपल, शहजाना, बकायन, लेसवा, बांस, चांदनी के पौधे लाभार्थियों को उपलब्ध करवाए जाएंगे।

योजना के तहत कुल 9.50 लाख पौधे व्यक्तिगत लाभार्थियों, संस्थाओं को उपलब्ध होंगे। व्यक्तिगत लाभार्थियों को एफएमडीएसएस पोर्टल पर लॉगिन कर नर्सरी एवं पौधे की प्रजाति का चयन करना होगा। नर्सरी वार पौधों की प्रजाति के चयन के लिए सर्च बटन क्लिक कर पता लगा सकते हैं।

डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, सीएस एवं अधिवक्ताओं को सम्मानित किया

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र भांबू ने डॉक्टर्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं अधिवक्ताओं को सम्मानित किया।

झुंझुनूं, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र भांबू ने डॉक्टर्स एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट डे पर अलग-अलग सत्र में दो कार्यक्रम रखकर बड़े पैमाने परडॉक्टर्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं अधिवक्ताओं को सम्मानित किया।

प्रथम सत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं सीएस के सम्मान के लिए आयोजित समारोह के मंच पर बतौर अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अभिभाषक संस्था झुंझुनूं के अध्यक्ष बिरजूसिंह शेखावत, वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश कुलहरि, शिवहरि प्रसाद, सुशील जोशी, पवन केडिया उपस्थित थे। द्वितीय सत्र में आयोजित डॉक्टर्स एवं आरटीएच योद्धाओं के सम्मान समारोह के मुख्य सवाई मानसिंह हॉस्पिटल जयपुर के पूर्व अधीक्षक डॉ. वीरेंद्र सिंह मील थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एसएन शर्मा द्वारा की गई।

विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर डॉ. रामकृष्ण सुमन, पूर्व विधायक डॉ. मूलसिंह शेखावत, डॉ. लालचंद ढाका, डॉ. हनुमानसिंह शेखावत, डॉ. कमलचंद सैनी उपस्थित थे। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में आयोजित इस समारोह में अतिथि सम्मान के बाद बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिवक्ता डॉक्टर्स एवं आरटीएस योद्धाओं का एक-एक करके सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. वीरेंद्र सिंह मील ने डॉक्टर्स डे की बधाई देते हुए कहा कि चिकित्सा का पेशा एक सजग प्रहरी का पेशा है। जिसे हर पल समाज की तंदुरुस्ती के लिए जागते रहना है। अपने संबोधन में वरिष्ठ अधिवक्ता बिरजूसिंह शेखावत ने चार्टर्ड अकाउंटेंट डे की बधाई देते हुए कहा कि अंतिम व्यक्ति को न्याय देना वकालत का प्रथम धर्म है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयोजक राजेंद्र भांबू ने कहा कि सामाजिक सरोकार के इन कार्यों को करते उन्हें अपार सुखानुभूति का अनुभव होता है।

उन्होंने सामाजिक सेवा को नेतृत्व का प्रथम दायित्व बताते हुए समाज के समग्र विकास हेतु अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।कार्यक्रम का संचालन आत्माराम जांगिड़ एवं राजकुमार मोरवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. जगदेव, डॉ. इंदिरा, पार्षद प्रमोद जानूं, प्रमोद बुडानिया, वरिष्ठ सीए महेंद्र धनकड़, मनु धनकड़, अर्जुन महला, सत्यदेव दड़िया, डॉ. संतोष ढाका, अजय ढाका, डॉ. नत्थूसिंह शेखावत, डॉ. अनिल महलावत, डॉ. हरलाल नेहरा, डॉ. रजनीश माथुर, डॉ. संजय फांडी, डॉ. नरेंद्र श्योराण, डॉ. जितेंद्र भांबू, सुरेंद्र भांबू, एडवोकेट विजयपाल रेप्सवाल, रोहित, उम्मेदराज सैनी, डॉ. कुंदन सिंह मील, डॉ. अशोक राव सहित दोनों सत्रों में बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट, अधिवक्ता, डॉक्टर एवं आरटीएच योद्धा व प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

सार-समाचार

शिविर में 88 रोगियों को परामर्श दिया

झुंझुनूं, (निसं)। लॉयंस क्लब झुंझुनूं द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को आयोजित किए जाने वाला मधुमेह चिकित्सा शिविर 2 जुलाई को स्वर्गीय रविंद्र कुमार केजड़ीवाल की पुण्य स्मृति में वासुदेव प्रसाद केजड़ीवाल फैमिली ट्रस्ट के आर्थिक सौजन्य से पंसारी लॉयंस अस्पताल बगड़ रोड पर आयोजित किया गया। जिसमें 88 रोगियों की शुगर जांच कर उन्हें लॉयन डॉ. एनएस नरूका के चिकित्सा परामर्श पर एक माह की दवाइयां निशुल्क प्रदान की गई। इसी क्रम में क्लब द्वारा बहुउद्देश्यीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 49 रोगियों का पंजीयन कर उन्हें क्लब द्वारा लॉयन डॉ. एनएस नरूका के चिकित्सा परामर्श पर सात दिवस की दवाइयां निशुल्क प्रदान की गई। इस शिविर के संयोजक लॉयन महिपालसिंह व लॉयन कैलाशचंद्र टेलर थे। इस अवसर पर दानदाता परिवार की ओर से एमजेएफ लॉयन एसके केजड़ीवाल पूर्व प्रांतपाल, संरक्षक एमजेएफ लॉयन एसएन शर्मा, अध्यक्ष एमजेएफ लॉयन अमरनाथ जांगिड़, लॉयन नरेंद्र व्यास, लॉयन भागीरथप्रसाद जांगिड़, लॉयन किशनलाल जांगिड़, लॉयन डॉ. एनएस नरूका, लॉयन डॉ. देवेंद्रसिंह शेखावत, कैलाशचंद्र टेलर, एमजेएफ लॉयन डॉ. डीएन तुलस्यान, लॉयन रामप्रताप कुमावत उपस्थित थे।

प्रतिभाओं का सम्मान किया

चूरू, (कासं)। जिला खेल स्टेडियम में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सौजन्य से जिला खेलकूद प्रशिक्षण के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन प्रतिभा खोज प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह का आयोजन किया गया। कांग्रेस के पूर्व देहात ब्लॉक अध्यक्ष ताराचन्द बुडानिया ने कहा कि खेल जीवन का मुख्य अंग है। खेल में हार-जीत का महत्त्व न समझकर सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देवें। कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मण सिंह न्यौल व अमर सिंह दनेवा ने की। खेल अधिकारी प्रकाशराम गोदारा ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी है। सिर्फ उन प्रतिभाओं को निखारने की जरूरत है। साई टेबल टेनिस कोच के रमेश पूनिया ने शिविर की जानकारी दी। समापन समारोह में जिला टेबल टेनिस एसोशिएसन के सचिव ध्रूव पूनियां, कोच सुधीर सहारण, राजेन्द्र बुडानिया, ताईक्वाण्डो कोच सुमन राठौड़, कविन्द्र राठौड़, तेजपाल सिंह, देवी सिंह, किसन रामसरा, कोच सीताराम प्रजापत, प्रभुदयाल बुरड़क आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। समापन पर राजेश वर्मा, संदीप मील, मनीष राठौड़, सूबे सिंह, राहुल पिपलवा आदि ने आयोजिकीय भूमिका निभाई। इस मौके पर जिला खेल अधिकारी प्रकाशराम गोदारा ने खिलाड़ियों को चुनाव में 100 प्रतिशत मतदान करने के लिए शपथ दिलाई गई। संचालन पीटीआई शिशुपाल बुडानियां ने किया।

वॉलीबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया

खिरोड, (निसं)। टोडपुरा गांव के हीरामल खेल मैदान में रविवार दोपहर को वॉलीवाल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता राजेश कटेवा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुरेंद्र सैनी ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता ओमेंद्र चारण, गिरधारीलाल इंदौरिया, सांवरमल सैनी, रामनिवास सैनी, विजेंद्र सैनी, संदीप सैनी, नरोत्तम बोहरा, उप सरपंच सुरेंद्र मीणा, महंत प्रभुनाथ, सुनील सिंगोदिया थे। अतिथियों ने फीता काटकर व बॉल को शॉट मारकर शुरुआत की। वहीं उदघाटन मैच साटिंडा वॉलीबाल एकेडमी सीकर व नवलडी के बीच खेला गया। इस मौके पर एडवोकेट बजरंगलाल, नारायणराम सैनी, भोलाराम मीणा, नारूराम सैनी, सुनिल मीणा, जगदीश सैनी, सुनील कुमावत, अशोक सैनी, राजेश गुर्जर, नरोत्तम बोहरा, पार्षद हितेश थोरी, कन्हैयालाल, रामलाल, भगीरथमल सैनी, विकास सैनी, नथमल सैनी, देवेंद्र सिंह आदि गांव के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा आज, विभिन्न आयोजन होंगे

डूंडलोद, (निसं)। कस्बे के हीरानाथ शिवधाम गुरुकुल आश्रम में गुरु पूर्णिमा के अवसर विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। आश्रम के संत जीतनाथजी महाराज ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दो दिवसीय आश्रम परिसर में विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। रविवार शाम को 108 शिवलिंग की महाआरती के साथ दो दिवसीय धार्मिक आयोजन शुरू होंगे। रविवार को रात्रि को विशाल सत्संग का आयोजन होगा। जिसमें शेखावाटी के संत भजनों की प्रस्तुति देंगे। सोमवार को सुबह 7 बजे से 11 बजे तक गुरु चरणों की पूजा होगी। गुरु चरणों की पूजा अर्चना के बाद महाप्रसाद के आयोजन के साथ दो दिवसीय धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे। संत जीतनाथजी महाराज ने बताया कि धार्मिक आयोजन को लेकर आश्रम के कार्यकर्ताओं की टीम तैयारियां को लेकर जुटी हुई है। मंदिर परिसर को रंग बिरंगी रोशनी व फूल मालाओं से सजाया जा रहा है।

वृक्षारोपण कर जन्मदिन मनाया

पाटन (निसं)। नीमकाथाना के निकट शीतल दास धाम ठीकरिया में कैबिनेट मंत्री रामेश्वर डूडी के जन्मदिवस पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केक काट कर धार्मिक वृक्ष कदम्ब, वटवृक्ष व गुलमोहर आदि के वृक्ष लगा कर धूमधाम से जन्म दिवस मनाया एवं डूडी साहब की दीर्घायु व स्वस्थ प्रगतिशील जीवन की कामना की। जन्म दिवस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता एडवोकेट मनीराम जाखड़, पूर्व प्रधान मदनलाल भावरिया, डा. रामावतार गजराज, डा. के. के. यादव, चौ. ग्यारसी लाल, राजेन्द्र गजराज, यदुवीर काजला सहित काफी संख्या में ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ

खिरोड, (निसं)। कस्बे के रामसर जोहड़े में स्थित सती माता मंदिर में जाने के लिए लिंक रोड से सीसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ रविवार को खिरोड़ ग्राम पंचायत के सरपंच महावीर प्रसाद भामू ने किया। अतिथियों द्वारा रास्ते में जेसीबी से रास्ता सही करवाकर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर दाधीच समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन दाधीच नवलगढ, प्रदीप शर्मा, रिटायर्ड प्रिंसीपल चौथमल कुलदीप, पत्रकार महेश शर्मा, सूबेदार सुरेंद्र सिंह, श्यामलाल शर्मा, गजानंद शर्मा, ठेकेदार सुभाष चंद्र आदि मौजूद थे।

कोलसिया में गौशाला का उद्घाटन आज

कोलसिया, (निसं)। कोलसिया में बनी नवनिर्मित गौशाला का सोमवार को उद्घाटन होगा। सरपंच पति महेश पारीक ने बताया नवनिर्मित गौशाला का उद्घाटन समारोह सोमवार गुरु पूर्णिमा को सुबह 10 बजे होगा। उस दौरान उसी दौरान गौशाला निर्माण कार्य के खर्चे का हिसाब दिया जाएगा। साथ ही आगे कार्य करने की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

लैंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। नर सेवा नारायण सेवा संस्थान झुंझुनूं द्वारा लीलादेवी महनसरिया चैरिटेबल फाउंडेशन मुंबई के सौजन्य एवं जिला स्वास्थ्य समिति अंधता जयपुर के सहयोग से 2 जुलाई रविवार को 101वां निशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन हुआ।

विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने जनसुनवाई की

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने रविवार को विधायक निवास पर जनसुनवाई की। जिसमे ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोगों ने अपनी समस्याएं रखी। सादुलपुर विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने विधायक निवास पर आमजन की समस्याओं को सुनकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कई समस्याओं का निस्तारण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में विभिन्न ग्रामों से आए ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से विधायक कृष्णा पूनिया को अवगत करवाया। विधायक ने एक-एक कर सभी ग्रामीणों व शहरवासियों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों से फोन पर वार्तालाप कर समस्याओं का जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हम सोहनलाल उम्र 61 साल पुत्र स्व. श्री मूलाराम एवं श्रीमती संतोष देवी उम्र 59 साल पत्नी श्री सोहनलाल जाति प्रजापत निवासीगण वार्ड नं. 16 नया बास चूरू के है जो दोनों शादीशुदा है और हमारा पुत्र बाबूलाल उम्र 33 साल व उसका परिवार हमसे लड़ाई-झगड़ा कर 8 वर्ष पहले अपने परिवार सहित अलग हो गये थे तथा गत 4 साल से सूरत गुजरात में अपने परिवार सहित निवास कर रहे है तथा गत 4 वर्ष में कभी चूरू नहीं आये है। ना ही कभी हमारी सुध ली है। बाबूलाल व उसका परिवार हमारे कहे में नहीं है। जिस कारण हम दोनों पति-पत्नी हमारे पुत्र बाबूलाल व उसका परिवार को हमारी सम्पति व हमारे जीवन से बेदखल करते है और आज के बाद उनके (बाबूलाल व उसका परिवार) किसी भी कार्य कलाप के लिये हम जिम्मेवार नहीं है और कोई भी व्यक्ति उनके साथ किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार करता है, तो उसके लिये हम कतई जिम्मेवार नहीं है, सूचित रहे। दिनांक 29.06.2023

यह सार्वजनिक सूचना आज दिनांक 29.06.2023 को अपने पूर्ण होश-हवास के बिना किसी नशे-पत्ते के लिख दिया है, वक्त जरूरत काम आवे।

सोहनलाल व श्रीमती संतोष देवी,
निवासीगण वार्ड नं. 16 नया बास चूरू

कोटा में वसुंधरा शक्ति प्रदर्शन में भीड़ जुटाने में सफल रही

लेकिन अपेक्षित विधायक, पूर्व विधायक, सांसद व पूर्व सांसद मंच पर नहीं दिखे

कोटा, (निसं)। आगामी विधानसभा चुनाव की निकटता के चलते भाजपा की राजनीति में अपनी अहमियत प्रदर्शित करने में लगी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का कोटा में आयोजित शक्ति प्रदर्शन भीड़ जुटाना के हिसाब से सफल साबित हुआ है। लेकिन इस शक्ति प्रदर्शन का एक पहलू यह भी रहा कि मंच पर अपेक्षित सांसद, पूर्व सांसद, विधायक तथा पूर्व विधायक नजर नहीं आए। ज्यादातर विधायकों और सांसदों ने इस आयोजन से दूरी ही बनाए रखी।

आलम यह रहा कि कोटा जिले की विधानसभा में ही कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा व रामगंजमंडी विधायक मदन दिलावर मंच पर नजर नहीं आए। इसको लेकर चर्चा है कि शायद आलाकमान जिस तरीके से वसुंधरा राजे सिंधिया को लेकर अपना रुख अख्तियार किए हुए हैं उसके चलते विधायकों और सांसदों ने वसुंधरा से दूरी बना ली है। कोटा जिले के विधायकों को लेकर एक कारण यह भी है कि ज्यादातर विधायक पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल को पसंद नहीं करते हैं और यह पूरा आयोजन पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल के द्वारा ही किया गया था। इसके चलते हो सकता है कि कोटा जिले के अलावा कुछ और विधायकों ने भी इस कार्यक्रम से दूरी बना ली हो। इस पूरे शक्ति प्रदर्शन में वसुंधरा के नाम पर भीड़ तो खासी एकत्रित हुई। ज्यादातर भीड़ झालावाड़ जिले से ही कोटा पहुंची इसको लेकर कहा जा रहा है कि वसुंधरा राजे सिंधिया ने खुद झालावाड़ में इसके लिए 1 दिन का कैंप आयोजित करना पड़ा।

झालावाड़ के अलावा बूंदी से भी खासी भीड़ एकत्रित हुई। वसुंधरा के मंच पर पहुंचने पर पहुंचने पर मौजूद कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने अपनी बात पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की लिखी कविता की पंक्तियों से की उन्होंने कहा कि मैं अपनी बात इन पंक्तियाँ से शुरू करना चाहती हूँ। आओ फिर से दिया जलाएँ, भरी दुपहरी में अँधियारा, सूरज परछाई से हारा अंतर तम का नेह निचोड़ें, बुझी हुई बाती सुलगाएँ, आओ फिर से दिया जलाएँ।आओ फिर से कमल खिलायें..!! अटलजी की इस कविता में एक लाइन मैंने जोड़ी है-आओ फिर से कमल खिलायें। क्योंकि अब कमल खिलाने का वक्त आ गया। इस दौरान उन्होंने हाड़ौती के दिवंगत दिग्गजों को भी याद किया। अपने भाषण की शुरुआत नहीं वसुंधरा ने केंद्र की मोदी सरकार की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मोदीजी के 9 साल देश का सौभाग्य काल है। इसके बाद वसुंधरा ने राजस्थान सरकार और कांग्रेस पर प्रहार करना शुरू करा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के शासन में विकास तो हुआ पर राजस्थान का नहीं कांग्रेस का। विकास तो हुआ पर राजस्थान का नहीं भ्रष्टाचार का। विकास तो हुआ पर प्रदेश का नहीं महिला, दलित अत्याचार का। विकास तो हुआ पर राजस्थान का नहीं बेरोज़गारी का।

पूरा प्रदेश इस सरकार से छुटकारा पाना चाह रहा है। कब चुनाव आयें और कब इससे निजात पायें। गहलोत की सरकार अधिकांश काग़ज़ों, बयानों, निर्देशों, आपसी झगड़ों और होटलों में ही दिखाई दी। दो बड़े काम किये हैं इस सरकार ने या तो हमारी योजनाओं को बंद कर दिया या उनका नाम बदल दिया। चिरंजीवी में औसतन साढ़े 11 हज़ार रूपये भी एक मरीज़ पर खर्च नहीं-हमने मुफ़्त ईलाज के लिए भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू की, उसका नाम बदल कर इन्होंने चिरंजीवी स्वास्थ्य कर दिया। हमारी योजना में सब अस्पतालों में ग़रीबों का फ्री ईलाज होता था,इनकी योजना में बड़े अस्पताल गरीब मरीज़ को घुसने तक नहीं देते। कहने को तो यह इस योजना में 25 लाख तक का ईलाज होता है, लेकिन 2021 से लेकर अब तक औसतन साढ़े 11 हज़ार रूपये भी चिरंजीवी योजना में एक मरीज़ पर खर्च नहीं हुआ।

कोटा, बूंदी, झालावाड़, बारां सहित 13 ज़िलों का जीवन बदल ने वाली ईआरसीपी शुरू की। उसे भी इस सरकार ने राजनीति में उलझा कर छोड़ दिया। पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी की प्रेरणा से हमने नदियों को जोड़ने का काम शुरू किया, लेकिन सरकार बदलने के साथ ही ये काम भी रुक गया। हाँ हमने झालावाड़ में आहू और चंवली नदी को जोड़ने का काम पूरा किया। इससे झालावाड़ जिले के 31 गाँव लाभान्वित हुए। झालावाड़, बारां और कोटा जिले के लिए महत्वपूर्ण परवन सिंचाई परियोजना भी वैसे की वैसे ही पड़ी है। जबकि हमारी इस योजना का श्रेय लूटने के लिए इन्होंने सितंबर, 2013 में राहुल गांधी जी को बुलाया था। एक पत्थर लगाया। सत्ता में आए। फिर 5 साल कुछ नहीं किया। आज 2 लाख बीघा जमीन और करीब 950 गांव इसके पानी के इंतजार में हैं।हमने मुख्यमंत्री जल सावलम्बन अभियान शुरू किया। उसका परिणाम यह रहा कि उस वक्त प्रदेश का भूजल स्तर बढ़ा। इस स्कीम को चलाते तो कितना फ़ायदा होता।

बिजली की दरें दुगनी से अधिक-प्रदेश में बिजली का बड़ा संकट है। बिजली है नहीं और कह रहे है 100 यूनिट बिजली मुफ़्त दे रहे है। बिजली जब है ही नहीं तो कहाँ से देंगे? हमारे समय जो बिजली के बिल आते थे, उनसे दुगनी राशि से अधिक बिल आ रहें हैं। 4 दर्जन से अधिक किसान आत्महत्या कर चुके हैं। क़र्ज़ा माफ़ किया नहीं उल्टा इस सरकार ने साढ़े 19 हज़ार किसानों की भूमि कुर्क कर दी। अपने भाषण के दौरान वसुंधरा राजे सिंधिया ने कोटा और हाड़ौती से जुड़े मुद्दे भी उठाए। उन्होंने मौजूद लोगों से अपना हाड़ोती से आत्मीय रिश्ता भी बताया। इसके बाद उन्होंने सभा के अंतिम पड़ाव में समर्थकों को हाड़ौती के पानी की याद दिलाई और विधानसभा चुनावों के पश्चात लोकसभा चुनाव में भी जीत का परचम लहराने का संकल्प दिलाया।

आगामी विधानसभा चुनाव की निकटता के चलते पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने कोटा में जन सभा को सम्बोधित किया।

- **भीड़ जुटाने के लिए वसुंधरा राजे को एक दिन का कैंप करना पड़ा झालावाड़ में**

बाड़मेर सीमा के पास हेरोइन के 11 पैकेट बरामद

हेरोइन की कीमत 55 करोड़ आंकी जा रही है

बाड़मेर, (निसं)। बीएसएफ की ओर से एनसीबी, एसबी जोधपुर और स्थानीय पुलिस के साथ फेंस के पास जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए ०दो बैगों में पैक हेरोइन के 11 पैकेट शनिवार को बरामद किये गए। जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 55 करोड आंकी गई है।

बीएसएफ गुजरात के जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक बाडमेर सेक्टर में सीमा पार हेरोइन की खेप पार करने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए, बीएसएफ ने एनसीबी, एसबी जोधपुर और स्थानीय पुलिस के साथ एक विशेष संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया, जिसमें सीमावर्ती क्षेत्र के बिजराड थाना अंतर्गत हूरों का तला गांव के साथ फेंस के पास एक पेड़ के नीचे छिपाकर रखे गए ०दो बैगों में हेरोइन के 11 पैकेट बरामद किए गए। बरामद की गई हेरोइन की कीमत 55 करोड़ आंकी जा रही है। फिलहाल इस मामले की जांच तमाम एजेंसियां कर रही हैं।

बाड़मेर में बीएसएफ ने जमीन में दो बैग में रखी 11 पैकेट हेरोइन बरामद की।

- **बीएसएफ ने एनसीबी, एसबी जोधपुर और स्थानीय पुलिस के साथ एक विशेष संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया**

आश्रम से निकली युवती लापता

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाल स्थित आसाराम आश्रम से निकली एक युवती लापता हो गई। उसका आज तीसरे दिन भी पता नहीं चल पाया। उसकी बहन की तरफ से गुमशुदगी दर्ज करवायी गई है। बोरानाडा पुलिस ने बताया कि इस बारे में आसाराम आश्रम में रहने वाली आरती यादव की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। उसकी बहन 24 साल की अंजू यादव यहां आश्रम में साथ रहती थी। वह 30 जून को आश्रम से दिन में निकल गई। उसकी तलाश करने पर भी वह नहीं मिली। इस पर अब बोरानाडा थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने बताया कि मूल रूप से दोनों बहनें छत्तीसगढ रायपुर की रहने वाली है और काफी समय से आश्रम में ही रह रही है।

बेटा दायित्व भूला, अधिवक्ताओं ने बेटे का फर्ज निभाया

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर के एक वृद्ध दम्पति ने अपने इंजीनियर बेटे के विरुद्ध अपने न्यायमित्र अधिवक्ता अरिहन्त चौपड़ा, प्रवीण साहू व वीरेंद्र सिंह राजपुरोहित के माध्यम से पारिवारिक न्यायालय पाली में अपने इंजीनियर पुत्र के विरुद्ध भरण पोषण प्राप्ति के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया और न्यायालय के समक्ष निवेदन किया कि उनका पुत्र आर्थिक रूप से सक्षम हैं।

पुत्र की पढाई और शादी के लिए पिता ने लाखों रुपये लोगों से ऋण ले रखे है और शादी के बाद पुत्र , माता-पिता को छोड़कर कर्नाटका राज्य में चला गया हैं । ढलती उम्र के कारण उनकी शारीरिक हालत ऐसी नही है कि वे खुद मजदूरी कर भरण पोषण कर सके । जिस पर पारिवारिक न्यायालय पाली द्वारा दोनो पक्षों की बाद सुनवाई दम्पति के पुत्र को गत मंगलवार को यह आदेश जारी किया है कि वो प्रतिमाह 10 हजार रुपये अपने पिता को व 10 हजार रुपये अपनी माता को अलग अलग बतौर अंतरिम भरण पोषण की राशि के रूप में अदा करे। न्यायालय का आदेश जब अधिवक्ता अरिहन्त चौपड़ा, प्रवीण साहू व वीरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने वृद्ध दम्पति को सुनाया तो उनकी आँखों से ख़ुशी से आँसू छलक पड़े। दम्पति के लिए अधिवक्ताओं ने नि:शुल्क पैरवी की।

हत्या के तीन आरोपी गिरफ़्तार

भीलवाड़ा, (नि.स.)। भीलवाड़ा शहर के पुर थाना इलाक़े में मामूली विवाद के बाद देवेंद्र सांखला की गला दबाकर हत्या के आरोप में मृतक के ही तीन रिश्तेदारों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इनमें दो भाई व एक आरोपित की पत्नी शामिल है।

पुर थाना प्रभारी पूरणमल मीणा ने बताया कि 29 जून को शाम 4 बजे पांसल निवासी देवेंद्र सांखला (26) पुत्र सत्यनारायण सांखला की दो बड़ी बहनें इंद्रा व टीना खेत पर घास लेने गई। जहां ये दोनों घास काट रही थी। इस दौरान इन्हीं के रिश्तेदार शंकर, इसका भाई मुकेश पुत्र श्रीकिशन खटीक, शंकर की पत्नी पारस ने टीना व इंद्रा के साथ मारपीट की और उनका गला दबाया।

बहनों को बचाने भाई देवेंद्र वहां गया तो तीनों आरोपितों ने देवेंद्र के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। तीनों ने मिलकर देवेंद्र का जोर से गला दबाया, जिससे उसकी सांस रुक गई। वह छटपटाया, लेकिन तीनों ने देवेंद्र का गला पकड़ कर नीचे गिरा दिया और काफी देर तक गला दबाकर रखा। इससे देवेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। शव का एमजी अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया।

तीन भाइयों व दोस्त का एक साथ अंतिम संस्कार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के बोरानाड़ा थाना इलाके में शनिवार को भांडू के पास हुए सड़क हादसे में घायल का भी अस्पताल में निधन हो गया। इस दुर्घटना में कल तीन भाइयों और उनके एक दोस्त की मौत हो गई थी। इस हादसे में घायल हुए एक और बुजुर्ग ने रविवार को दम तोड़ दिया। अब तक इस हादसे में पांच लोग जान गंवा चुके हैं। इधर जब रविवार को एक साथ तीन भाइयों और उनके दोस्त की अंतिम यात्रा निकली तो हर किसी की आंख में आंसू थे। किसी को विश्वास नहीं हो रहा था कि हर समय साये की तरह साथ रहने वाले चारों एक साथ इस दुनिया को अलविदा कह देंगे।

क्योंकि, शनिवार को हादसे से पहले चारों ने गांव में हथाई की थी। यहां कई देर तक बातें की और इसके बाद कार्यक्रम में जाने का प्लान बनाया। हमेशा साथ रहने, खाने-पीने, गप-शप करने और हर गुरु पूर्णिमा पर शिकारपुरा स्थित आश्रम में भजन-कीर्तन में शामिल होने वाले 5 बुजुर्गों ने एक साथ दुनिया को अलविदा कह दिया। जोधपुर के सिलावटा गांव में सन्नाटा है। बच्चे-बच्चे की जुबान पर बुजुर्गों की दोस्ती की दास्तान है। बाजार में जब खबर फैली कि पटेल भाइयों की टोली का एक्सीडेंट हो गया तो तुरत-फुरत बाजार बंद हो गए। जिसे पता चला वह एमडीएम हॉस्पिटल की तरफ दौड़ा। आज भीबाजार बंद हैं।

जोधपुर के बोरानाडा थाना इलाके के भांडू के पास शनिवार शाम 4 बजे के करीब बस-जीप की भिड़ंत में 4 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि गंभीर घायल भूराराम का इलाज एम्स अस्पताल में चल रहा था। रविवार को दोपहर 3 बजे के बजे भूराराम ने भी दम तोड़ दिया। जीप हादसे में जान गंवाने वाले पांचों मृतकों में तीन भाई थे और दो उनके दोस्त थे। सभी की उम्र 60 से 70 के बीच थी। सभी एक ही परिवार के थे और बोरानाडा के सिलावटा गांव में रहते थे। सिलावटा गांव में सभी दोस्तों को चिता पास-पास लगाई गई। बड़ी तादाद में पहुंचे लोगों ने नम आंखों से विदाई दी। पिछले 15 साल से दयाराम (64) पुत्र लक्ष्मण राम पटेल, नवला राम (70) पुत्र भीकाराम, त्रिलोक राम (68), दलाराम (65) पुत्र भीखाराम और भूराराम रोजाना एक साथ बैठकर सुबह की चाय पीते थे।

महिला के कान से सोने के टॉप्स छीना

देवली, (निसं)। शहर में इन दिनों चोरी और बढ़ती लूटपाट की वारदातों ने पुलिस की मुस्तैदी को आईना दिखा रखा है। चोर और लुटेरे इतने सक्रिय और बेखौफ हो गए हैं कि वारदात को अंजाम देने की वक्त उनमें पुलिस का भय बिल्कुल नहीं दिखाई देता है।

ऐसा ही एक मामला रविवार को देवली केंद्रीय बस स्टैंड पर घटित हुआ हैं। शहर के केंद्रीय बस स्टैंड पर बस में यात्रा करने वाली एक 70 वर्षीय वृद्ध महिला लुटेरों का शिकार होकर जख्मी हो गई। रविवार की दोपहर को शहर के केंद्रीय बस स्टैंड पर एक लुटेरे अपराधी ने महिला के कान में पहने हुए सोने के टॉप्स झपट्टा मारा और महिला के कान से सोने के टॉप्स को तोड़कर फरार हो गया।

हालांकि लुटेरे अपराधी के हाथ से महिला के टॉप्स वहीं बस में गिर गए लेकिन लुटेरा मौके से फरार हो गया। महिला के साथ हुई लूट की घटना से यहां खलबली मच गई। देखते ही देखते हैं शहर के बस स्टैंड पर में सैकडों यात्री और स्थानीय लोगों की भीड जमा हो गई। इस घटना में 70 वर्षीय वृद्ध महिला का कान बुरी तरह है जख्मी हो गया और वृद्ध महिला खून से लथपथ हो गई।

बाल-बाल बचा गैंगस्टर रितिक बॉक्सर, कॉन्स्टेबल से चली गोली

हनुमानगढ़। टाउन थाना में कॉन्स्टेबल की राइफल से गोली चल गई। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। यह गोली उस समय चली, जब फिरौती के मामले में रिमांड पर चल रहा हार्डकोर बदमाश रितिक बॉक्सर नहा रहा था। उसी दौरान कॉन्स्टेबल की एसएलआर राइफल से गोली चल गई। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सीआई दिनेश सारण ने बताया कि 29 जून की दोपहर में थाने में तैनात कॉन्स्टेबल राकेश ढाका की एसएलआर राइफल से गोली चल गई। गोली चलने की सूचना मिलने पर हम सभी मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी। एसपी सुधीर चौधरी ने कॉन्स्टेबल राकेश ढ ाका को लाइन हाजिर कर दिया है। हार्डकोर बदमाश रितिक बॉक्सर के नहाने की बात पर सीआई ने बताया कि बॉक्सर नहा रहा था, लेकिन उसकी सुरक्षा में राकेश ढ ाका तैनात नहीं था। उसके लिए पुलिस ने अलग से कमांडो और टीम तैनात की हुई है। कॉन्स्टेबल राकेश थाने में ही संतरी के रूप में तैनात है। उन्होंने बताया कि गोली लापरवाही से चली या जानबूझकर चलाई गई, इसकी जांच उच्चाधिकारी कर रहे हैं।

बदमाश रितिक बॉक्सर को प्रेक्षा विहार, विजय सिनेमा के सामने, हनुमानगढ़ टाउन निवासी डॉ.पारस मल जैन (75) पुत्र दुलीचंद जैन को 1 करोड़ की रुपए की फिरौती के लिए धमकी देने के मामले में रिमांड पर लिया है। डॉ. पारस मल ने 27 जनवरी को टाउन थाना में मामला दर्ज कराया था। उन्होंने बताया था कि 26 जनवरी को उनके मोबाइल फोन पर वॉट्सऐप कॉल आई। फोन करने वाले ने स्वयं को अनमोल बिश्नोई तथा लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और 1 करोड़ की फिरौती मांगी। फोन करने वाले ने रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। मामले में टाउन पुलिस ने उसको जिला जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया था और कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया था। थाना प्रभारी दिनेश सारण के अनुसार फिरौती के इस मामले में रितिक बॉक्सर समेत 5 बदमाशों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इससे पहले रहमान उर्फ बबलू (18) पुत्र भार अली निवासी वार्ड पांच नई खुंजा, हनुमानगढ़ जंक्शन, चंदन सिडाना (19) पुत्र राकेश कुमार अरोड़ा निवासी सहजीपुरा, हनुमानगढ़ हाल मां अम्बे वैली कॉलोनी हनुमानगढ़ जंक्शन, डॉ. जैन की रैकी करने वाले मणिशंकर उर्फ मणिया उर्फ मणिसिंह (46) पुत्र गुरदेव सिंह निवासी वार्ड 1, गांव सतीपुरा को गिरफ्तार कर जेल भिजवा चुकी है। पुलिस ने मामले में एक बाल अपचारी को भी डिटेन किया था।

बीकानेर जेल में बंद मणिशंकर को टाउन पुलिस 23 जून को प्रोडक्शन वारंट पर हनुमानगढ़ लाई और गिरफ्तार किया था। टाउन पुलिस थाना प्रभारी दिनेश सारण ने बताया कि पीसी रिमांड के दौरान मुख्य आरोपी रितिक ठाकुरवानी उर्फ रितिक बॉक्सर (22) पुत्र किशनचन्द सिंधी निवासी मालवीय नगर (जयपुर) से हुई पूछताछ में खुलासा हुआ था कि रितिक के गुर्गे मणिशंकर ने फिरौती मांगने के लिए डॉ. पारस के नाम का सुझाव दिया था।

- **एक करोड़ की फिरौती मामले में रिमांड पर है बदमाश**

करंट से सौ भेड़-बकरियां मरी

गुड़ामालानी, (निसं)। गुड़ामालानी पंचायत समिति के निकटतम ग्राम पंचायत सिधासवा चौहान में एक गरीब परिवार देवासी के खेत में 11 केवी विद्युत तार टुटने से बाडे में खडी बकरीया एवं भैडे करंट लगने से एक साथ जलकर मर गई। सूचना पर तहसीलदार विकास कुमार, प्रधान बिजलाराम चौहान, हनुमानराम चौधरी,सरपंच प्रतिनिधि केसर गढवीर,पटवारी भूराराम भील मौके पर पहुंचकर जायजा लेकर कार्यवाही शुरू की। सिधासवा चौहान बारुडी निवासी प्रतापाराम पुत्र ओखाराम देवासी के खेत के अन्दर से गुजर रही मुख्य विद्युत लाइन का तार अचानक टुटकर पास में घर कनेक्शन लाईन पर जाकर गिर गया । मुख्य लाइन का तार भारी होने के कारण घरेलू कनेक्शन तार भी टुट गया । तार टुटने से खेत के अन्दर बाडे में बैठी पचास बकरीया एवं दर्जन भर भैडे करंट लगने से एक साथ जलकर मर गई । सुचना पर तहसीलदार विकास कुमार मौके पर पहुंचकर पटवारी एवं पशु चिकित्सा विभाग टीम को पोस्टमार्टम तथा रिपोर्ट बनाने के आदेश दिए। सरपंच प्रतिनिधि केसर गढवीर ने बताया कि प्रतापाराम देवासी का गरीब परिवार होने के साथ इनका भरण पोषण इन भैड,बकरीया पर होता था।

प्रेमिका बोली अब नहीं रखना तुमसे संबंध, प्रेमी ने की हत्या

पाली, (नि.सं.)। पाली के सदर थाने क्षेत्र में 25 साल की गर्भवती आशा रेबारी की निर्मम हत्या का मामला पाली पुलिस ने 12 घंटे भीतर खोलते हुए उसके प्रेमी को देर रात दस्याब किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आशा उससे आगे किसी तरह का संबंध नहीं रखना चाहती थी। इस बात से नाराज होकर आरोपी महेश धोबी ने चाकू से कई वार कर उसकी हत्या कर दी और घटना स्थल से चंद कदमों की दूर स्थित गौशाला में छुपकर बैठा रहा। जिसे पुलिस ने झुंझुनूं के उदयपुरवाटी निवासी 27 साल के महेश पुत्र हनुमानप्रसाद धोबी को दस्तयाब किया है।

गत 1 जुलाई की देर शाम को पाली के सदर थाने के निकट गौशाला के पास एक कच्चे कमरे में 25 साल की आशा पत्नी भाखरराम रेबारी पुत्री पिताराम की बॉडी अपने पीहर में कच्चे कमरे में खून से लथपथ मिली थी। जिसकी सब्जी काटने का चाकू से कई वार कर हत्या की गई थी। मामले में सीओ सिटी अनिल सारण, कोतवाल रविन्द्र सिंह खीची के नेतृत्व में टीम जुटी रही।

पिताराम रेबारी ने शनिवार देर रात को गौशाला में कॉल कर दूध मांगा ताकि घर में भूखे बच्चों को पिला सके। गौशाला में काम करने वाला युवक गाय का दूध निकालने गया तो वहां एक युवक को देख डर गया। उसने पिताराम सहित अन्य को गौशाला बुलाया और सदर थाने में गौशाला में चोर होने की सूचना दी। रात्रि में गश्त कर रहे हेड कांस्टेबल मानसिंह मयजाप्ता मौके पर पहुंचे। युवक को ललकारते हुए बाहर बुलाया। जैसे ही युवक का चेहरा पिताराम की छोटी बेटी ने देखा तो चिल्ला उठी कि यही आशा दीदी से मिलने आया था। इस पर पुलिस उसे दस्तयाब कर थाने लाई। जिससे पूछताछ जारी है।

आरोपी महेश धोबी करीब चार साल पहले मानपुरा भाकरी में एक भवन में टाइल्स का काम करता था। यहां आशा साफ-सफाई का काम करती थी। जिसे महेश धोबी ने अपनी दोस्ती के जाल में फंसा दिया। करीब दो साल पहले आशा की शादी तोगावास निवासी भाकरराम रेबारी से हो गई। तब उसने महेश से संबंध तोड़ने का फैसला कर लिया। लेकिन फोन कर वह उसे बार-बार मिलने का दबाव डालने लगा। गर्भवती होने पर करीब 2 माह पहले आशा पाली में अपने पीहर आई। यह बात पता लगने पर महेश कॉल कर उसे आखिरबार मिलने का दबाव डालने लगा। इस पर दोनों 1 जुलाई की शाम को सदर थाने के पास गौशाला के निकट स्थित अपने मिले। घटना के समय आशा घर पर अकेली थी। इस दौरान महेश ने उसे अपने प्यार का हवाला देते हुए संबंध आगे भी रखने की बात कही।

- **गौशाला में छिपा मिला आरोपी**
- **आशा की बॉडी अपने पीहर में कच्चे कमरे में खून से लथपथ मिली थी**

समय रहते समाधान नहीं हुआ तो होगा उग्र आंदोलन : बिजलाराम चौहान

गुड़ामालानी, (निसं)। बिजली विभाग की कार्यशैली के खिलाफ जारी धरने के समर्थन में धरने के नौवें दिन भारतीय किसान संघ गुड़ामालानी के बैनर तले विशाल आंदोलन के तैयारियों को लेकर भारतीय किसान संघ के संभाग प्रचार प्रमुख प्रह्लाद सियोल, प्रान्त बीमा एवं बैंक प्रमुख गोविन्द चौहान, धोरीमन्ना तहसील अध्यक्ष ठाकराराम हुड्डा, गुड़ामालानी तहसील अध्यक्ष खेताराम सियाग और गुड़ामालानी पंचायत समिति के प्रधान बिजलाराम चौहान द्वारा ग्राम इकाईयों की बैठकों के माध्यम से गांव गांव जनसम्पर्क किया गया।

भारतीय किसान संघ के संभाग प्रचार प्रमुख प्रह्लाद सियोल ने बताया कि बिजली विभाग द्वारा किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा हैं और बार बार विद्युत कटौती, जर्जर खंभों को बदलने की मांग, जले हुए ट्रांसफार्मर बदलने के लिए विभाग का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। लेकिन सामग्री न होने का बहाना बनाकर टरकाया जा रहा हैं। जबकि यही विभाग पुरे लवाजमें के साथ बॉयलर ले जा रहे भारी वाहनों को पार करवाने के लिए घंटों विद्युत कटौती करके उसकी सेवा में लगा रहता हैं। जिसका कारण हैं कि कंपनी द्वारा उसकी सेवा के बदले में ऊपरी मेवा जो मिल रहा हैं। लेकिन अधिकारीयों को ध्यान रखना चाहिए कि सरकार उनको वेतन किसानों की सेवा के लिए देती हैं।

गुड़ामालानी प्रधान बिजलाराम चौहान ने बताया कि आंदोलन की रुपरेखा को लेकर विभिन्न गावों का दौरा करके जनसंपर्क किया हैं, प्रशासन द्वारा गत दिवस धरने के आठवें दिन प्रथम बार बुलावा आया। लेकिन समाधान के किसी फॉर्मूले के अभाव में पहले दौर की वार्ता विफल रही थी, विद्युत विभाग भ्रष्टाचार के दल दल में डूबा हुआ हैं। इसलिए समाधान का फॉर्मूला देने के बावजूद उसपर अमल करने के बजाय टालमटोल करने में लगा हुआ हैं। हमने मांग की थी कि मेघा हाईवे को क्रॉस करने वाली समस्त विद्युत लाईनों को भूमिगत कर दिया जाये। जिससे भारी वाहनों को पार करवाने के लिए बार बार की जाने वाली विद्युत कटौती से आमजन को राहत मिल जाएगी। भारतीय किसान संघ के धोरीमन्ना तहसील अध्यक्ष ठाकराराम हुड्डा ने बताया कि जनसंपर्क के तहत डबोई, शिवजी का मंदिर, मंगलासर, महादेव मगरा, चैनपुरा, खोथावास, अरणियाली, पांडव नगर, पल की बेरी एवं जाखरडा ग्राम इकाई की बैठक लेकर समस्त किसान भाईयों को किसान भाईयों से आंदोलन में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आव्हान किया। गुड़ामालानी में समस्त ग्राम इकाइयों की संयुक्त बैठक करके आंदोलन के लिए जनसंपर्क किया गया।

इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के संभाग प्रचार प्रमुख प्रह्लाद सियोल, प्रान्त बीमा एवं बैंक प्रमुख गोविन्द चौहान, धोरीमन्ना तहसील अध्यक्ष ठाकराराम हुड्डा, गुड़ामालानी तहसील अध्यक्ष खेताराम सियाग और गुड़ामालानी पंचायत समिति के प्रधान बिजलाराम चौहान उपस्थित रहे।

गुड़ामालानी में भारतीय किसान संघ के धरना प्रदर्शन को लेकर जन संपर्क किया।

'राजस्थान में बेहतरीन नेतृत्व की लंबी लिस्ट, सिर्फ पायलट और गहलोत ही नहीं हैं'

साथ ही हरीश चौधरी यह भी बोले, ''राजस्थान की सियासी सुलह के संदर्भ में मुझे कोई जिम्मेदारी नहीं मिली''

जयपुर, (का.प्र.)। पिछले दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात के बाद से कई दिनों से चर्चाओं के केंद्र बने बायतु विधायक हरीश चौधरी जयपुर ने बाड़मेर पहुंचकर खुद के प्रदेशअध्यक्ष बनाए जाने की चर्चाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में नहीं हैं। इसके अलावा चौधरी ने कहा कि राजस्थान कांग्रेस में सुलह को लेकर व्यक्तिगत तौर पर उन्हें कोई जिम्मेदारी नही मिली है।

वहीं महत्वपूर्ण बयान देते हुए मुख्यमंत्री गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रहे आपसी विवाद पर हरीश चौधरी ने कहा कि हम सब लोग एक हैं। चौधरी ने कहा कि यह झगड़ा और दो नाम प्रायोजित एजेंडा के तहत लगातार लिए जा रहे हैं। राजस्थान में बेहतरीन नेतृत्व की लंबी लिस्ट है, एक बेहतरीन लीडरशिप है, राजस्थान में सिर्फ सचिन पायलट और अशोक गहलोत नहीं है। कांग्रेस में अनुभवी राजनीतिज्ञों की एक लंबी लिस्ट है। हरीश चौधरी ने कहा कि प्रायोजित प्रोपेगेंडा के कारण अशोक गहलोत और सचिन पायलट को लेकर विवाद की छवि भारतीय जनता पार्टी बनाना चाहती है। हरीश चौधरी ने कहा कि कांग्रेस में एकजुटता है और आगे भी

■ **'गोविंद डोटासरा सफल अध्यक्ष, मैं अध्यक्ष पद की दौड़ में नहीं'**

रहेगी। चौधरी ने कहा कि पटना में राहुल गांधी ने साफ संदेश राजस्थान में कांग्रेस के हर नेता कार्यकर्ता को कह दिया था कि हम एकजुट होंगे, तभी पार्टी राजस्थान में जीतेगी। यह संदेश हम सबके लिए पर्याप्त है। इसलिए हर किसी को प्रयास करना चाहिए कि एकजुट होकर हम सभी लोग आगे बढ़ें। हरीश चौधरी ने कहा कि सचिन पायलट का बड़प्पन था कि वो घर पर आए थे। इस दौरान उनसे व्यक्तिगत और राजनीतिक बातें हुई। हालांकि हरीश चौधरी ने कहा कि किसी प्रकार की सुलह के संदर्भ में किसी भी नेता से कोई चर्चा नहीं हुई है। चौधरी ने यह भी स्पष्ट कहा कि उन्हें सुलह के संदर्भ में किसी तरह की कोई व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदारी नहीं दी गई है। इसी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ हुई मुलाकात को लेकर हरीश चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का स्वास्थ्य ठीक नहीं था और पांव फ्रैक्चर हो गया था इसलिए उनसे मुलाकात हुई थी। वैसे चौधरी ने कहा कि जब दो राजनीतिक लोग मिलते हैं तो राजनीति की बात होना स्वाभाविक है। इसलिए उनके और मुख्यमंत्री के बीच राजनीतिक बातचीत भी हुई।

हालांकि हरीश चौधरी ने उन सभी चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा कि वो प्रदेशाध्यक्ष की दौड़ में कहीं नहीं हैं। जहां तक वर्तमान अध्यक्ष की बात है तो वे अच्छा काम कर रहे हैं। चौधरी ने कहा कि गोविंद सिंह डोटासरा बेहतरीन प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर अपना कार्यकाल आगे बढ़ा रहे हैं। वे कांग्रेस कार्यकर्ता होने के नाते जितना सहयोग देते आ रहे हैं और भविष्य में भी देते रहेंगे।

ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज वायु सेना स्टेशन जयपुर के नए कमांडर

ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज ने वायुसेना स्टेशन जयपुर के नए स्टेशन कमांडर के रुप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने ग्रुप कैप्टन दावेश सिंह, वीएसएम का स्थान लिया। ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज को भारतीय वायु सेना के वैमानिक अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रॉनिक्स) शाखा में 26 नवंबर 1996 को कमीशन प्राप्त हुआ था।

गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी में गूंजे गुरू महिमा के गीत

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से गुरु पूर्णिमा महोत्सव से पूर्व दीपयज्ञ में लोगों ने आहुतियां अर्पित कीं।

जयपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में दो दिवसीय गुरू पूर्णिमा महोत्सव का रविवार को अखंड गायत्री मंत्र जप और गुरु गीता पाठ के साथ हुआ। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी में गायत्री मंत्र का जप किया गया। दोपहर को गुरु गीता का सामूहिक पाठ किया गया। इस मौके पर रेखा श्रीवास्तव ने गुरु की महिमा का बखान करते हुए कहा कि गुरु गीता साधक की संजीवनी है। स्कंद पुराण के अनुसार भगवान शिव ने पार्वती को गुरु गीता का सर्व प्रथम श्रवण करवाया। गायत्री कचोलिया ,गायत्री तोमर, सुरुचि रावत, प्रेमा देवी, पायल माहेश्वरी ने गुरु गीता का संगीतमय किया। प्रारंभ में गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के व्यवस्थापक सोहन सिंह शर्मा, सह व्यवस्थापक मनीशंकर चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शांतिकुंज हरिद्वार में गायत्री परिवार संगठन के राजस्थान प्रभारी जयसिंह यादव ने बताया कि गुरू पूर्णिमा सोमवार को अनुशासन पर्व के रुप में मनाया जाएगा। शिष्य गुरू के अनुशासन को जीवन में उतार कर उनसे अनुदान-वरदान प्राप्त करने की भावना के साथ गुरु पूजन करेंगे। गायत्री परिवार राजस्थान जोन के समन्वयक ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि रविवार को गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के आलावा वेदना निवारण केन्द्र मानसरोवर और गायत्री चेतना केन्द्र जनता कॉलोनी में सुबह सात से शाम पांच बजे तक सबके कल्याण के लिए गायत्री महामंत्र का अंखड जप किया गया। शाम को दीपयज्ञ हुआ। सैकड़ों की संख्या में दीप प्रज्वलित कर अक्षत के माध्यम से विश्व कल्याण की कामना के साथ आहुति अर्पित की गई। गुरू पूर्णिमा महोत्सव तीन जुलाई को मनाया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी, गायत्री शक्तिपीठ वाटिका, गायत्री शक्तिपीठ कालवाड, वेदना निवारण केंद्र मानसरोवर, गायत्री चेतना केंद्र जनता कॉलोनी सहित सभी प्रज्ञा संस्थानों में सुबह से दोपहर तक पंच कुंडीय और नो कुंडीय गायत्री महायज्ञ, गुरु पूजन का कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर नए साधकों को गुरु दीक्षा दी जाएगी।

योग गुरुओं को ''महर्षि पतंजलि'' सम्मान

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान योग प्रतिष्ठान की ओर से सरोजिनी मार्ग स्थित योग निलयम में सूर्य सप्तमी के दिन राजस्थान में 23 लाख परिवारों से 7 दिन में 11 करोड़ सूर्य नमस्कार करवाने वालों में महर्षि पतंजलि सम्मान किया गया। मेघ सिंह चौहान, योगास्थली योग सोसायटी की सह-निदेशक योगाचार्य हेमलता शर्मा, प्रथम मेडी टूरिज्म एवं योग चिकित्सा केन्द्र के मार्गदर्शन हिमांशु पालीवाल, योग साधना आश्रम की अध्यक्ष योगिनी डॉ. पुष्पलता गर्ग, राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद व इंटरनेशनल योग के चीफ आनन्द कृष्ण कोठारी, योग विद्या में कार्यरत डॉ. स्माइल टाक, फिट योग के संस्थापक अरविन्द सिंह, राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद के संस्थापक हरिसिंह सोलंकी, पतंजलि योग समिति के प्रदेश प्रभारी कुलभूषण बैराठी, प्राकृतिक चिकित्सा योग के विशेषज्ञ डॉ. अरुण जोशी, प्राकृत भारती अकादमी जयपुर की निदेशक डॉ. सुषमा सिंघवी, राजस्थान योगासन में कार्यरत वैदिक दुसाद, आईसीसी गर्ल्स कालेज में कार्यरत डॉ. सुनीता शर्मा, योग विशेषज्ञ योगाचार्य सौरभ शर्मा को ''महर्षि पतंजलि सम्मान'' से सम्मानित किया है।

वायु परीक्षण आज

जयपुर, (का.सं.)। आषाढ़ी वायु धारणी पूर्णिमा पर सोमवार को राजधानी जयपुर के ज्योतिष यंत्रालय स्मारक (जंतर-मंतर) में ध्वज पूजन और सूर्यास्त काल में शास्त्रानुसार वायु परीक्षण किया जायेगा। अधीक्षक मोहम्मद आरिफ ने बताया कि वर्षा संबंधी पूर्वानुमान के लिये विद्वानों और देवज्ञों की उपस्थिति में यह कार्य होगा।

यूसीसी देश के विकास और समृद्धि के लिए : सी.पी.जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यूसीसी वर्तमान में देश के विकास और समृद्धि के लिए है। जो देशहित में होगा मोदी सरकार वही काम करेगी। भारत के संविधान में सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार का उल्लेख किया गया है। ऐसे में देश में दोहरी व्यवस्था कैसे चल सकती है। तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति से कदापि देश का विकास नहीं हो सकता।

जोशी ने कहा कि भाजपा समाज के सभी वर्गों को उन्नत करना चाहती है। कोई भी वर्ग अपनी मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के यह विचार देश की समृद्धि को आधार देंगे। कुछ पार्टियों ने कसम खा रखी है कि भाजपा देशहित में कोई भी फैसला ले उसका विरोध करना है।

■ **'जुलाई में नाकारा गहलोत सरकार के खिलाफ महिला मोर्चा, किसान और युवा करेंगे विरोध प्रदर्शन'**

विपक्ष को यह नहीं पता कि देश की जनता का मिजाज क्या है। अनुच्छेद 370 हटाने का काम क्या पहले नहीं हो सकता था, क्या वन नेशन वन टैक्स का निर्णय इंदिरा गांधी के समय नहीं हो सकता था। उस समय राजनैतिक लोगों को लगा कि देश से पहले पार्टी है। कहीं पार्टी का वोटबैंक ना चला जाए। भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी ने नेशन फर्स्ट को लेकर काम किया है, तभी तो देश की जनता का विश्वास भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार पर है। सी.पी.जोशी ने कहा कि नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी की विजय संकल्प टीम अनुभवी, ऊर्जावान, सर्वहितैषी, और समावेशी है। जिसमें सभी वर्गों से लोगों को दायित्व दिया गया है, जो कि आगामी 2023-24 के चुनावों में टीम विजय संकल्प के साथ एकजुट होकर काम करेंगे।

प्रदेशाध्यक्ष सी.पी.जोशी ने कहा कि भ्रष्ट, नाकारा, जंगलराज, पेपर लीक और झांसेबाज कांग्रेस सरकार के खिलाफ आगामी पांच जुलाई को महिला मोर्चा जयपुर की सड़कों पर थाली नाद के साथ विरोध प्रदर्शन करेगी, वहीं आगामी 12 जुलाई को झुंझनूं में कर्जमाफी का झूठा वादा करने वाली सरकार के खिलाफ किसान विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा बेरोजगारी भत्ता नहीं मिलने और पेपर लीक के खिलाफ अजमेर में युवाओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

दंत महाविद्यालय में सहायक आचार्य के 10 पद स्वीकृत

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर के दंत महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में सहायक आचार्य के 10 नवीन पदों का सृजन होगा। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के अधीन महाविद्यालय में प्रोस्थोडॉन्टिक्स के 3, पीडोडॉन्टिक्स, ओरल पैथोलोजी व पेरियोडॉन्टिक्स के 2-2 पद और डेंटल मेटेरियल का एक पद सृजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इससे चिकित्सा विद्यार्थियों को अध्ययन और मरीजों को उपचार कराने में आसानी होगी।

महाविद्यालय में संचालित बी.डी.एस. पाठ्यक्रम की सीटें 50 से बढ़ाकर 100 किए जाने और पी.जी. पाठ्यक्रमों में सीटों की अभिवृद्धि, डेंटल मैकेनिक एवं डेंटल हाइजिनिस्ट के नवीन पाठ्यक्रम शुरू किए जाने से सहायक आचार्य के नवीन पदों का सृजन आवश्यक हो गया था।

श्रीजगदीश नारायण शर्मा की द्वितीय पुण्यतिथि पर जगदीश नारायण मेमोरियल ट्रस्ट एवं विश्व हिंदू परिषद की तरफ से सीतापुरा स्थित एक होटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक महेश बोहरा ने बताया शिविर में रक्त दाताओं ने 223 यूनिट रक्तदान किया। इस दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश शर्मा, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा राष्ट्रीय अध्यक्ष हरियाणा गौड ब्राह्मण महासभा बीरधी चंद शर्मा, सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी, पत्रकार गोपाल शर्मा, कोर्ट बार अध्यक्ष भुवनेश शर्मा, पूर्व पार्षद गीता शर्मा, विश्व हिंदू परिषद उपाध्यक्ष रमेश शर्मा, भाजपा नेता हेमंत जकड़ी, सुरेश उपाध्याय मनीष शर्मा, दीपक गिर्राज राधामोहन आदि मौजूद रहे।

नाहरगढ़ सेंचुरी में मादा लेपर्ड का शव मिला

जयपुर। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ सेंचुरी के मायला बाग क्षेत्र में 5 से 6 साल की मादा लेपर्ड का शव मिला है। जो कि 4 से 5 दिन पुराना बताया जा रहा है। वन विभाग की टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम शुरू कर दिया है। शुरुआती जांच में मादा लेपर्ड की मौत का कारण नेचुरल डेथ सामने आ रहा है। क्योंकि बारिश का दौर जारी है। ऐसे में ऊंचाई से गिरने से भी लेपर्ड की मौत हो सकती है। हालांकि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की असली वजह का पता चल सकेगा। दरअसल, रविवार सुबह वन विभाग की टीम नाहरगढ़ सेंचुरी एरिया में गश्त कर रही थी। तभी उन्हें पेड़ के नीचे मादा लेपर्ड का शव मिला, जो बारिश की वजह से डीकंपोज होने लगा था। ऐसे में वनपाल शंकर सिंह मीणा ने वन विभाग के स्टाफ के साथ लेपर्ड की बॉडी को रिकवर कर पांच बत्ती स्थित पशु चिकित्सालय में पहुंचाया।

पदमश्री हुसैन बन्धुओं से मांगा समर्थन

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान के नेतृत्व में मोर्चा के पदाधिकारियों ने ''सम्पर्क से समर्थन अभियान'' के तहत पद्मश्री से सम्मानित क्लासीकल गजल व भजन गायक अहमद हुसैन व मोहम्मद हुसैन बन्धुओं से उनके निवास पर जाकर सम्पर्क किया व पार्टी के लिए समर्थन देने की अपील की। खान ने बताया कि अहमद हुसैन व मोहम्मद हुसैन को इसी वर्ष भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

उन्होंने बताया कि हुसैन बन्धुओं का कहना था कि वें वर्षों से इस सम्मान की आस लगाये हुए थे, परन्तु केन्द्र की मोदी सरकार ने इस सम्मान से उन्हें नवाजा है, इस लिए हम व हमारा पूरा परिवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शुक्रिया अदा करते हैं। हुसैन बन्धुओं ने आगे कहा कि हम प्रधनमंत्री नरेन्द्र मोदी के एहसानमन्द है कि उन्होंने हमारे हुनर को एक नई पहचान व ऊंचाई दी। इस मौके पर मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हमीद खान मेवाती ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफलतम 9 वर्ष की उपलब्धियों की एक पुस्तक हुसैन बन्धुओं को भेंट की व पार्टी के लिए समर्थन मांगा। मोर्चा पदाधिकारियों ने हुसैन बन्धुओं के निवास पर जाकर साफा पहनाया, शॉल ओढ़ाया व गुलदस्ता देकर उनका इस्तकबाल किया। इस मौके पर मोर्चा के प्रदेश कार्यालय मंत्री उस्मान चौहान, जयपुर शहर जिला महामंत्री परवेज खान व पार्षद प्रत्याशी सलीम खान उपस्थित रहे।

44 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बजट मंजूर

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों की यात्रा कराने के लिए संकल्पित है।

प्रदेश के वृद्धजनों में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना को लेकर अपार उत्साह है। इनकी भावनाओं के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2023-24 में 40 हजार वृद्धजनों को यात्रा कराने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस लक्ष्य की क्रियान्विति में 44 करोड़ रुपए के अतिरिक्त बजट प्रावधान को मंजूरी दी है। योजना अन्तर्गत पहले 46 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। अब यात्रियों की संख्या बढ़ने से 44 करोड़ रुपए और दिए गए है।

भरतपुर एवं बीकानेर में बनेंगे इन्डोर हॉल

जयपुर, (का.सं.)। भरतपुर एवं बीकानेर में खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मल्टीपरपज इन्डोर हॉल का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 16.44 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी का स्वागत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी को भाजपा में प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर रविवार को राजस्थान माली महासभा व माली समाज के नेताओं ने उनके निवास पर जाकर स्वागत किया। माली महासभा महामंत्री व प्रवक्ता बाबूलाल सैनी रजवास ने बताया कि प्रभुलाल सैनी के मनोनयन से माली सैनी समाज में खुशी का संचार हुआ है। समाज को आगामी विधानसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलेगा और समाज में एकजुटता आएगी। इस दौरान राजस्थान माली महासभा के प्रदेशाध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी ^(फुलवाले), प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सी.एल.सैनी, संरक्षक बिरदी चन्द सिंगोदिया, उपाध्यक्ष बजरंग पंवार, महामंत्री प्रहलाद बोली, प्रभाती लाल सैनी, संजय सैनी, निखिल अजमेरा, सागर मावर कोषाध्यक्ष, जयपुर जिला माली सैनी समाज के अध्यक्ष रोशन सैनी, देवकीनंदन सैनी, सीताराम सैनी, रमेश सैनी, मुकेश पुष्प, राकेश सैनी ने प्रभुलाल सैनी को बधाई दी व गुलदस्ता भेंट किया।

नवगठित भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी पदाधिकारियों का स्वागत

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी एंव प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर से मिलकर नवीन दायित्व के लिए आभार प्रकट करने पहुंचे। इस दौरान समर्थकों एंव कार्यकर्ताओं में उमंग और उत्साह का माहौल देखने का मिला। प्रदेशभर से आए विभिन्न कार्यकर्ताओं ने पदाधिकारियों को गुलदस्ते व फूलमाला पहनाकर स्वागत किया और मिठाईयां बांटी। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने मौजूद नवनियुक्त पदाधिकारियों को विजय संकल्प लेकर संगठन के लिए एकजुट होकर काम करने और आगामी चुनावों में जुट जाने का आव्हान किया। नवीन कार्यकारिणी गठन को लेकर उत्साहित कार्यकर्ताओं ने भाजपा और प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के पक्ष में जमकर नारेबाजी की। वहीं गुलदस्ते भेंट करने और फूलमाला पहनाकर स्वागत करने का दौर भी चला।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद बाबा बालकनाथ, सुखबीर जौनापुरिया, नारायण पंचारिया, प्रभुलाल सैनी, सरदार अजयपाल सिंह, श्रवण सिंह बगडी, मुकेश दाधीच, प्रदेश महामंत्री एंव सांसद दिया कुमारी, जगबीर छाबा और सह कोषाध्यक्ष श्याम अग्रवाल का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

हथियार बेचने की फिराक में घूम रहे दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन' तहत सांगानेर सदर पुलिस और जिला स्पेशल टीम दक्षिण (डीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए अवैध देशी पिस्टल को बेचने की फिराक में घूम रहे दो सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से एक देशी पिस्टल और वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी जब्त किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) योगेश गोयल ने बताया कि ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन' तहत सांगानेर थाना पुलिस और डीएसटी दक्षिण ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार देशी पिस्टल बेचने की फिराक में घूम रहे आरोपी दीपू कुमार वैष्णव (24) निवासी झापदा जिला दौसा और प्रभु दयाल मीणा (21) निवासी तुंगा जिला जयपुर को मुखबिर की सूचना पर वाटिका रोड से गोविन्दपुरा जाने वाले रोड से गिरफ्तार कर उनके पास से अवैध देशी पिस्टल और वारदात में प्रयुक्त एक बाइक बरामद की है।

आरोपित यह अवैध हथियार मध्य प्रदेश से मंगवा कर जयपुर में सप्लाई करते है। आरोपियों से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त में बारे में पूछताछ की जा रही है।

डॉ. पूनिया ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने आज जयपुर स्थित जनसंवाद केंद्र पर प्रदेशभर से पधारे आमजन और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। वहीं सतीश पूनिया ने जनसंवाद केंद्र पर पधारे सांसद बाबा बालकनाथ, सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया को टीम भाजपा राजस्थान में प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

करोना को कोई नया मरीज नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में रविवार को भी लगातार चौथे दिन भी किसी जिले में कोई नया करोना संक्रमित नहीं मिला है। राज्य में आज एक संक्रमित के रिकवर होने से फिलहाल अब एक ही एक्टिव केस बचा है। वहीं प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि, राज्य में अब तक इस बीमारी से 9736 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

पत्नी से परेशान पति ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के मालपुरा गेट इलाके में एक युवक ने पत्नी की बेवफाई से परेशान होकर ट्रेन के आगे कूदकर मौत को गले लगा लिया।

मृतक की जेब से पुलिस को सुसाइड नोट बरामद हुआ है। मालपुरा गेट पुलिस ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के पिता ने सुसाइड नोट के आधार पर बेवफा पत्नी सहित ससुरालवालों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि हिण्डौन करौली निवासी प्रहलाद सैन (27) ने सुसाइड किया है। वह गोवर्धन नगर सांगानेर में किराए से रहकर सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था। गत 29 जून को सुबह करीब 10 बजे वह शिकारपुरा स्थित रेलवे ट्रेक पर पहुंच गया। ट्रेन को आते देखकर उसने छलांग लगा दी।

भीण्डर हॉस्पिटल परिसर में गिर रहा प्लास्टर और पानी

वार्डों के बाहर पानी भरा हुआ है और परिसर में गंदगी फैली हुई है

भीण्डर, (निसं)। गंभीर बीमारियों का इलाज करने वाला हॉस्पिटल ही जब बीमार हो जाएं तो फिर क्या होगा। ऐसा ही हाल हैं भीण्डर के सरकारी हॉस्पिटल का। यहां छत से लगातार पानी टपक रहा हैं तो प्लास्टर नीचे गिर रहा है। वार्डों के बाहर पानी भरा हुआ हैं तो पूरे परिसर में गंदगी फैली हुई है। अब ऐसे बीमार हॉस्पिटल में मरीजों का कैसे इलाज होगा और कैसे वो स्वस्थ होंगे।

उदयपुर जिले के सबसे बडे भीण्डर नगर के गुलाबसिंह शक्तावत राजकीय सामान्य चिकित्सालय का भवन जीर्णशीर्ण होने से बडे हादसे का खतरा बना हुआ है। लेकिन ना तो चिकित्सालय प्रशासन ध्यान दे रहा हैं और ना ही जिम्मेदार जनप्रतिनिधि। चिकित्सालय परिसर के जननी वार्ड के बाहर पूरे परिसर में प्लास्टर के साथ-साथ पानी गिर रहा है। जिससे पूरे परिसर में पानी भरा हुआ होने के साथ भर्ती मरीज असुरक्षित महसुस कर रहे है। जननी वार्ड में भर्ती प्रसुताएं व नवजात बच्चों पर खतरा मंडरा रहा है।

भीण्डर हॉस्पिटल में छत से टपकता हुआ पानी और क्षतिग्रस्त छत।

भीण्डर हॉस्पिटल के विभिन्न स्थानों पर टूट-फुट हो रही हैं, कई जगहों पर प्लास्टर उखड करके नीचे गिर रहा है। वहीं कई जगहों पर पानी लिकेज होकर पूरे भवन को खराब कर रहा है। वार्डों में भी स्थिति अच्छी नहीं है। वर्षों पूराने हो चूके भवन की मरम्मत के लिए सरकार से जारी होने वाला बजट का उपयोग भी नहीं हो रहा है। हॉस्पिटल के आपातकालीन प्रवेश द्वार का छज्जा पूरी तरह से जीर्णशीर्ण हो रही हैं और उससे प्लास्तर गिर रहा है। हॉस्पिटल परिसर में जगह-जगह गंदगी के ढे र लगे हुए हैं तो महिलाओं के लिए शौचालय बंद पडे हुए है। परिसर में नियमित सफाई नहीं होने से पूरे परिसर में गंदगी व्याप्त है। वहीं गत रात्रि को 8 बजे तक बिजली भी नहीं थी, तो आखिर सवाल ये उठता हैं कि इन अनियमितताओं पर बडे-बडे वेतन पाने वाले अधिकारियों पर कब कार्यवाही होगी और आमजन को राहत देने के लिए कब जरूरी कदम उठायें जायेंगे।

डॉ. संकेत जैन, बीसीएमओ भीण्डर ने बताया किभीण्डर हॉस्पिटल में वर्तमान में निर्मित हुए नये वार्ड की वजह से पानी टपक रहा है। इसको रोकने के लिए व्यवस्था की जायेगी। वहीं जहां-जहां प्लास्टर गिर रहा हैं उसकी मरम्मत भी करवाई जायेगी।

राजे ने सांवलिया सेठ के दर्शन किये, मीटिंग ली

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दर्शन किए व पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

मंडफिया, (निसं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दर्शन किए। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे समीपवर्ती अनगढ बावजी तीर्थ स्थल पर आयोजित चातुर्मास कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थी। वहां आयोजित कार्यक्रम के बाद पूर्व मुख्यमंत्री राजे सायं 4 बजे, पूर्व कैबिनेट मंत्री चंद कृपलानी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मंडफिया पहुंची। यहां भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के दर्शन किए।

दर्शन पश्चात पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मंदिर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया लाल वैष्णव के घर जाकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। पूर्व अध्यक्ष वैष्णव कुछ दिनों पूर्व बीमार हो गए थे, जोकि अब घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। यहां पूर्व सीएम राजे का पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल वैष्णव, मंडफिया पूर्व सरपंच हजारी दास वैष्णव, जीएसएस अध्यक्ष राजकुमार वैष्णव, रमेश चंद्र वैष्णव एवं विश्वास वैष्णव आदि ने उपरना, प्रसाद एवं तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। पूर्व सीएम राजे वैष्णव के घर लगभग 2 घंटे से भी ज्यादा समय तक रुकी और भोजन भी ठाहण किया।

इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री राजे के साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री चंद कृपलानी, कपासन विधायक अर्जुन लाल जीनगर, जिला प्रमुख सुरेश धाकड, भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम दक, चित्तौड़गढ के पूर्व सभापति सुशील शर्मा सहित सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के तहत भदेसर उपखंड अधिकारी मोनिका सामोर, भदेसर विकास अधिकारी सुनील कुमार जोशी, तहसीलदार गुंणवत लाल माली, मंडफिया थाना अधिकारी ओम सिंह चुंडावत सहित भारी पुलिस बल तैनात था।

राजेंद्र राठौड़ ने कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लिया

जोधपुर, (कासं)। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने जोधपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत की। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ जोधपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा की गुटबाजी की चर्चाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर कई हमले भी किए। राठौड़ एक कार्यक्रम में शामिल होने जोधपुर आए थे। बीते दिनों जोधपुर के बालेसर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सभा में पूर्व विधायक बाबू सिंह के हाथ से माइक छीन लेने की घटना पर उन्होंने कहा कि बाबू सिंह भी हमारे हैं और गजेंद्र सिंह भी हमारे हैं। आप सिंहों में अंतर नहीं कर पाओगे।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस बात को गुटबाजी के रूप में नहीं लेना चाहिए। क्योंकि जब मुख्य अतिथि का भाषण के लिए नाम पुकारा जाता है तो उन्हीं का उद्बोधन होता है।इससे पहले उन्होंने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला। कहा कि जोधपुर का विकास मुख्यमंत्री कुछ नहीं करवा पाए। आज भी जब बारिश होती है तो यहां सबसे ज्यादा पानी का भराव होता है, ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से बिगड़ा हुआ है। उन्होंने हवाला दिया कि स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल कहते हैं कि जयपुर का विकास मंत्री और विधायकों की आपसी लड़ाई के कारण नहीं हुआ, लेकिन जोधपुर में तो किसी की लड़ाई नहीं फिर यहां विकास क्यों रोका गया।

उदयपुर की सभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को मंच पर बोलने के लिए आमंत्रित करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राज्य की दो बार की पूर्व मुख्यमंत्री है और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। राजस्थान में भाजपा उनसे अलग नहीं है। राजे सीएम चेहरा होंगी या नहीं इस सवाल पर उन्होंने कहा कि यह तय करने वाला सेंट्रल पार्लियामेंट्री बोर्ड है।

राठौड़ ने कहा कि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में हुए शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच अगर भाजपा सरकार आती है तो निश्चित तौर पर करवाएगी। कांग्रेस ने दशोरा कमेटी की सिफारिशों को ही नजरअंदाज कर नई कमेटी बना दी। जो कि शिक्षक भर्ती घोटाले बाजों को पनाह देने जैसा है।

राठौड़ ने कहा कि महंगाई राहत कैंपों के नाम पर कांग्रेस सिर्फ आंशिक राहत दे रही है। बिजली के बिलों एक तरफ राहत देकर दूसरी तरफ फ्यूल सरचार्ज के नाम पर बड़ी वसूली की जा रही है। राठौड़ ने आरोप लगाया कि महिलाओं को स्मार्टफोन देने के नाम पर खैरात बांटी जा रही है। पहले एक करोड़ 33 लाख महिलाओं को स्मार्टफोन देने के लिए ढाई हजार करोड़ का बजट रखा। यह बिल्कुल चुनावी खैरात की तरह ही है।

डीडवाना नगर पालिका ने 1996 में अपने ही खारिज पट्टों को दोबारा जारी किया

1996 में 10 पट्टों को किया था खारिज, उनमें से दो व्यक्तियों को दोबारा जारी कर दिए पट्टे

डीडवाना, (नि.सं.)। अक्सर भ्रष्टाचार, अनियमितता और लापरवाही को लेकर चर्चा में रहने वाली डीडवाना नगर पालिका का एक और बड़ा कारनामा सामने आया है। नगर पालिका ने उन जमीनों के पट्टे जारी कर दी है जिसे खुद नगरपालिका ने 27 साल पहले निरस्त कर दिया था। यही नहीं जिन भूमियों के पट्टे जारी किए गए हैं, उस पर नगरपालिका ने ही अपनी शिवाजी नगर आवासीय योजना बनाई थी, उसके बावजूद नगर पालिका ने नियमों को दरकिनार कर इन जमीनों पर पट्टे जारी कर दिए।

आपको बता दें कि यह मामला साल 1983 का है, जब खसरा नंबर 1255 की भूमि उपखंड अधिकारी के आदेश से आबादी में परिवर्तित करके डीडवाना नगर पालिका को स्थानांतरित की गई थी। इस जमीन में शिवाजी नगर आवासीय योजना बनाई गई। इसी खसरे के भूभाग पर जमाल नामक एक व्यक्ति ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया और उसके पुत्रों ने भी 3 बीघा से अधिक भूमि पर कब्जा कर लिया। इसके बाद इस भूमि का नियमन करने के लिए 10 पत्रावलियां तैयार कर नगर पालिका में पेश कर दी। हालांकि मौके पर कब्जा नहीं होने से तथा यह भूमि नगर पालिका को रिहायशी कॉलोनी के उद्देश्य से दिए जाने के कारण इन पत्रावलियों को खारिज कर दिया गया। लेकिन प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान वर्ष 1985 में तत्कालीन अधिकारी ने बिना किसी छानबीन किए ही नियमों के विपरीत जाकर इन पत्रावलियों के नियमन के आदेश जारी कर दिए।

- अपनी रिपोर्ट में नगरपालिका ने खुद माना था संबंधित व्यक्तियों को अतिक्रमी
- जिस जमीन पर जारी किए गए पट्टे वह नगर पालिका की शिवाजी नगर आवास योजना की भूमि है

इसके बाद यह मामला जिला कलेक्टर नागौर को प्रेषित किया गया, जिस पर जिला कलेक्टर ने एक निर्णय पारित करते हुए डीडवाना नगर पालिका को निर्देश दिए कि भूमि के नियमन संबंधी कार्यवाही नियमों में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए एवं पुराने कब्जे का अभिलेख तथा अन्य साक्ष्य से सत्यापन करने के पश्चात इस मामले में गुण अवगुण के आधार पर विचार कर और अपने अधिकार क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए पुन: आदेश पारित किया जाए।

जिला कलेक्टर के आदेशों की पालना में अधिशासी अधिकारी ने 8 नवंबर 1994 को संबंधित व्यक्तियों को सुनवाई हेतु नोटिस जारी कर अपने सबूत और साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा, मगर संबंधित व्यक्तियों द्वारा तय समय सीमा में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद नगर पालिका द्वारा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन और जमीन का भौतिक निरीक्षण किया गया। नगर पालिका ने अपनी जांच में यह पाया कि 1983 में जब यह भूमि नगरपालिका को हस्तांतरित की गई थी, उस वक्त यह खाली थी और यहां किसी प्रकार का कोई रिहायशी मकान नहीं बना हुआ था और जिस 3 बीघा से अधिक भूमि का नियमन करने के लिए पत्रावलियां प्रस्तुत की गई है, वहां भी किसी प्रकार का कोई रिहायशी मकान नहीं बना है। पूर्व में इस भूमि पर जमाल के पुत्रों को 10 प्लॉट के नियमन के आदेश 25 जनवरी 1985 को किए गए थे और तहसीलदार डीडवाना ने भी 7 जनवरी 1985 को अपने निर्णय में संवत 2020 से कब्जा होना बताया, जो नगरपालिका ने संदेहास्पद माना।

टोंक में 24 घन्टे में 14.82 एम.एम बारिश

टोंक, (निसं)। जिले में शनिवार रात को कई जगहों पर तेज बारिश हुई, तो कई जगहों पर हल्की बारिश हुई। जिले में बीते 24 घंटे में 14.82 एम.एम बारिश दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा 47 एम.एम बारिश टोंक शहर और दूनी तहसील क्षेत्र में हुई। टोंक शहर में अच्छी बारिश से सड़कों पर पानी बहने लगा। लगातार बारिश के कारण मौसम में नमी बनी हुई है।

जिले में इस साल गर्मी के मौसम में भी सप्ताह भर कर अंतराल में ही कई तेज तो कई हल्की बारिश होती रही हैं। इसके चलते लोगों को ज्यादा दिनों तक गर्मी का अहसास नहीं हुआ। 15 जून से 1-2 दिन के अंतराल बारिश हो रही है। पहले बिपरजॉय और अब मानसून की बारिश से इन दिनों 1-2 दिन में ही बारिश हो रही है। पिछले दो दिन से जिले में 41.14 एम.एम बारिश हुई है। जिले में इस सीजन में अब तक 247.73 एम.एम बारिश हो गई है, जो औसत बारिश 38.64 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। जिले में 4 बांध ओवरफ्लो हो चुके हैं। जल संसाधन विभाग के नियंत्रण कक्ष प्रभारी नरेश गुर्जर ने बताया कि प्री मानसून की बारिश से बांधों में पानी की आवक बनी हुई है। विभाग के अधीन 30 बांधों में 43.15 प्रतिशत पानी आ चुका है।

बीसलपुर बांध में पानी की आवक शनिवार के मुकाबले कम हो गई है। बीसलपुर बांध परियोजना के एक्सईएन मनीष बंसल ने बताया कि बीते 24 घंटे में 1 सेंटीमीटर पानी बीसलपुर बांध में आया है। रविवार सुबह 6 बजे तक बांध का गेज 313.26 आर एल मीटर हो गया है।

समारोह में अनिता भदेल व द्रोपदी कोली आमने-सामने

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम के वार्ड 44 में रविवार को अजमेर दक्षिण से भाजपा विधायक अनिता भदेल ने मिसिंग लिंक सड़क योजना के तहत 28 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया, लेकिन यह शिलान्यास विवादो में आ गया है। अजमेर नगर निगम में कांग्रेस की पार्षद व नेता प्रतिपक्ष द्रोपदी कोली ने शिलान्यास समारोह में पहुंचकर जमकर हंगामा मचाया।

द्रोपदी कोली का आरोप है कि इस सड़क निर्माण कार्य प्रदेश सरकार की ओर से करवाया जा रहा है। विधायक अनिता भदेल वाह-वाही लूटने के लिये शिलान्यास कर रही है, जबकि वह कांग्रेस के वार्डो में विधायक कोष से कोई काम नही करवाती है, ओर शिलान्यास पट्टी लगाने में सबसे पहले पहुंच जाती है। शिलान्यास समारोह में विधायक अनिता भदेल ओर द्रोपदी कोली के कार्यकर्ता भी आपस में उलझते हुये नजर आये। द्रोपदी कोली शिलान्यास पट्टी को हटाने की मांग करने लगी। द्रोपदी कोली ने कहा कि इस सीसी सड़क निर्माण में विधायक भदेल की कोई भूमिका नही है। साथ ही प्रदेश सरकार ने इस तरह के शिलान्यास बोर्ड लगाने के लिये भी मना किये हुये है। बावजूद इसके भाजपा नेता बोर्ड लगा रहे है।

द्रोपदी कोली ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मिसिंग लिंक सड़क योजना के तहत 10 करोड रूपये स्वीकृत किये थे, उसी के तहत यह सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिये विधायक द्वारा कोई अनुशंसा नही की गई है। फिर भी अनिता भदेल ने इस सड़क का शिलान्यास किया है, जिसका उन्होंने विरोध किया है। वही अनिता भदेल ने बताया कि मैं तो कांग्रेस के वार्ड में ही सड़क निर्माण करवा रही थी, लेकिन प्रतिपक्ष नेता द्रोपदी कोली तो उसी का ही विरोध कर रही थी। यह समझ से परे है तथा उन्होने कहा कि यदि मुख्यमंत्री स्वयं आकर उद्घाटन करते तो मुख्यमंत्री का नाम आना स्वाभाविं है। जब मुख्यमंत्री आये ही नही तो शिलापट्टीका पर उनका नाम किस हशियत से लिखा जाये, क्योंकि हम भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हूं तो जब उद्घाटन हमारें द्वारा किया गया है तो शिला पट्टीका लगाने पर इनकों एतराज क्यों है।

दो दिन बाद खुले बाजार

जोधपुर, (कासं) । केरू गांव के पुनिया की प्याऊ में दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद को देखते हुए अस्थाई पुलिस चौकी लगाई गई है। यहां पर पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। दो दिन चले तनाव के बीच आज से यहां के बाजार खुल चुके हैं और फिलहाल यहां शांति है। थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि आज यहां पर शांति है बाजार खुल चुके हैं। दोनों पक्षों के बीच तनाव को देखते हुए अस्थाई चौकी शुरू की गई है जहां पर पुलिस के जवान 24 घंटे तैनात रहेंगे।बता दें कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर दोनों पक्ष शुक्रवार को आमने-सामने हो गए थे। इसी बीच पथराव शुरू होने के चलते दोनों पक्षों के बीच से 25 लोगों को चोट पहुंची थी। वहीं कुछ पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। बाद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को काबू किया।

कांस्टेबल ने पत्नी को गोली मारी

उदयपुर, (कासं)।पारिवारिक कलह के चलते कांस्टेबल ने पत्नी के सीने में गोली मार कर फरार हो गया। हादसे में घायल पत्नी को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक ने आरोपी कांस्टेबल को सस्पेंड किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सवेरे टीडी थाने में तैनात कांस्टेबल कारछा थाना खेरवाड़ा निवासी मुकेश पुत्र नीराकुमार सालवी ने अपने ससुराल नया गांव खेरवाड़ा पहुंच कर अपनी पत्नी खुशबू के सीने में गोली मार कर फरार हो गया। हमले में घायल खुशबू को परिजन उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय लेजाकर भर्ती करवाया। इधर सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक ऋषभदेव हेरम्भ जोशी, खेरवाड़ा थानाधिकारी सबीर खान माय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण कर आरोपी की तलाश शुरू की। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि मुकेश व उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर मन मुटाव चल रहा था। जिसके चलते खुशबू कुछ समय से अपने पीहर चली गई थी। रविवार सवेरे उठ कर बरसाली निकालने के बहाने चाबी से मालखाने का ताला खोल कर हथियार व कारतुस लेकर बच्चो को उदयपुर मिलने जाने के लिए थाने से सहकर्मी की कार लेकर अपने ससुराल नया गांव पहुंच कर वारदात कर फरार हो गया। आरोपी का पिता नीरा कुमार आएजी हेड कांस्टेबल होकर खेरवाड़ा पीटीएस में इस्टेक्टर है तथा एक भाई गोवर्धन विलास पुलिस थाने में तैनात है। घटना के बाद से पुलिस की टीमें आरोपी की तलाश में जुटी है।

नरेगा मस्टरोल में अंकित नाम काटने के मामले की जांच शुरु

मसूदा (निसं.)। मसूदा पंचायत समिति क्षेत्र अधीन नयागांव ग्राम पंचायत की महिला सरपंच के ससुर द्वारा नरेगा कार्य स्थल पर कार्यस्थल पर कार्य कर रहे श्रमिकों के नाम काटने वह सरपंच के नाम पर दबंगई करने आदि मामले को लेकर विकास अधिकारी फिरोज खान के आदेश पर जांच कमेटी गठित की गई है।

ज्ञातव्य है कि इस मामले को लेकर पीड़ित श्रमिकों ने पिछले दिनों मसूदा उपखंड अधिकारी भरत राज गुर्जर को ज्ञापन सौंपा था। पीडित श्रमिकों शारदा पत्नी श्री उस्मान जॉब कार्ड नंबर 1156, रेखा पत्नी श्री कमरूदीन जॉब कार्ड नंबर 1658, रमजान पुत्र श्री सुवा जॉब कार्ड नंबर 1154 सभी जाति मेहरात द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में सरंपच के ससूर मनफुल द्वारा नरेगा कार्य स्थल पर आकर मेघराज नामक मेट से मस्टररोल छीन कर श्रमिकों की हाजिरी काटने के साथ ही श्रमिकों को ग्राम पंचायत में किसी भी कार्यस्थल पर काम पर नियोजित करने सहित विभिन्न एलानिया धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले को लेकर

- पंचायत समिति के विकास अधिकारी फिरोज खान द्वारा गठित कमेटी में सहायक अभियंता प्रमोद कुमार, सहायक विकास अधिकारी रामकरण मीणा व बीएल सिंगारिया हैं

पीड़ित श्रमिकों ने बताया कि एक ओर सरकार नरेगा में रोजगार दे रही है वही जनप्रतिनिधियों के परिजन अनावश्यक रूप से हस्तक्षेप कर नरेगा कार्य पर अनाधिकृत रूप से आकर श्रमिकों के नाम काटकर सरकारी योजना में अनावश्यक हस्तक्षेप कर रहे हैं।

पीड़ित श्रमिकों का कहना था कि इस संबंध में ग्राम पंचायत की सरपंच शबनम बानो को भी इस संबंध में जानकारी दी गई थी, परन्तु सरपंच ने भी यह कहकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली कि ग्राम पँचायत के सभी कार्य ससुर द्वारा किए जाते है। श्रमिकों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन को लेकर उपखंड अधिकारी भरत राज गुर्जर ने जांच करवाने का आश्वासन दिया था। उपखण्ड़ अधिकारी द्वारा जाँच के दिए निर्देश के साथ ही मामला पँचायत समिति के विकास अधिकारी फिरोज खान के संज्ञान में आने पर इस मामले में तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। जांच कमेटी में सहायक अभियंता प्रमोद कुमार ,सहायक विकास अधिकारी रामकरण मीणा व बीजाराम सिंगारिया को शामिल किया गया है। जांच कमेटी द्वारा पूरे मामले की जांच कर जांच रिपोर्ट पंचायत समिति के विकास अधिकारी को सौंपने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिरोज खान(आर आर डी एस) विकास अधिकारी पंचायत समिति मसूदा का कहना है कि संबंधित मामले की जांच करने के लिए 3 सदस्यीय जाँच कमेटी का गठन किया गया है। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों की अनदेखी से औपचारिक बना राजगढ़ कस्बे का बस स्टैंड

बसों के अभाव में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है

राजगढ़, (निसं)। पथ परिवहन निगम के अधिकारियों की अनदेखी की वजह से राजगढ़ कस्बे का बस स्टैंड औपचारिक मात्र बन गया है। बसों के अभाव में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विदित रहे कि राजगढ़ वेलफेयर सोसाइटी के अथक प्रयास एवं क्षेत्रीय विधायक जौहरी लाल मीणा के सहयोग से वर्षों के बाद बस स्टैंड का संचालन शुरू हुआ। मगर अधिकारियों की देखरेख के अभाव एवं बस स्टैंड पर कर्मचारियों कमी की वजह से बसों का समुचित संचालन बाधित हो रहा है। गौरतलब है कि आमजन की पीड़ा के मध्य राजगढ़ वेलफेयर सोसाइटी के प्रयास के बाद क्षेत्रीय विधायक ने बस स्टैंड का संचालन शुरू करवाया।

मूलभूत सुविधाओं से सज्जित बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए तमाम सुविधाएं हैं, मगर बसों के अभाव में यात्री भटकाव के दौर से गुजर रहा है। कस्बे के बस स्टैंड पर प्रात: 10 बजे के बाद अलवर मार्ग पर 2 बजे तक बसों की सुविधा नहीं है, सायंकाल 4 बजे बाद बस स्टैंड पर आवागमन इन्हीं दिनों बाधित हो गया है। राजगढ़ कस्बे के बस स्टैंड से मंडावर मार्ग पर एक बस प्रात: जाती है वहीं रेनी को एकमात्र बस सायंकाल 7 बजे के बाद जाती है।

राजगढ़ कस्बे का बस स्टैंड औपचारिक बनने से यात्री बसों की सुविधाओं से महरूम हो रहें हैं।

दिनभर दोनों मार्गों की यात्रियों को जीपों में बैठकर मजबूरन यात्रा करना पड़ रहा है। ज्ञात रहे कि बस स्टैंड के शुभारंभ पर दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई थी, जिससे बारी बारी सायंकाल तक बसों का आवागमन संचालित था। इन दिनों बीमारी से ग्रस्त चालक को बस स्टैंड पर लगाने से चालक एवं परिचालक बेपरवाह हो गए है। यातायात प्रबंधक एवं यातायात निरीक्षक की ओर से यदा-कदा निरीक्षण नहीं होने के कारण बसों का आवागमन प्रभावित है। राजगढ वेलफेयर सोसाइटी ने पथ परिवहन निगम के अधिकारियों से राजगढ बस स्टैंड का संचालन शुरू करने एवं बुकिंग क्लर्क की नियुक्ति की मांग की है।

क्या शर्म की बात है। वेस्टइंडीज विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहा। यह दर्शाता है कि सिर्फ प्रतिभा ही काफी नहीं है, एकाग्रता और अच्छे टीम प्रबंधन की भी जरूरत है जो राजनीति से मुक्त हो। एकमात्र सांत्वना यह है कि यहां से और नीचे गिरने की गुंजाइश नहीं है। – वीरेन्द्र सहवाग

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, विंडीज क्रिकेट टीम को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नाथन लियोन

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर नाथन लियोन को यहां इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान उनके कप्तान पैट कमिंस ने पिंडली की चोट के कारण बल्लेबाजी नहीं करने को कहा था लेकिन यह अनुभवी ऑफ स्पिनर टीम के अपने साथियों का समर्थन करने के लिए बल्लेबाजी करने उतरा। 100वां टेस्ट खेल रहे लियोन को लार्ड्स में दूसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन के खेल के दौरान कैच लेने के प्रयास में दाएं पैर की पिंडली में चोट लगी थी। वह मैच के चौथे दिन बल्लेबाजी करने उतरे और मिशेल स्टार्क के साथ अंतिम विकेट के लिए 15 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त को 370 रन तक पहुंचाया।

क्या आप जानते हैं ?... वर्तमान में 80 से अधिक देश पोलो खेलते हैं। पोलो 1900 से 1936 तक ओलंपिक खेल था और इसे अब एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने मान्यता प्रदान की है।

एशेज : दूसरा टेस्ट जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बनायी 2-0 की बढ़त

लंदन, 2 जुलाई। बेन स्टोक्स (155) के जुझारू शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को दूसरे एशेज़ टेस्ट में इंग्लैंड को 43 रन से हराकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के सामने 371 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था। मैच के पांचवें दिन इंग्लैंड के छह विकेट गिरने के बाद स्टोक्स ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 155 रन बनाये, हालांकि यह उनकी टीम को जीत दिलाने के लिये नाकाफी साबित हुआ। स्टोक्स ने अपनी 214 गेंद की पारी में नौ चौके और नौ छक्के जड़े।

इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत 114/4 से करते हुए भले ही धैर्य के साथ बल्लेबाजी की, लेकिन पहले ड्रिंक्स ब्रेक के बाद बेन डकेट छोटी गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी को कैच दे बैठे। डकेट ने 112 गेंद पर 83 रन बनाये और वह मैच में दूसरी बार शतक से चूके।

लंच से कुछ देर पहले कैरी ने जॉनी बेयरस्टो की लापरवाही का फायदा उठाकर उन्हें रनआउट कर दिया, जिसके बाद स्टोक्स का आक्रामक रूप देखने को मिला। पहला सत्र समाप्त होने से पहले स्टोक्स ने तीन छक्के जड़ते हुए अपना शतक पूरा किया। दूसरे सत्र में भी उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी की और स्ट्राइक ज़्यादा से ज़्यादा अपने पास रखते हुए स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ सातवें विकेट के लिये 108 रन की साझेदारी की।

इंग्लैंड हालांकि इस साझेदारी के बावदूज जीत से 70 रन दूर थी। ड्रिंक्स ब्रेक एक बार फिर इंग्लैंड पर भारी पड़ा और स्टोक्स के बल्ले का किनारा लेकर गेंद हवाई यात्रा करते हुए विकेटकीपर

कैरी के दस्तानों में समा गयी। अगली 14 गेंदों के अंदर ओली रॉबिन्सन (एक) और स्टुअर्ट ब्रॉड (11) भी पवेलियन लौटे। जॉश टंग (19) और जेम्स एंडरसन (तीन नाबाद) ने आखिरी विकेट के लिये 25 रन जोड़े, हालांकि यह ऑस्ट्रेलिया की जीत को कुछ देर के लिये ही टाल सका। मिचेल स्टार्क (79/3) ने टंग को बोल्ड कर इंग्लैंड की पारी समाप्त की। पैट कमिंस और जॉश हेज़लवुड ने भी तीन-तीन विकेट लिये, जबकि कैमरन ग्रीन को एक सफलता प्राप्त हुई। ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की शृंखला में 2-0 से आगे हो गयी है। इंग्लैंड अगर एशेज़ का खिताब हासिल करना चाहती है तो उसे अगले तीनों टेस्ट जीतने होंगी।

राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे ऋतेश

लंदन, 2 जुलाई। इंग्लैंड में आयोजित राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत के ऋतेश डोगरा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। द्रोणाचार्य भूपेन्द्र धवन के नेतृत्व में प्रशिक्षण हासिल करने वाले भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में आठ स्वर्ण सहित 12 पदक हासिल किये। ऋतेश ने 90 किग्रा भार वर्ग की रॉ डेडलिफ्ट में 300 किग्रा भार उठाकर अपना नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कुल 767.5 किग्रा लिफ्ट करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते।

सुरेन्द्र सिंह (100 किग्रा) ने कुल 735किग्रा लिफ्ट करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते। प्रभजीत सिंह बख्शी (110 किग्रा) ने 670 किग्रा भार उठाकर दो स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया। गुलशन सैनी ने 75 किग्रा वर्ग में 512.5 किलो की कुल लिफ्ट की मदद से दो स्वर्ण और एक कांस्य अपने नाम किया। भूपेन्द्र धवन ने इस अभूतपूर्व जीत के लिये विजेताओं को बधाई देते हुए पिछले चार सप्ताह में उनकी कड़ी मेहनत और लगन को श्रेय दिया। टीम प्रबंधक सुजीत खत्री ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को बधाई दी। सर्वश्रेष्ठ लिफ्टर का खिताब जीतने के बाद ऋतेश ने कहा कि भारतीय टीम की सफलता का श्रेय उनके कोच द्रोणाचार्य भूपेन्द्र को जाता है जिनके मार्गदर्शन और तकनीकी ज्ञान ने उन्हें जीवन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय तैराकी चैम्पियनशिप में टूटे कई रिकॉर्ड

हैदराबाद, 2 जुलाई। गुजरात के आर्यन नेहरा ने रविवार को यहां राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। नेहरा ने तीन मिनट 25.55 सेकंड के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड कुशाग्र रावत (तीन मिनट 52.75 सेकंड) के नाम था, जो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 2020 में स्थापित किया था।

पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक कुशाग्र तीन मिनट 55.45 सेकंड का समय लेकर रजत पदक जीता, जबकि अनीष गौड़ा ने तीन मिनट 57.86 सेकंड तैरकर कांस्य हासिल किया। पुरुषों की 800 मीटर और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल के लिये एशियाई खेल 2022 और विश्व चैंपियनशिप 2023 में अपना स्थान पक्का कर चुके आर्यन पूरे फाइनल में रावत के साथ कड़ी टक्कर में थे, लेकिन आखिरी लैप में वह आगे निकल गये। इसी बीच, कर्नाटक की लिनेशा एके ने दो मिनट 37.35 सेकंड के समय में महिलाओं की 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ अपेक्षा फर्नांडिस (दो मिनट 38.05 सेकंड) का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा।

माना पटेल ने अपनी झोली में एक और रिकॉर्ड जोड़ते हुए 100 मीटर बैकस्ट्रोक में एक मिनट 04.33 सेकंड के अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया। माना ने एक मिनट 03.48 सेकंड के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

नीना वेंकटेश ने महिलाओं की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 27.74 सेकंड के समय के साथ सुबह अपना ही बनाया हुआ राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। वह हीट में 28.01 सेकंड तैरीं, जो पिछली रिकॉर्ड धारक दिव्या सतीजा से लगभग 0.32 सेकंड बेहतर था। इससे पूर्व, कर्नाटक ने 4200 मीटर महिला फ्रीस्टाइल फ़ाइनल में आठ मिनट 40.89 सेकंड के समय के साथ महाराष्ट्र (8:53.83) का 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हॉकी इंडिया एचआईएल को 2024 या 2025 में नये रूप में शुरू करने की तैयारी में

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। हॉकी इंडिया सात साल के अंतराल के बाद फ्रेंचाइजी-आधारित लीग को पुनर्जीवित करने की कोशिश में है जिससे बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) अगले साल या 2025 की शुरुआत में एक नये अवतार में शुरू हो सकती है। एचआईएल को 2017 में वित्तीय मुद्दों और टीम मालिकों के असहयोग के कारण निलंबित कर दिया गया था। हॉकी इंडिया इस लीग को पेरिस ओलंपिक के बाद आयोजित करने की योजना बना रहा है जिसमें पहली बार महिलाओं के मुकाबले भी होंगे। पूर्व ओलंपियन दिलीप टिर्की के नेतृत्व में हॉकी इंडिया ने एचआईएल के माध्यम से उभरते हुए खिलाड़ियों को अनुभव प्रदान करके देश में हॉकी परिदृश्य को फिर से जीवित करने की योजना बनाई है।

हॉकी इंडिया ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से अगले साल टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए विंडो (समय) की मांग की है और वह इस खेल के वैश्विक निकाय से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। टिर्की ने 'पीटीआई-भाषा' से विशेष बातचीत में कहा, " हमें अभी तक कोई विंडो नहीं मिली है, लेकिन हमने एफआईएच से एक विंडो मांगी है। हमने ओलंपिक के बाद अगले साल दिसंबर या 2025 जनवरी में एक विंडो मांगी है।" उन्होंने कहा, हमें अब भी एफआईएच से आधिकारिक जवाब का इंतजार है।

उन्होंने कहा, "हम इस बार पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एचआईएल आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। पहले यह सिर्फ पुरुषों के लिए होता था लेकिन हम चाहते हैं कि हमारी महिला खिलाड़ियों को भी अनुभव मिले।" हॉकी इंडिया की योजना इस लीग को पुरुष वर्ग में आठ टीमों और महिला वर्ग में चार टीमों के साथ कराने की है।

हॉकी इंडिया ने इस लीग के वाणिज्यिक और विपणन भागीदार के तौर पर 'बिग बैंग मीडिया वेंचर्स' से करार किया है। टिर्की ने कहा, " एचआईएल से देश के युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर के खेल का अनुभव मिलेगा। यह उनके लिए बड़ा मंच होगा क्योंकि दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने से बहुमूल्य अनुभव मिलेगा।"

पता चला है कि लीग की भविष्य की कार्रवाई तय करने के लिए हॉकी इंडिया पांच जुलाई को अपने वाणिज्यिक भागीदारों सहित खेल के सभी हितधारकों के साथ एक बैठक आयोजित करेगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी पुष्टि की कि एचआईएल को अगले साल एक नये तरीके से पेश किया जाएगा और राष्ट्रीय महासंघ लीग को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

एशिया जूनियर चैम्पियनशिप के लिए कल रवाना होंगे भारतीय शटलर

पंचकुला, 02 जुलाई। पंचकुला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर से गुजरने के बाद 18 सदस्यीय भारतीय टीम बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के लिये मंगलवार को रवाना होगी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने रविवार को यह जानकारी दी।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप का आयोजन सात से 16 जुलाई के बीच इंडोनेशिया के योग्यकार्ता में किया जायेगा। टीम की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित 14 दिनों के प्रशिक्षण शिविर को बीएआई, भारतीय खेल प्राधिकरण और विद्युत मंत्रालय के तहत एक महारत्न कंपनी, आरईसी लिमिटेड का समर्थन प्राप्त था।

बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, इस दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर ने टूर्नामेंट से पहले अच्छी तैयारी करने में मदद की है। मुझे विश्वास है कि इस शिविर ने टीम को एक-दूसरे से जुड़ने और एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने में भी मदद की है। हमारे पास एक मजबूत टीम है जिसमें सर्वश्रेष्ठ को चुनौती देने की क्षमता है। मैं उनमें से प्रत्येक को और साथ ही कोचिंग स्टाफ को चैंपियनशिप के लिये शुभकामनाएं देता हूं।

आरईसी लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक विवेक कुमार देवांगन ने साझेदारी पर कहा, "हमारा लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को सब-जूनियर स्तर से तैयार और पोषित करना है। हमें प्रतिभा की पहचान करनी है और उन्हें विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करना है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ये जूनियर आगे चलकर सीनियर स्तर पर भी देश के लिये पदक ला सकें। ग्रुप चरण में भारत को मलेशिया, बंगलादेश और हांगकांग के साथ ग्रुप-सी में रखा गया है। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण के लिये क्वालीफाई करेंगी। भारत इस टूर्नामेंट में इससे पहले दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीत चुका है। पीवी सिंधु 2012 चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी थीं, जबकि लक्ष्य सेन ने 2018 में स्वर्ण जीता था।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के लिये भारतीय टीम :- एकल बालक : लक्ष्य शर्मा, समरवीर, आयुष शेट्टी और ध्रुव नेगी। **एकल बालिका :** रक्षिता श्री एस, श्रेयांशी वलीशेट्टी, तारा शाह और अनमोल खरब। **बालक युगल :** निकोलस नाथन राज/तुषार सुवीर और दिव्यम अरोड़ा/मयंक राणा। **बालिका युगल :** राधिका शर्मा/तन्वी शर्मा और कर्णिका श्री एस./तनिषा सिंह। **मिश्रित युगल :** समरवीर/ राधिका शर्मा और अरुलमुरुगन आर./श्रीनिधि एन।

जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हराकर विश्वकप में पहुंची श्रीलंका

बुलावायो, 2 जुलाई। महीष तीक्षणा (25/4) और दिलशन मदुशंका (15/3) की उत्कृष्ट गेंदबाजी के बाद पथुम निसंका (101 नाबाद) के शानदार सैकड़े की बदौलत श्रीलंका ने रविवार को विश्व कप क्वालीफायर के सुपर-6 चरण में ज़िम्बाब्वे को नौ विकेट से हराकर मुख्य टूर्नामेंट में जगह बना ली। मेज़बान ज़िम्बाब्वे टॉस हारकर बल्लेबाज़ी करते हुए 165 रन पर ऑलआउट हो गयी। श्रीलंका ने यह लक्ष्य 33.1 ओवर में हासिल कर भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर लिया।

ज़िम्बाब्वे अब तक हरारे में खेले गये मैचों में विपक्षी टीमों पर हावी रही थी, लेकिन बुलावायो के क्वीन्स स्पोर्ट्स क्लब में वह अपना प्रदर्शन बरकरार नहीं रख सकी। शुरुआती तीन विकेट मात्र 30 रन पर गिरने के बाद शॉन विलियम्स और सिकंदर रज़ा ने चौथे विकेट के लिये 68 रन की साझेदारी बुनी। यह साझेदारी टूटने के बाद मेज़बान टीम कभी भी लय हासिल नहीं कर सकी।

विलियम्स ने 57 गेंद पर छह चौकों और एक छक्के के साथ 56 रन बनाये, जबकि रज़ा ने 51 गेंद पर तीन चौके और एक छक्का लगाकर 31 रन का योगदान दिया। तीक्षणा ने 8.2 ओवर में 25 रन देकर चार विकेट लिये, जबकि मदुशंका ने पांच ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट चटकाये। मतीशा पथिराना ने दो और दसुन शनाका ने एक विकेट लेकर ज़िम्बाब्वे को 32.2 ओवर में 165 रन पर समेट दिया।

ज़िम्बाब्वे के गेंदबाजों ने श्रीलंका के लिये चुनौतियां खड़ी करनी चाहीं, लेकिन निसंका ने आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने सबसे पहले डिमुथ करुणारत्ने (56 गेंद, 30 रन) के साथ पहले विकेट के लिये 103 रन की साझेदारी की। करुणारत्ने का विकेट गिरने के बाद निसंका और कुसल मेंडिस ने दूसरे विकेट के लिये 66 रन जोड़े।

पेनल्टी का बचाव करने के लिए अनुभव और किस्तान का साथ जरूरी : संधू

बेंगलुरु, 2 जुलाई। लेबनान के खिलाफ सैफ चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में शानदार बचाव कर टीम को फाइनल में पहुंचाने वाले गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने कहा कि वह सामने वाले खिलाड़ी की मानसिकता को भाप कर एक तरफ डाइव लगाते है और इसके नतीजे को किस्मत पर छोड़ देते है।

भारतीय टीम मंगलवार को टूर्नामेंट के फाइनल में कुवैत का सामना करेगी। कप्तान सुनील छेत्री ने पेनल्टी शूटआउट में भारत के लिए पहला गोल किया। इसके बाद संधू ने बायीं ओर डाइव लगाकर हसन मातोक के किक पर शानदार बचाव किया। अनवर अली, नाओरेम महेश सिंह और उदांता सिंह कुमाम ने इसके बाद भारत के लिए गोल दागे। वालिद शऊर और मोहम्मद सादेक ने गोल कर लेबनान को मुकाबले में बनाये रखा था लेकिन खलील बदेर की किक क्रॉसबार के ऊपर से निकल गयी जिससे भारत ने शानदार जीत दर्ज की। संधू ने कहा, मैं एक गोलकीपर के रूप में यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि पेनल्टी लेने वाले का काम मुश्किल हो जाए। मैं आखिरी क्षण तक उस पर मानसिक बढ़त लेने की कोशिश करता हूं और इसके बाद एक साइड का चयन कर गेंद पर हाथ लगाने की कोशिश करता हूं।"

उन्होंने कहा, आप हर पेनल्टी का बचाव नहीं कर सकते। लेकिन आप ये जानने की कोशिश करते है कि किक लगाने वाला खिलाड़ी के दिमाग में क्या चल रहा है। कोई आपको भ्रमित करने की कोशिश करेगा, कोई पहले से तय योजना के साथ आएगा। इसमें अनुभव और कद काठी का भी योगदान होता है। अगर मेरा कद पांच फुट चार इंच का होता, तो निश्चित रूप से मैं ज्यादा पेनल्टी का बचाव नहीं कर पाता।"

दीपा भुवनेश्वर में एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में वापसी करेगी

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। भारतीय जिम्नास्ट दीपा कर्माकर डोप जांच में असफल होने पर 21 महीने के प्रतिबंध को पूरा कर के 11 और 12 जुलाई को भुवनेश्वर में एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेंगी। त्रिपुरा की 29 वर्षीय खिलाड़ी को मई में भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ ने संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया था। दीपा की प्रतिबंध अवधि 10 जुलाई को खत्म हो जाएगी। दीपा ने बताया, "यह पुष्टि हो गई है कि मैं ट्रायल में भाग लूंगी। मैं पिछले कुछ महीनों से अगरतला में प्रशिक्षण ले रही हूं। मुझे खुद से इसलिए प्रदर्शन की उम्मीद है।"

दीपा किसी वैश्विक आयोजन में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय जिमनास्ट है। उन्होंने 2018 में तुर्की में 'आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक वर्ल्ड चैलेंज कप' की वॉल्ट स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उन्होंने उसी वर्ष कॉटबस में कांस्य भी जीता था। वह 2014 ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता और 2015 हिरोशिमा में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य विजेता भी हैं।

इसके बाद लगातार चोट से जूझने के कारण उनका करियर प्रभावित हुआ। चोट के कारण ही वह तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी। कर्माकर पर अंतरराष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (आईटीए) द्वारा कराये गए डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बाद 21 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया है। कर्माकर के डोप नमूने 11 अक्टूबर 2021 को आईटीए द्वारा प्रतिस्पर्धा से इतर लिये गए थे। आईटीए अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ (एफआईजी) के डोपिंग निरोधक कार्यक्रम का जिम्मा संभालने वाली स्वतंत्र एजेंसी है ।

वह हिजेनामाइन के सेवन की दोषी पाई गई थी जो विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की प्रतिबंधित सूची में है दीपा के कोच विश्वेश्वर नंदी ने कहा, "वह पिछले दो-तीन महीने से अभ्यास कर रही है। फिलहाल उसका ध्यान ट्रायल्स पर है।" रियो ओलंपिक (2016) में चौथे स्थान पर रहने वाली दीपा के अलावा इस जिम्नास्टिक के महिला वर्ग में प्रणति नायक, प्रणति दास, प्रतिष्ठा सामंत जैसे शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगी।

विश्व कप की मेजबानी से चूकने वाले राज्य संघों को द्विपक्षीय घरेलू सत्र में मौका मिलेगा

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। भारत में इस साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के मुकाबलों की मेजबानी से चूकने वाले स्थलों को आगामी घरेलू सत्र के दौरान उनकी बारी के बिना भी 50 ओवर के मैचों की मेजबानी मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने यह सुझाव रखा है कि विश्व कप मुकाबलों की मेजबानी करने वाले स्थल घरेलू सत्र के दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी की अपनी बारी छोड़ देंगे जिससे कि उन राज्य संघों को भरपाई की जा सके जो इस प्रतिष्ठित आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी से चूक गए हैं।

राज्य संघों को लिखे पत्र में शाह ने सूचित किया है कि उनके प्रस्ताव को विश्व कप की मेजबानी करने वाले स्थलों के अधिकारियों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया है जिसमें दिल्ली, धर्मशाला, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद, बेंगलुरू और लखनऊ शामिल हैं। हालांकि विश्व कप के दौरान सिर्फ अभ्यास मैचों की मेजबानी करने वाले गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम को आगामी सत्र में मेजबानी का मौका मिलेगा। शाह ने इस हफ्ते की शुरुआत में विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा से पहले राज्य संघों के प्रमुखों से मुलाकात की थी।

पीसीबी ने विश्व कप में हिस्सा लेने के लिये सरकार से मांगी मंजूरी

लाहौर, 02 जुलाई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की खातिर भारत आने के लिये प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर आधिकारिक मंज़ूरी मांगी है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की ओर से रविवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पत्र में पूछा गया है कि पाकिस्तान टीम को भारत की यात्रा करने की अनुमति है या नहीं और क्या पाकिस्तानी सरकार टोह लेने के लिये एक सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भारत भेजना चाहती है।

पाकिस्तान को अपने नौ लीग मैच पांच आयोजन स्थलों पर खेलने हैं। पीसीबी ने सरकार से यह भी पूछा है कि उसे इन आयोजन स्थलों से कोई आपत्ति है या नहीं। पीसीबी ने 26 जून को पत्र को एक आवश्यक कदम के रूप में लिखा था क्योंकि किसी भी अन्य देश के दौरे के विपरीत, भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारत दौरे के लिये सरकार की अनुमति की आवश्यकता होती है।

सरकार के लिये जवाब देने की कोई समय सीमा नहीं है लेकिन पाकिस्तान टीम सरकार की मंजूरी के बिना यात्रा नहीं करेगी। पीसीबी ने सरकार के साथ पाकिस्तान टीम के नौ लीग मैचों की जानकारी भी साझा की है, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाला मैच भी शामिल है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार, पीसीबी ने कहा, "पिछले मंगलवार को विश्व कप कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद हमने अंतर-प्रांतीय समन्वय मंत्रालय के माध्यम से अपने संरक्षक माननीय प्रधानमंत्री मोहम्मद शहबाज शरीफ को लिखा। विदेश मंत्रालय और आंतरिक मंत्रालय को भी पत्र लिखते हुए विश्व कप में भाग लेने की मंजूरी का अनुरोध किया।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने 2016 पुरुष टी20 विश्व कप के बाद से भारत का दौरा नहीं किया है। दोनों टीमें एक दशक से किसी भी द्विपक्षीय शृंखला में भी आमने-सामने नहीं आये हैं और सिर्फ आईसीसी एवं एसीसी आयोजनों में मुकाबला करते हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पहले ही सुझाव दिया था कि वह विश्व कप में टीम की भागीदारी का मूल्यांकन कर रहा है और उचित समय पर पीसीबी को अपने विचार से अवगत कराएगा। भारत को लेकर सरकार के रुख पर कोई स्पष्ट स्थिति नहीं है, लेकिन हाल ही में विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी लगभग 12 वर्षों में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) शिखर सम्मेलन के लिये भारत का दौरा करने वाले पहले उच्च स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी थे। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ भी चार जुलाई को भारत की मेजबानी में वीडियो-कॉन्फ्रेंस प्रारूप में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के प्रमुखों की परिषद (सीएचएस) की बैठक में भाग लेने वाले हैं।

पाकिस्तान में सत्तारूढ़ सरकार का कार्यकाल अगस्त में समाप्त होने वाला है इसलिये पीसीबी की भारत यात्रा से जुड़ा फैसला अगली सरकार के आने तक टल सकता है। वर्तमान सरकार संभवतः इस स्तर पर औपचारिक घोषणा नहीं करेगी। उल्लेखनीय है कि 2016 में भी नवाज़ शरीफ़ की सरकार ने पीसीबी को भारत दौरे की मंज़ूरी अंतिम वक्त पर ही दी थी। पीसीबी ने पाकिस्तान टीम की सुरक्षा के संबंध में भारत सरकार से आश्वासन नहीं मिलने पर टी20 विश्व कप से हटने की धमकी दी थी।

चीन ने जापान को हराकर महिला बास्केटबॉल एशिया कप जीता

सिडनी, 2 जुलाई। चीन ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को यहां रोमांचक फाइनल में पांच बार के गत चैंपियन जापान को 73-71 से हराकर 2012 के बाद पहला महिला बास्केटबॉल एशिया कप खिताब जीता। मध्यांतर के समय चीन की टीम पिछड़ रही थी और ऐसा लग रहा था कि गत चैंपियन टीम के खिलाफ फाइनल में उसे लगातार तीसरी बार हार का सामना करना पड़ेगा। जापान ने पहले हाफ में अंतिम 14 अंक जुटाए और मध्यांतर तक टीम ने नौ अंक की बढ़त बना रखी थी। शू हेन ने तीसरे क्वार्टर में हालांकि चीन को लय दिलाई और टीम क्वार्टर के अंतिम लम्हों में बढ़त बनाने में सफल रही। चीन की टीम इसके बाद स्वर्ण पदक के लंबे इंतजार को खत्म करने में सफल रही। शू ने मैच में 26 जबकि सियू वैंग ने 17 अंक जुटाए। जापान की ओर से माकी तकादा ने 17 जबकि साकी हयाशी ने 12 अंक हासिल किए। इससे पहले शनिवार को मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 81-59 से हराकर लगातार तीसरी बार कांस्य पदक जीता।

निकहत करेंगी एशियाई खेलों में भारतीय मुक्केबाजों की अगुवाई

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ज़रीन, रिकॉर्ड छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा और टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन 23 सितंबर से आठ अक्टूबर 2023 तक चीन के हांग्झोउ में होने वाले 19वें एशियाई खेलों में भारतीय मुक्केबाजी टीम का नेतृत्व करेंगे। विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक और छह एशियाई चैंपियनशिप पदक जीतने वाले थापा 63.5 किलोग्राम वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी झोली में पहला एशियाई खेल पदक जोड़ना चाहेंगे। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन 75 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। हाल ही में दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने वाली निकहत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना दबदबा जारी रखना चाहेंगी। तेलंगाना में जन्मी मुक्केबाज ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता और वह 50 किग्रा वर्ग में मुक्केबाजी करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, इस दुर्जेय टीम ने इस प्रतिष्ठित आयोजन की तैयारी के लिये अथक परिश्रम किया है और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे। भारत मुक्केबाजी परिदृश्य में परचम लहरा रहा है और उसने बड़े स्तर पर अपनी जगह बना ली है। हाल की विश्व चैंपियनशिप में हमारे मुक्केबाजों द्वारा असाधारण प्रदर्शन देखने के बाद हमें विश्वास है कि हम हांग्झोउ में भी ऐसा ही कुछ देखेंगे।" दीपक भोरिया 51 किग्रा फ्लाईवेट वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगे। उन्होंने हाल ही में ताशकंद में पुरुष विश्व चैंपियनशिप में 2021 विश्व चैंपियन साकेन बिबोसिनोव को हराकर ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। विश्व चैंपियनशिप के एक और कांस्य पदक विजेता निशांत देव 71 किग्रा वर्ग में देश का भार अपने कंधों पर उठाएंगे। भारतीय टीम में क्रमशः हेवीवेट और सुपरहेवीवेट श्रेणियों में 2021 एशियाई चैंपियन संजीत कुमार (92 किग्रा) और 2022 एशियाई चैंपियनशिप मेडलिस्ट नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा) भी शामिल होंगे। साल 2021 के विश्व युवा चैंपियन सचिन (57 किग्रा) और तीन बार के राष्ट्रीय चैंपियन लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारतीय जर्सी पहनने वाले अन्य मुक्केबाज होंगे। पिछले साल एशियाई चैंपियन बनने के अलावा विश्व चैंपियनशिप में कांस्य जीतने वाली परवीन हुड्डा 57 किग्रा वर्ग में देश की कमान संभालेंगी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लंबोरिया 60 किग्रा वर्ग में भाग लेंगी, जबकि 2021 विश्व युवा चैंपियन अरुंधति चौधरी 66 किग्रा वर्ग में रिंग में उतरेंगी। टीम में कुशल युवा मुक्केबाज प्रीति भी होंगी, जिनके नाम 2022 एशियाई चैंपियनशिप का कांस्य पदक है। मुक्केबाज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे क्योंकि यह प्रतियोगिता 2024 पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफायर के रूप में काम करेगी।

एशियाई खेलों के लिये पुरुष मुक्केबाज : दीपक (51 किग्रा), सचिन (57 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत (92 किग्रा) और नरेंद्र (92 किग्रा)। एशियाई खेलों के लिये महिला मुक्केबाज : निकहत ज़रीन (50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), परवीन (57 किग्रा), जैस्मीन (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी (66 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा)।

गत वर्ष जुलाई में मोज़ाम्बीक की खान से निकला, अब तक का सबसे बड़ा, 55.22 कैरट का रुबी (माणक), हाल ही में रिकॉर्ड 34.8 मिलियन डॉलर में बिका है। इस देश की अधिकारिक पुर्तगाली भाषा में इसे ''एस्त्रेया ड फूरा'' नाम दिया गया है। मूलतः 101 कैरट का यह रुबी तराशे जाने के बाद 5.22 कैरट का रह गया है। सॉथबीज़ नीलामघर ने इसे बेहद दुर्लभ और अब तक का नीलाम होने वाला सबसे कीमती व महत्वपूर्ण रुबी बताया है। मोज़ाम्बीक में कैनेडा की कम्पनी फूरा जैम्स की माइन से यह रुबी निकला है। कम्पनी के सी.ई.ओ. देव शेट्टी ने कहा कि, इस आकार का स्टोन अप्रत्याशित था। फूरा के लिए नगीनों की ''सॉर्टिंग'' (वर्गीकरण) करने वाले बलबीर नाम के व्यक्ति ने सबसे पहले इस नगीने को देखा था। बलबीर ने कहा, ''मेरी एक लैबोरेटरी है और 20 साल से मैं नगीनों की जांच कर रहा हूं पर मैंने आज तक ऐसा कोई नगीना नहीं देखा। किसी ने भी ऐसे रंग, शुद्धता व चमक वाला रुबी पहले नहीं देखा है।'' पृथ्वी पर रुबी की सर्वाधिक सफल खानों में एक, इस खान की खोज कुछ दशक पहले ही मोज़ाम्बीक में हुई थी और 2009 में जब यहाँ रुबी का बड़ा भंडार मिला तब यह खान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आई। शेट्टी ने कहा, ''हमारे लिए, हमारी कम्पनी और मोज़ाम्बीक के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है, मुझे मोज़ाम्बीक पर गर्व है।''

मणिपुर में सामूहिक हिंसा, तीन ग्रामसेवकों की गोली मारकर हत्या

पुलिस ने बताया कि, अज्ञात बंदूकधारी गांवों में घुसकर दूसरी जाति के लोगों को अपनी गोलियों का निशाना बना रहे हैं

- **मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद मणिपुर में हिंसा भड़क उठी थी।**
- **मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय की है और यह मुख्य रूप से इम्फाल घाटी में रहती है। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत है और वे मुख्यतः पर्वतीय जिलों में रहते हैं।**

इम्फाल, 2 जुलाई। मणिपुर में भारी सुरक्षाबलों की तैनाती के बावजूद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। यहां बिश्नुपुर जिले में अज्ञात बंदूकधारियों की गोलीबारी में कम से कम दो ग्राम स्वयंसेवकों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि खोइजुमंतगबी गांव में रविवार देर रात यह घटना तब हुई जब ग्राम स्वयंसेवक अस्थायी बंकर से इलाके की रखवाली कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह खबर मिलने तक भारी गोलीबारी जारी थी। अधिकारी ने हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई। पूर्वोत्तर राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद मणिपुर में हिंसा भड़क उठी थी।

मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय की है और यह मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहती है। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत है और यह मुख्यत: पर्वतीय जिलों में रहती है।

बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी 29 और 30 जून को मणिपुर के दौरे पर पहुंचे थे। उन्होंने नागरिक समाज संस्थाओं के सदस्यों से मुलाकात की। इसके अलावा शिविरों में रह रहे लोगों से भी मुलाकात की।

कांग्रेस ने हिंसा को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर हमला बोला। वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा, मणिपुर की स्थिति सात से 10 दिन के भीतर सुधरने की बात कही गई थी। अगर भाजपा के नेता मणिपुर हिंसा से दूर रहें तो ही ठीक है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए, तभी स्थिति सुधर सकती है।

मोदी की यात्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेरिस एयर शो के मौके पर सफरान इंजन फैक्ट्री और पेरिस के पास अनुसंधान एवं विकास केंद्र का विशेष दौरा किया था।

इस बीच, रक्षा मंत्री और फ्रांस के साथ एन.एस.ए. के नेतृत्व वाली रणनीतिक वार्ता के तहत इंजन प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है।

सूत्रों के मुताबिक, फ्रांसीसी पेशकश में पूरी तरह से नया इंजन, नई सामग्री, नई वास्तुकला, पूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं का गुप्त अनुपालन और भारत में स्थित सहायक विनिर्माण शामिल हैं, जबकि जेट इंजन सौदे की कीमत अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में प्रति इंजन बेहद प्रतिस्पर्धी होगी, निर्मित इंजन के डिजाइन से प्रमाणन तक की कुल प्रक्रिया में हस्ताक्षर की तारीख से 10 साल का वक्त लगेगा। ऑफर में सफरान द्वारा पूर्ण डिजाइन और धातुकर्म परिशुद्धता सॉफ्टवेयर टूल के साथ भारत में गैस टरबाइन प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता का केंद्र स्थापित करना भी शामिल है।

बता दें कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैस्टिल दिवस समारोह में शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही 13 जुलाई की दोपहर पेरिस पहुंचेंगे। उम्मीद है कि, वे 13 जुलाई को राष्ट्रपति मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। भारतीय वायु सेना के राफेल लड़ाकू विमान 14 जुलाई को बैस्टिल डे फ्लाई-पास्ट में भाग लेंगे।

बी.ओ.बी. अपना क्रेडिट कार्ड बिजनेस बेचेगा

- **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बी.ओ.बी.) ने अपनी क्रेडिट कार्ड कारोबार शाखा-बीओबी फाइनेंशियल सॉल्यूशंस लिमिटेड में 49 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना बनाई है।**

नई दिल्ली, 2 जुलाई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बी.ओ.बी.) ने अपनी क्रेडिट कार्ड कारोबार शाखा-बी.ओ.बी. फाइनेंशियल सॉल्यूशंस लिमिटेड में 49 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना बनाई है। इस समय कंपनी में 100 प्रतिशत स्वामित्व बी.ओ.बी. के पास है।

एक वरिष्ठ बैंक अधिकारी ने कहा कि बी.ओ.बी. ने एक रणनीतिक निवेशक को शामिल करने के मकसद से प्रस्ताव के लिए अनुरोध जारी किया है और यह प्रक्रिया एक साल में पूरी होने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि बी.ओ.बी. का इरादा बी.ओ.बी. फाइनेंशियल सॉल्यूशंस में अधिक मूल्य जोड़कर इसे वृद्धि के अगले स्तर पर ले जाना है। इसके लिए बैंक एक या एक से अधिक निवेशकों को 49 प्रतिशत तक हिस्सा बेचने की तैयारी कर रहा है।

अजित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि पटना में विपक्ष की बैठक हुई थी, लेकिन वहां पर कोई एकता नहीं है। भुजबल ने आगे कहा कि शरद पवार ने भी कुछ दिन पहले कहा था कि 2024 में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ही आएंगे।

'जे.एन.यू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गति से जहर डालने से सामान्य व्यक्ति आत्मघाती हमलावर बन जाते हैं। याद रखें कि हमारे जैसे परिवारों के साथ हमलावर खुद भी आतंकवादियों नेता की विकृत मान्यताओं और ब्रेनवॉशिंग का शिकार हो गए हैं। 72 कुंवारियों के घातक भ्रम में फंसकर, वे विनाश के रास्ते पर चल पड़ते हैं और अंतत: एक भयानक भाग्य का सामना करते हैं।

निर्माता गुलाब सिंह तंवर ने साझा किया, किसी ऐसे प्रोजेक्ट का समर्थन करना कमजोर दिल का काम नहीं है जो भावनात्मक रूप से इतना भारी हो। 72 हुर्रे यह दिखाने का सही तरीका था कि कैसे धर्म के नाम पर, काल्पनिक कहानियां निर्दोष और सामान्य लोगों को बेची गईं लोगों को क्रूर आतंकवादियों में बदलने के लिए।

'भाजपा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कहा कि दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने ही एन.सी.पी. के बारे में कहा था कि एन.सी.पी. खत्म हो चुकी पार्टी है। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों का भी जिक्र किया था, लेकिन मुझे खुशी है कि मेरे कुछ साथियों ने आज उसी गठबंधन में शपथ ली है। तो अब स्पष्ट है कि सरकार में शामिल होते वे सभी आरोप मुक्त हो गए हैं।

'एन.सी.पी. किसकी है इसका जवाब जनता देगी'

शरद पवार ने कहा कि, मैं 1980 में ऐसे ही दौर से गुजर चुका हूं, तब मेरे पास सिर्फ 6 विधायक बचे थे, मुझे ऐसे हालात से निपटना अच्छी तरह आता है

- **शरद पवार ने कहा कि, इस घटनाक्रम से पहले अजित पवार से कोई चर्चा नहीं हुई थी। हालांकि, जाने से पहले छगन भुजबल ने मुझसे बात की थी। भुजबल ने कहा था कि, जो हो रहा है वह ठीक नहीं है। उन्होंने अजित के घर जाने की बात कही थी, लेकिन पता चला कि, उन्होंने भी शपथ ले ली है।**
- **शरद पवार ने कानूनी रास्ता अख्तियार करने से भी मना किया। उन्होंने कहा कि, इसके बजाए हम लोगों के पास जाएंगे। हमें पूरा भरोसा है कि, लोग हमें समर्थन देंगे।**

मुंबई, 2 जुलाई। अजित पवार के एन.सी.पी. पर नियंत्रण के दावों का जवाब देते हुये एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि, जनता बताएगी पार्टी किसकी है। शरद पवार ने कहा कि मैं लोगों के बीच जाऊंगा और समर्थन जुटाऊंगा। अजित के भाजपा के साथ जाने के बयान पर उन्होंने कहा कि एन.सी.पी. की आइडियोलॉजी इस बात की इजाजत नहीं देता कि भाजपा के साथ गठबंधन किया जाए।

एन.सी.पी. मुखिया ने आगे कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। 1980 में मैं जिस पार्टी का नेतृत्व कर रहा था, उसके 58 विधायक थे, बाद में सभी चले गए और केवल 6 विधायक बचे, लेकिन मैंने संख्या को मजबूत किया और जिन्होंने मुझे छोड़ा वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों में हार गए।

शरद पवार ने कहा कि अजित पवार से कोई चर्चा नहीं हुई थी। हालांकि जाने से पहले छगन भुजबल ने मुझसे बात की थी। भुजबल ने कहा था कि जो हो रहा है वह ठीक नहीं है। उन्होंने अजित के घर जाने की बात कही थी, लेकिन पता चला कि उन्होंने भी शपथ ले ली है। साथ ही पवार ने कानूनी रास्ता अख्तियार करने से भी मना किया। उन्होंने कहा कि इसके बजाए हम लोगों के पास जाएंगे। हमें पूरा भरोसा है कि लोग हमें समर्थन देंगे। शरद पवार ने आगे कहा कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में मैंने प्रफुल्ल पटेल जैसे नेताओं को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। मेरा उनसे यही कहना है कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व का विश्वास खो दिया है। अब वह इस्तीफा दे दें, अन्यथा मैं उनके खिलाफ ऐक्शन लूंगा।

'यू.सी.सी. का नहीं, हमारा विरोध तो बस भाजपा के तौर-तरीके से है'

मायावती ने कहा कि, भाजपा राजनीतिक फायदे के लिए संकीर्ण सोच रखकर यू.सी.सी. लागू कर रही है

- **उन्होंने कहा कि, यू.सी.सी. में किसी तरह का धार्मिक पक्षपात नहीं होना चाहिए। इनको इस सब से ऊपर उठकर इसे लागू करना चाहिए। यदि सरकार ऐसा कुछ करती है तो बसपा इस पर सकारात्मक रूख अपनायेगी अन्यथा पार्टी इसका विरोध करेगी।**

लखनऊ, 2 जुलाई (वार्ता)। बसपा प्रमुख मायावती ने आज कहा कि उनकी पार्टी समान नागरिक संहिता (यू.सी.सी.) के खिलाफ नहीं है लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के देश में इसे लागू करने के तरीके से असहमत है।

यहां पत्रकार वार्ता में बसपा सुप्रीमो ने यू.सी.सी. को लेकर अपनी पार्टी के रूख को स्पष्ट करते हुए कहा कि पार्टी यू.सी.सी. के खिलाफ नहीं है लेकिन भाजपा जिस तरह से इसे पूरे देश में लागू करना चाहती है वह तरीका सर्वधर्म हिताय, सर्वधर्म सुखाय का नहीं है। इसकी आड़ में इनकी संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति ज्यादा देखने को मिल रही है जो ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि इसमें किसी तरह का धार्मिक पक्षपात नहीं होना चाहिए। इनको इस सब से ऊपर उठकर इसे लागू करना चाहिए।

यदि सरकार ऐसा कुछ करती है तो बसपा इस पर सकारात्मक रूख अपनायेगी अन्यथा पार्टी इसका विरोध करेगी।

मायावती ने कहा कि देश में रहने वाले विभिन्न धर्मों के लोग परंपरा, रीति रिवाज, रहन -सहन और जीवनचर्चा सहित अनेकों चीजों में एक दूसरे से भिन्न मान्यताएं रखते हैं, जिसको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता लेकिन यह भी सोचने वाली बात है कि अगर सभी धर्मों के लोगों के लिए एक समान कानून होगा तो इससे देश कमजोर नहीं बल्कि मजबूत ही होगा। इसी बात को ध्यान में रखकर संविधान की धारा 44 में यू.सी.सी. लागू करने का प्रयास वर्णित है। भाजपा को इस सभी बातों को ध्यान में रखकर देश में यू.सी.सी. लागू करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने कहा इसके जबरन थोपने का प्रावधान बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के संविधान में नहीं है। इसके लिए जागरूकता और आम सहमति ही श्रेष्ठ है, जिस पर अमल न करके इसकी आड़ में संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति करना देश हित में नहीं है जो इस समय की जा रही है।

फ्रांस: प्रदर्शनकारी बेकाबू, मेयर के घर में घुसाई कार और आग लगा दी

पैरिस में 17 साल के एक किशोर की पुलिस गोलीबारी में हुई हत्या के बाद पांच दिनों से भड़का आंदोलन शांत नहीं हो पा रहा है

पैरिस, 2 जुलाई। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 17 साल के एक किशोर की पुलिस गोलीबारी में हुई हत्या के बाद भड़का आंदोलन शांत नहीं हो पा रहा है। पांचवें दिन भी उग्र प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में उत्पात मचाया है। पेरिस के एक उपनगर में मेयर के घर में भीड़ ने जबरन कार घुसा दी, जिसमें मेयर की पत्नी और बच्चे घायल हो गए हैं। दंगाइयों ने मेयर के घर में तोड़फोड़ और आगजनी भी की है।

मेयर विंसेंट जीनब्रून ने रविवार को कहा कि उनके घर पर शनिवार रात प्रदर्शनकारियों ने हमला बोल दिया। एक ट्विटर पोस्ट में उन्होंने कहा, उन्हें और उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने के लिए प्रदर्शनकारियों ने उनके घर पर हमला किया है। मेयर विंसेंट जीनब्रून ने कहा कि जब उनका परिवार सो रहा था, तब प्रदर्शनकारियों ने ''आग लगाने'' से पहले उनके घर में ''एक कार घुसा दी'' जिसमें ''मेरी पत्नी और मेरा एक बच्चा घायल हो गया।'' जीनब्रून ने कहा, ''यह कायरता और हत्या का प्रयास था।''

आंतरिक मंत्रालय ने रविवार को कहा कि पांचवीं रात हुए दंगों के दौरान गिरफ्तारियां बढ़कर 719 हो गई हैं। इससे कुछ घंटे पहले मंत्रालय ने 486 गिरफ्तारियों का अस्थायी आंकड़ा दिया था और कहा था कि हिंसा पहले की तुलना में कम होती दिख रही है। उस वक्त रात में लगभग 1,300 लोगों को हिरासत में लिया गया था। अब तक पांच दिनों में कुल 2800 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस बीच, फ्रांस में पुलिस की गोलीबारी में मारे गए किशोर को शनिवार को दफना दिया गया।

देशभर में जारी हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जर्मनी का दौरा रद्द कर दिया है। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि हिंसा रोकने के लिए देशभर में 45,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मंगलवार रात को प्रदर्शन की शुरुआत के बाद से पुलिस ने कुल 2,800 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से आधी से ज्यादा गिरफ्तारियां हिंसा की चौथी रात को हुईं।

राष्ट्रपति मैक्रों ने शांति की अपील करते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों को घरों पर ही रखने की अपील की। बावजूद इसके, विभिन्न शहरों में प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों और इमारतों में आग लगा दी तथा दुकानों में लूटपाट की।

अधिकारियों के मुताबिक, युवा प्रदर्शनकारियों की पुलिस से रातभर भिड़ंत हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने करीब 2,500 दुकानों में तोड़फोड़ और आगजनी की।

यूनान में जहाज पलटा, मदद करने नहीं आई कोस्टल गार्ड्स टीम 600 लोगों की मौत

जहाज में सवार लोगों ने फोन करके यूनान की सरकार और मानवतावादी कार्यकर्ताओं से मदद की गुहार लगाई, लेकिन सरकार ने कोई भी तत्परता नहीं दिखाई और नाव डूब गई

- **नाव में सवार होकर लोग यूनान से लोग इटली जा रहे थे, यूनान में तस्करी की घटनायें बहुत ज्यादा होती हैं, तस्कर नाव में लोगों को ठूस-ठूस कर ले जाते हैं, इसलिए यूनान एवं यूरोप के कोस्टल गार्ड्स इनकी कोई मदद नहीं करते हैं।**
- **यूनान सरकार के दर्जनों अधिकारियों और तटरक्षक दल ने जहाज की निगरानी की, लेकिन उसका बचाव नहीं किया और एक नौसैनिक अस्पताल का जहाज या बचाव विशेषज्ञों को भेजने के बजाय, अधिकारियों ने एक टीम भेजी जिसमें तट रक्षक बल के विशेष अभियान इकाई के चार नकाबपोश, हथियारबंद लोग शामिल थे।**

यूनान, 2 जुलाई (वार्ता)। यूनान में भूमध्य सागर में पिछले महीने ग्रीक तट रक्षकों की उपस्थिति में एक समुद्री त्रासदी में एड्रियाना जहाज पलट गया और 600 से अधिक प्रवासियों की डूबने से मौत हो गई।

तट रक्षक बल के अधिकारियों ने हवा और समुद्र से, रडार, टेलीफोन और रेडियो का उपयोग करते हुए 13 घंटे तक उन्हें देखा और सुना कि प्रवासी जहाज एड्रियाना ने अपनी बिजली खो दी तथा फिर धीरे-धीरे सामने आने वाले यूनान के तट के पास डूब गया।

जहाज पर सवार भयभीत यात्रियों ने मदद के लिए फोन किया तो मानवतावादी कार्यकर्ताओं ने उन्हें आश्वासन दिया कि एक बचाव दल आ रहा है। हवाई फुटेज में यह दिख रहा है कि यूरोपीय सीमा अधिकारी एक वीरतापूर्ण अभियान के लिए तैयार थे। फिर भी जहाज पलट गया और इस समुद्री त्रासदी में 600 से अधिक प्रवासियों की मौत हो गई।

सैटेलाइट तस्वीरें , सीलबंद अदालती दस्तावेज़, जीवित बचे लोगों और अधिकारियों के साथ 20 से अधिक साक्षात्कार और अंतिम घंटों में प्रसारित रेडियो संकेतों से पता चलता है कि इन मौतों को रोका जा सकता था।

यूनान सरकार के दर्जनों अधिकारियों और तटरक्षक दल ने जहाज की निगरानी की लेकिन उसका बचाव नहीं किया और एक नौसेना अस्पताल जहाज या बचाव विशेषज्ञों को भेजने के बजाय, अधिकारियों ने एक टीम भेजी जिसमें तट रक्षक बल के विशेष अभियान इकाई के चार नकाबपोश, हथियारबंद लोग शामिल थे। यूनानी अधिकारियों ने बार-बार कहा है कि एड्रियाना इटली की ओर जा रहा था और प्रवासी बचाने नहीं जाना चाहते थे। लेकिन न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा प्राप्त सैटेलाइट तस्वीरें और ट्रैकिंग डेटा दिखाते हैं कि जहाज पिछले साढ़े छह घंटों से एक धारा में बह रहा था। जीवित बचे लोगों ने जहाज के ऊपरी डेक पर यात्रियों को मदद के लिए पुकारने और यहां तक कि एक वाणिज्यिक टैंकर पर चढ़ने की कोशिश करने के बारे में बताया जो पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए रुका था। एड्रियाना जहाज पर सवार लगभग 750 यात्री हताश हो गए। जीवित बचे लोगों ने हर क्षण सामने आती मौत के दहशत के बारे में बताया।

एड्रियाना जहाज का डूबना भूमध्य सागर में लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध का एक चरम उदाहरण है। उत्तरी अफ्रीका में क्रूर तस्कर घटिया जहाजों पर लोगों को ठूंस-ठूंसकर भर देते हैं और यात्रियों को उम्मीद होती है कि अगर कुछ ग़लत हुआ तो उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया जाएगा।

यूरोपीय तट रक्षक अक्सर इस डर से बचाव कार्यों को स्थगित कर देते हैं कि मदद करने से तस्करों को कमजोर जहाजों पर और अधिक लोगों को भेजने का साहस मिलेगा। अधिकारियों को एड्रियाना के यात्रियों ने मदद के लिए पुकारा, तो उन्होंने नाव के कप्तान, एक 22 वर्षीय मिस्र के व्यक्ति की बात सुनने का फैसला किया, जिसने कहा कि वह इटली जाना चाहता है।

यूनानी समुद्री मामलों के मंत्रालय ने कहा कि वह विस्तृत सवालों का जवाब नहीं देगा क्योंकि जहाज दुर्घटना की आपराधिक जांच चल रही है।

समुद्री मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि कई घंटों की निगरानी के बावजूद, एड्रियाना के अंतिम क्षणों के एकमात्र चश्मदीद जीवित बचे लोग और तट रक्षक जहाज पर सवार 13 चालक दल के सदस्य थे, जिन्हें 920 के नाम से जाना जाता है। जहाज का रात्रि दृष्टि कैमरा उस समय बंद कर दिया गया था।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600